RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 124
नई दिल्ली, शुक्रवार, 11 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

विकेट खराब नहीं था लेकिन हमारे पास बल्लेबाज ही नहीं बचे थे
स्पोर्ट्स-12

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत

● मोदी और योगी का करिश्मा, सपा ने बचायी प्रतिष्ठा, बसपा-कांग्रेस का हुआ सफाया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यूपी में एक बार फिर अपना परचम लहराया है। भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। योगी के नेतृत्व में भाजपा व सहयोगी दलों को 272 सीटों पर जीत मिली है। सपा रालोद व अन्य दलों को 125 सीटें मिली हैं। विधानसभा चुनाव 2022 के नतीजों के बाद भाजपा ने राहत की सांस ली है। करीब 37 साल बाद भारतीय जनता पार्टी ने दोबारा सरकार बनाकर इतिहास रचेगी। किसान आंदोलन और महंगाई के साये में हुए विधानसभा चुनाव के रिजल्ट कई मायनों में हैरत भरे हैं।

पश्चिम यूपी में भगवा पार्टी को उतना अधिक नुकसान नहीं हुआ, जितनी किसान आंदोलन के दौरान आशंका जताई जा रही थी। इस चुनाव की खासियत यह रही कि ब्रांड योगी मजबूती के साथ उभरकर सामने आया। भाजपा गठबंधन ने करीब 273 सीट जीतकर यह जता दिया कि अगले 5 साल तक देश के सबसे बड़े सूबे में योगी का बुल्डोजर चलेगा।

गुरुवार को लखनऊ भाजपा मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विजयी मुद्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव खाली हाथ नहीं रहे। वह 113 सीट लेकर मुख्य विपक्षी दल के तौर पर उभरे उनके साथ उनके गठबंधन के साथी आरएलडी ने भी 8 सीटें जीतकर अपने अस्तित्व की रक्षा कर ली। सपा गठबंधन को कुल मिलाकर 125 सीटों पर कब्जा कर लिया। अब विपक्ष में कांग्रेस के दो और बीएसपी के एक विधायक भी रहेंगे। भाजपा को 2017 के मुकाबले 59 सीटों का नुकसान हुआ है मगर उनके लिए संतोष का विषय यह है कि अब पांच साल तक यूपी भाजपा के खाते में बना रहेगा। इस दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव भी होंगे। अगर जनता का मूड इसी तरह बना रहा तो लोकसभा में वह बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी। पश्चिम उत्तर प्रदेश में आरएलडी के युवा नेता जयंत चौधरी को भी थोड़ी राहत मिल गई। वह जाट नेता और अजित सिंह के उत्तराधिकारी के तौर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहे। मगर सपा को गठबंधन भी फायदा हुआ। वेस्टर्न यूपी के जाटलैंड कहे जाने वाले छह जिलों में आरएलडी की स्थिति मजबूत हुई।

2017 में आरएलडी को महज एक सीट मिली थी, मगर इस बार पार्टी ने परंपरागत गढ़ मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत और मेरठ में सीटें जीत लीं। हालांकि किसान आंदोलन के कारण जबर्दस्त विरोध के बीच भाजपा ने पश्चिमी यूपी में भी बढ़त हासिल की। मुजफ्फरनगर जिले की 6 सीटों में 4 पर भाजपा, दो पर राष्ट्रीय लोकदल ने कब्जा किया। बिजनौर की 8 सीटों में से 4 पर भाजपा और 4 पर सपा ने बाजी मारी। मेरठ की 7 सीटों में 3 सीट पर भाजपा और 4 पर गठबंधन को बढ़त मिली। शामली की 3 पर रालोद ने जीत दर्ज कर लीद्ध बागपत में तीन में एक सीट पर भाजपा, दो पर रालोद ने जीत दर्ज की। सहारनपुर में 7 सीटों मे 5 पर भाजपा और 2 पर सपा गठबंधन आगे रहा। भाजपा ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में भी उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया, हालांकि जाट लैंड माने जाने वाले 6 जिलों बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ, (शेष पेज 9)

गजियाबाद की पांचों व गौतमबुद्धनगर की तीनों सीटों पर भाजपा का परचम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गाजियाबाद की सभी 5 सीटों पर भाजपा की जीत हुई है। शहर सीट से अतुल गर्ग की जीत हुई है। साहिबाबाद से सुनील शर्मा, लोनी से नंदकिशोर गुर्जर चुनाव जीते हैं। वहीं, मोदीनगर से मंजू सिवाच और मुरादनगर से अजीतपाल त्यागी जीते हैं। वहीं, गौतमबुद्धनगर की तीनों सीटों पर भी भाजपा का परचम लहराया है।

यहां नोएडा से पंकज सिंह, दादरी से तेजपाल नागर व जेवर सीट से धीरेंद्र सिंह ने जीत दर्ज की है। गाजियाबाद की साहिबाबाद सीट से भाजपा के सुनील शर्मा को 3 लाख 22 हजार वोट पाकर जीत दर्ज की है, शर्मा ने 2 लाख 10 हजार वोट के अंतर से अपने विरोधी को हराया है। उन्होने देशभर में सबसे अधिक वोट पाकर जीतने के रिकार्ड कों तोड दिया है। वहीं नोएडा सीट से पंकज सिंह ने देशभर में दूसरा सबसे अधिक मतों 1 लाख 80 हजार बोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं, मोदीनगर सीट पर भाजपा से डॉ. मंजू शिवाच ने रालोद के सुदेश शर्मा को 36,151 वोटों से हरा दिया। उन्हें 1,13,712 वोट मिले। गठबंधन प्रत्याशी सुदेश को 77,561 वोट मिले। इस सीट पर सात प्रत्याशी मैदान में थे।

साहिबाबाद से जीते भाजपा प्रत्याशी सुनील शर्मा जीत का प्रमाण पत्र लेते हुए

गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट पर राज्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग ने 1,05,285 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। गाजियाबाद की मुरादनगर सीट से भाजपा के उम्मीदवार अजीत पाल त्यागी चुनाव जीत चुके हैं। अजित पाल त्यागी को 168282 वोट के साथ जीत दर्ज की वहीं, सपा के सुरेंद्र कुमार मुन्नी 71594 वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं लोनी विधानसभा सीट से भाजपा के नंद किशोर गुर्जर ने 1 लाख 27 हजार वोटों के साथ जीत हांसिल की है।

गौतमबुधनगर के तीनों विधानसभा सीटों में दादरी सीट पर भाजपा के तेजपाल नागर ने 2 लाख 18 हजार वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होने सपा (शेष पेज 9)

सत्ता में वापसी कर भाजपा ने उत्तराखंड में रचा इतिहास

● पार्टी ने 70 में 45 सीटें जीतीं लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हारे

● कांग्रेस को 17, बसपा को एक और दो सीटें निर्दलीयों ने जीतीं

भाषा। देहरादून

देहरादून में एक दूसरे को मिठाई खिलाते भाजपा नेता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के रथ पर सवार होकर भाजपा ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड में सत्ता में वापसी कर नया इतिहास बनाया है। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव, 2022 के आज घोषित परिणाम के अनुसार, उत्तराखंड में सत्तारूढ़ भाजपा के हिस्से में 70 में से अभी तक 45 सीटें आई हैं और दो सीटों पर वह बढ़त बनाए हुए है।

निर्वाचन आयोग की बेवसाइट पर रात 8:55 तक अपडेट आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखंड की 70 सीटों में से 65 पर परिणाम की घोषणा हो चुकी है और उनमें से 45 सीटें भाजपा के हिस्से में आई हैं जबकि कांग्रेस के हिस्से में 17, बसपा के हिस्से में एक और दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गई हैं। उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन के बाद वर्ष 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड में अभी तक किसी पार्टी ने लगातार दूसरी बार सरकार नहीं बनाई थी। 2022 के चुनावों से पहले राज्य में भाजपा और कांग्रेस बारी-बारी से सरकारें बनाती रही हैं। हालांकि, 2022 के चुनावों में 60 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखने वाली भाजपा अपना पुराना प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी है। पिछले चुनाव में भाजपा को 70 में से 57 सीटें मिली थीं। वहीं, सत्ता विरोधी लहर के दम पर राज्य सरकार बनाने का सपना देख रही कांग्रेस का प्रदर्शन आशा के बिल्कुल विपरीत रहा और उसके मुख्यमंत्री पद के अघोषित दावेदार हरीश रावत सहित कई दिग्गज उम्मीदवार चुनाव हार गए हैं। लेकिन, कांग्रेस के लिए यह चुनाव नुकसानदेह साबित नहीं हुआ है। अभी तक घोषित परिणाम में कांग्रेस के खाते में 17 सीटें आई हैं और दो सीटों पर वह आगे चल रही है।

2017 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के खाते में महज 11 सीटें आई थीं। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी विधानसभा सीट खटीमा को बरकरार रखने में विफल रहे हैं और इस हार ने भाजपा की बहुमत की जीत का मजा किरकिरा कर दिया है। धामी कांग्रेस के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष भुवन चंद्र कापड़ी से 6,579 मतों के अंतर से हार गए हैं। धामी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी यतीश्वरानंद (शेष पेज 9)

भाजपा का मत प्रतिशत चार राज्यों में बढ़ा, उत्तराखंड में घटा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चार राज्यों उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और पंजाब में मत प्रतिशत बढ़ा है जबकि उत्तराखंड में कम हुआ है। इन पांच राज्यों में फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव हुए थे। उत्तर प्रदेश में, भाजपा का मत प्रतिशत 2017 के विधानसभा चुनावों में 39.67 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर इस बार 41.8 प्रतिशत हो गया और इसमें 2.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, पार्टी द्वारा पांच साल पहले 312 सीटों पर जीत दर्ज की गई थी और इस बार इसमें गिरावट देखी गई है।

बृहस्पतिवार की शाम साढ़े सात बजे तक, भाजपा ने 81 सीट जीती थीं और 168 और सीटों पर वह आगे चल रही थी। समाजवादी पार्टी (सपा) ने 2017 में अपने मत प्रतिशत को 21.82 प्रतिशत से बढ़ाकर 32.02 प्रतिशत कर लिया है और उसके 116 सीटें (21 जीती, 95 आगे) जीतने का अनुमान लगाया है और इस प्रकार उसने राज्य में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। वर्ष 2017 में 22.23 फीसदी वोट हासिल करने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) 12.66 फीसदी वोट के साथ तीसरे स्थान पर है और सिर्फ एक सीट पर आगे चल रही है। मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी ने पांच साल पहले 19 सीटें जीती थीं। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा ने अपने मत प्रतिशत में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि बसपा के मत प्रतिशत में 9.57 प्रतिशत की गिरावट आई। कांग्रेस को 2017 में 6.25 फीसदी वोट मिले थे, जो इस बार घटकर 2.4 फीसदी रह गया।

उत्तराखंड एकमात्र ऐसा राज्य था जहां भाजपा का मत प्रतिशत 2017 में 46.5 प्रतिशत से घटकर 44.3 प्रतिशत हो गया। जबकि पार्टी ने 2017 में इस राज्य की 70 में से 57 सीटें जीती थीं। इस बार उसने 32 सीटें जीत ली है और 15 पर बढ़त बनाए हुए है। उत्तराखंड को छोड़कर सभी राज्यों में कांग्रेस के मत प्रतिशत में गिरावट आई है। हालांकि उत्तराखंड में उसके मत प्रतिशत (शेष पेज 9)

पंजाब में आप की सुनामी 117 में से 92 सीटें जीतीं

● आप की झाड़ू ने न केवल चार पूर्व मुख्यमंत्रियों और मौजूदा मुख्यमंत्री को, बल्कि कई राजनीतिक दिग्गजों को चुनाव में साफ कर दिया

मोनिका मलिक। चंडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी के पक्ष में बही हवा चुनाव आते-आते सुनामी में तब्दील हो गई। नतीजतन पार्टी को 20 फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में 117 सीटों में से 92 सीटें हासिल हुई हैं। आप की झाड़ू ने न केवल चार पूर्व मुख्यमंत्रियों और मौजूदा मुख्यमंत्री को, बल्कि कई राजनीतिक दिग्गजों को चुनाव में ढेर कर दिया है। यह चुनाव न सिर्फ विजेताओं के लिए, बल्कि हारने वाले कद्दावर नेताओं के लिए भी याद किया जाएगा। आप की लहर का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बहुकोणीय मुकाबले में आप को 42 फीसदी वोट मिले हैं जो 2017 के चुनाव से 17 फीसदी ज्यादा हैं। कांग्रेस और अकाली दल को क्रमश: 22.98 प्रतिशत और 18.38 फीसदी वोट मिले। आप को 42 फीसदी वोट शेयर के साथ मिली अभूतपूर्व जीत देश की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत है। अब आप वो पार्टी सरकार बनाने जा रही है जो वादे और काम करने में विश्वास रखती है। संगरूर से दो बार सांसद रह चुके कॉमेडियन से नेता बने भगवंत मान पंजाब के 17वें मुख्यमंत्री होंगे। वस्तुत: 2017 की चुनावी हार से उठकर आप ने पंजाब के चुनावी इतिहास में पहली बार बिना किसी गठबंधन के राज्य में रिकॉर्ड तीन-चौथाई बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत हासिल (शेष पेज 9)

भाजपा ने गोवा में भी लहराया परचम

भाषा। पणजी

भाजपा गोवा में सत्ता बरकरार रखने में सफल रही है और बहुमत से मात्र एक सीट कम रह गयी है जो सहयोगी दलों से पूरी हो जाएगी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत राज्य के विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश की आशंका को धत्ता बताते हुए पार्टी को विजय दिलाने में सफल रहे। भाजपा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह शुक्रवार को अपने नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक के बाद राज्य में अगली सरकार बनाने का दावा पेश करने पर फैसला करेगी। इससे पूर्व दिन में पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा था कि 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 20 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और पार्टी बृहस्पतिवार की शाम राज्यपाल पी. एस. श्रीधरन पिल्लई से मुलाकात करेगी और सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। राज्य में कांग्रेस को 11, निर्दलीयों को 3, एमजीपी को 2, आप को 2, जीएफपी को 1 और आरजीपी को एक सीट मिली है। भाजपा ने कहा है कि उसे महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (दो सीट) और तीन निर्दलीय विधायकों से समर्थन के पत्र मिले हैं, जिससे सत्तारूढ़ दल 21 के बहुमत के आंकड़े को पार करने में सक्षम है। भाजपा के गोवा के लिए चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार बनाने का दावा पेश करने पर फैसला शुक्रवार को पार्टी विधायक दल की बैठक के बाद लिया जाएगा।

मणिपुर में लगातार दूसरी बार सरकार बनाएगी भाजपा

भाषा। इंफाल

भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में स्पष्ट जीत हासिल की और 60 सीटों में से 32 सीटों पर जीत दर्ज की। विपक्षी दल कांग्रेस अपने अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए सिर्फ पांच सीटों पर सिमट गई। हालांकि तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री ओ इबोबी सिंह ने थौबल सीट से जीत हासिल की। रात नौ बजे तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने छह-छह सीटें जीती, जबकि नगा पीपुल्स फ्रंट को पांच सीटें मिली। एनपीपी एक सीट पर आगे चल रही है। दो सीटों पर कूकी पीपुल्स अलायंस को जीत मिली है।तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। इस बार भाजपा का मत प्रतिशत 37.8 फीसदी रहा। कांग्रेस अपने खराब प्रदर्शन के बावजूद 16.8 प्रतिशत मत पाकर (शेष पेज 9)

चुनावी राज्यों में नहीं चला किसान आंदोलन का दांव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे दर्शाते हैं कि दिल्ली की सीमाओं पर सालभर से ज्यादा वक्त तक चले किसान आंदोलन का चुनाव में कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में जहां सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता बरकरार रखने में सफल रही तो वहीं दूसरी ओर बदलाव की आंधी में पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जबर्दस्त जीत हासिल की। माना जा रहा था कि वापस लिए गए कृषि कानूनों के मुद्दे पर चले किसान आंदोलन का उत्तर प्रदेश पश्चिमी एवं किसानों के प्रभाव वाले इलाकों पर असर पड़ेगा। इसे ध्यान में रखते हुए ही समाजवादी पार्टी ने इस बार राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) से गठबंधन किया था ताकि जयंत चौधरी के साथ आने के (शेष पेज 9)

कांग्रेस पर भीतर और बाहर से तनने लगे तीर

● राहुल-प्रियंका की जोड़ी नहीं दिखा पाई कोई कमाल, पांचों राज्यों में हुई बुरी हार

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

पांच राज्यों में चुनाव से कांग्रेस को एक और झटका लगा है। वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और उत्साह से भरीं प्रियंका गांधी की जोड़ी भी कोई कमाल नहीं दिखा पाई और कांग्रेस उत्तर प्रदेश समेत उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में बुरी तरह हार गई। उत्तर प्रदेश में तो अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए पार्टी को 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ दो ही सीटें मिलीं। साथ ही पार्टी ने अपने शासन वाला एक और राज्य खो दिया।

अब केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उसकी सरकार है और झारखंड एवं महाराष्ट्र में वह गठबंधन सहयोगी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए पार्टी की साख को और भी झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस जैसे कई क्षेत्रीय दल पहले से विपक्ष का नेतृत्व करने की कांग्रेस की क्षमता पर सवाल उठा चुके हैं। टीआरएस पहले से ही एक गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेसी मोर्चा बनाने के लिए प्रयासरत है। चुनाव परिणामों के फौरन बाद तृणमूल ने कांग्रेस को अपने साथ विलय करने और ममता बनर्जी के नेतृत्व में भाजपा के खिलाफ लड़ने का प्रस्ताव दिया। कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) जल्द ही चुनाव परिणामों का विश्लेषण करने के लिए बैठक करेगी। पार्टी की यह हार जी-23 नेताओं और अन्य विरोधियों को प्रोत्साहित ही करेगा। अब यह तय है कि पार्टी में जल्द ही बगावत के सुर और तेज हो सकते हैं, क्योंकि नेताओं का एक वर्ग कह रहा है कि गांधी भाई-बहन पार्टी के भीतर भी अपनी विश्वसनीयता तेजी से खो रहे हैं।

कांग्रेस कार्यसमिति के एक सदस्य, जो अब राज्यसभा में हैं, ने कहा कि गांधी परिवार ने पंजाब, उत्तराखंड को थाली में परोस कर दूसरे दलों को दे दिया। ये दोनों राज्य बचाए जा सकते थे। गोवा और मणिपुर में उन्होंने पी चिदंबरम और जयराम रमेश जैसे राजनेताओं को जिम्मेदारी सौंपी, जिनका सीधा राजनीतिक जुड़ाव नहीं है। एक वरिष्ठ नेता ने पायनियर को बताया कि दोनों बहन-भाई की जोड़ी ने पंजाब में सबकुछ गड़बड़ कर दिया। वे हम जैसे किसी नेता की नहीं सुनते, जिसने पार्टी को चार दशक दिए हैं। हम कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे वरिष्ठ और सम्मानित नेता की कीमत पर नवजोत सिंह (शेष पेज 9)

पांच सालों में और ज्यादा मजबूत हुए भाजपा के विधायक

साहिबाबाद में रिकॉर्ड मतों से जीते सुनील शर्मा

नोएडा में पंकज व दादरी के तेजपाल और जेवर से धीरेंद्र का परचम

विधानसभा चुनाव 2022

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर के तीनों विधायक पिछले 5 वर्षों के दौरान और ज्यादा मजबूत बनकर उभरे हैं।

इस चुनाव में नोएडा के विधायक पंकज सिंह, दादरी के विधायक मास्टर तेजपाल सिंह नागर और जेवर के विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने पिछली बार के मुकाबले कहीं ज्यादा वोट हासिल किए हैं। कुल पड़े मतों में विधायकों को मिलने वाले मतों का प्रतिशत बढ़ा है। इससे गौतमबुद्ध नगर में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती मिली है। बड़ी बात यह है कि पिछली मर्तबा के मुकाबले इस बार भाजपा को अच्छा मुकाबला करना पड़ा है। जहां गौतमबुद्ध नगर में परंपरागत रूप से मजबूत बहुजन समाज पार्टी इस बार बेहद कमजोर पड़ गई, दूसरी तरफ हमेशा से जिले में कमजोर रही समाजवादी पार्टी मजबूत बनकर उभरी है।

अभिवादन स्वीकार करते पंकज सिंह।

प्रमाणपत्र लेते धीरेंद्र सिंह।

लोनी से नंदकिशोर जीते

गाजियाबाद की लोनी विधानसभा सीट से बीजेपी के नंदकिशोर 105121 वोट पाकर चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल के 75287 वोट पाने वाले मदन भाटिया को हराया है।

पंकज सिंह को सबसे ज्यादा 70.23 प्रतिशत वोट मिले

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने देश के चुनावी इतिहास में बड़ा रिकॉर्ड कायम किया है। अब तक देशभर के राज्यों की विधानसभाओं के लिए करीब 300 चुनाव हो चुके हैं। इनमें सबसे बड़े अंतर वाली जीत का रिकॉर्ड उन्होंने कायम किया है। इस चुनाव में नोएडा सीट पर 345871 वोट पड़े थे। इनमें से पंकज सिंह को 244319 वोट मिले हैं। यह कुल पड़े मतों का 70.23 प्रतिशत है। आपको बता दें कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में पंकज सिंह को 63.84 प्रतिशत वोट मिले थे। इस तरह इस बार पंकज सिंह ने 6.39 प्रतिशत ज्यादा वोट हासिल किए हैं।

धीरेंद्र सिंह ने बढ़ाई वोटों की ताकत

गौतमबुद्ध नगर में जेवर विधानसभा सीट मतदाताओं की संख्या के मामले में सबसे छोटी है। इस सीट के लिए केवल 231267 मतदाताओं ने ईवीएम पर बटन दबाया था। इनमें से धीरेंद्र सिंह को 117205 वोट मिले हैं। इस तरह धीरेंद्र सिंह ने 50.68 वोट हासिल किए हैं। आपको बता दें कि वर्ष 2017 के चुनाव में धीरेंद्र सिंह को 48.71 वोट मिले थे। कुल मिलाकर धीरेंद्र सिंह के खाते में 1.97 प्रतिशत ज्यादा वोट गए हैं। आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं में फूट और धीरेंद्र सिंह के खिलाफ चलाए गए दुष्प्रचार के बावजूद उन्होंने यह बड़ी कामयाबी हासिल की है।

दादरी विधायक ने लगाई सबसे ऊंची छलांग

नोएडा। मत प्रतिशत बढ़ाने के मामले में दादरी के विधायक मास्टर तेजपाल सिंह नागर ने सबसे ऊंची छलांग लगाई है। दादरी विधानसभा सीट पर 353078 वोट पड़े थे। इनमें से मास्टर तेजपाल सिंह नागर ने 218068 वोट हासिल किए हैं। मतलब, उन्हें कुल पड़े वोटों में से 61.76 प्रतिशत वोट मिले हैं। अगर पिछले चुनाव की बात करें तो तेजपाल सिंह नागर ने 53.24 प्रतिशत वोट हासिल किए थे।

इस बार उनका मत प्रतिशत 8.52 बढ़ा है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी की झोली में पड़ने वाले मतों की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दादरी में हुई है। आपको बता दें कि दादरी के डिग्री कॉलेज में सम्राट मिहिरभोज की प्रतिमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। जिसके चलते मास्टर तेजपाल सिंह नागर को गुर्जर बिरादरी में विरोध का सामना करना पड़ रहा था। भाजपा को यहां शहरी मतदाताओं की लामबंदी का फायदा पहुंचा है।

गौतमबुद्धनगर में भाजपा को करीब 6 प्रतिशत ज्यादा वोट मिले

नोएडा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 5.62 वोट ज्यादा मिले हैं।

आपको बता दें कि 2017 के विधानसभा चुनाव में 55.26 वोट भाजपा के खाते में गए थे। इस बार जिले में भाजपा का मत प्रतिशत बढ़कर 60.89 हो गया है। कुल मिलाकर पिछले 5 वर्षों के दौरान गौतमबुद्ध नगर में भाजपा के जनाधार का विस्तार हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी को मिलने वाले वोटों में धर्म और जाति के बंधन टूट रहे हैं। खासतौर से महिलाओं और युवाओं ने सत्तारूढ़ दल के पक्ष में लामबंद होकर मतदान किया है। तमाम विरोध और आलोचनाओं के बावजूद भारतीय जनता पार्टी को मिलने वाला वोट प्रतिशत घटने की बजाय बढ़ रहा है। विपक्षी दलों के विरोध का असर वोटरों पर नहीं पड़ा है।

32 उम्मीदवारों की जमानत जब्त

नोएडा विधानसभा सीट के लिए 13 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। यहां 11 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई हैं। अगर दादरी सीट की बात करें तो यहां 14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। तेजपाल सिंह नागर व राजकुमार भाटी के अलावा बाकी सभी 12 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है। जेवर सीट पर 12 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 9 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई हैं। इनमें आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी पूनम को महज 596 वोट मिले हैं।

पंजाब में आप की जीत पर कार्यकर्ताओं में खुशी

नोएडा। पंजाब में आम आदमी पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने पर नोएडा में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई पार्टी कार्यकर्ताओं ने भारत माता की और जय वंदेमातरम के जय घोष के साथ ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचे और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर पार्टी की जीत का इजहार पार्टी कार्यालय सेक्टर 18 पर किया। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र जादौन ने कहा पंजाब के लोगों ने केजरीवाल के मॉडल को अपनाया है प्रचंड बहुमत की सरकार बना कर उन्नति और तरक्की के रास्ते को अपनाया है।

साहिबाबाद में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

सबसे बड़ी जीत का बनाया रिकार्ड

गाजियाबाद। वोटरों की संख्या के लिहाज से प्रदेश की सबसे बड़ी विधानसभा सीट साहिबाबाद के वोटरों ने यहां के भाजपा प्रत्याशी और विधायक सुनील शर्मा को अपनी संख्या के अनुरूप ही प्यार दिया।

सुनील शर्मा ने साहिबाबाद विधानसभा सीट पर एतिहासिक दो लाख 27 हजार वोट से जीत दर्ज की। उन्होंने सपा गठबंधन प्रत्याशी अमरपाल शर्मा को हराया। इस जीत के साथ ही उन्होंने विधानसभा चुनाव में जीत का एक रिकार्ड कायम किया। इससे पहले यह रिकार्ड महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नाम था। इस बड़ी जीत के बाद मतदाता अब विधायक से अस्पताल और स्टेडियम जैसी सौगातों की उम्मीद लगा रहे हैं।

वोटरों की संख्या के सबसे बड़ी विधानसभा सीट साहिबाबाद में करीब दस लाख बीस हजार वोटर हैं। दस फरवरी को हुए मतदान में करीब चार लाख अस्सी हजार मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। माना जा रहा था कि साहिबाबाद में भाजपा और गठबंधन प्रत्याशी में कांटे की टक्कर होगी लेकिन सुनील शर्मा ने एकतरफा जीत दर्ज की। 42 राउंड की मतगणना में सुनील ने गठबंधन प्रत्याशी अमरपाल को दो लाख हजार वोट से पराजित किया।

हापुड़ से विजय पाल जीते

हापुड़ विधानसभा सीट से बीजेपी के विजय पाल ने जीत दर्ज की है। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी गजराज सिंह रहे। उन्हें 65454 वोट मिले।

धौलाना से धर्मेश सिंह तोमर विजय

हापुड़ जिले की धौलाना विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी धर्मेश सिंह तोमर ने जीत दर्ज की है। धर्मेश को 125028 वोट मिले हैं। उन्होंने असलम चौधरी को 112400 वोट मिले।

गाजियाबाद नगर से अतुल गर्ग जीते

विधानसभा सीट से बीजेपी के अतुल गर्ग ने जीत दर्ज की है। अतुल को 119975 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी विशाल वर्मा को 39642 वोट मिले।

मोदीनगर डॉक्टर मंजू ने दी पटखनी

मोदीनगर विधानसभा सीट से बीजेपी की डॉक्टर मंजू जीती है। मंजू को 113349 वोट मिले। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी सुदेश शर्मा रहे। उन्हें 78266 वोट मिले।

मुरादनगर से अजित त्यागी का परचम

मुरादनगर विधानसभा सीट से बीजेपी के अजित पाल त्यागी ने जीत दर्ज की है। अजित पाल को 169290 वोट मिले। यहां से दूसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुरेंद्र कुमार मुन्नी को 71594 वोट मिले।

गढ़मुक्तेश्वर से हरेंद्र सिंह ने जीते

हापुड़ जिले में गढ़मुक्तेश्वर सीट से बीजेपी के हरेंद्र सिंह ने जीत दर्ज की। सिंह को यहां 1,03444 मत प्राप्त हुए, वहीं सपा को 77,429 वोट मिले। बसपा तीसरे स्थान पर रही।

गाजियाबाद के मतदान केंद्र पर बसपा कार्यकर्ता को आया हार्ट अटैक

गाजियाबाद। गाजियाबाद विधानसभा सीट पर मतगणना बीच बहुजन समाज पार्टी के एक कार्यकर्ता को हार्टअटैक आया। उसे तत्काल अस्पताल लेकर जाया गया। गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट की मतगणना केंद्र पर बसपा कार्यकर्ता को हार्ट अटैक पड़ा। बुधवार को गोविंदपुरम स्थित अनाज मंडी में चल रही मतगणना के दौरान गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट से बसपा प्रत्याशी केके शुक्ला के मतगणना एजेंट अंकित यादव को दौरा पड़ गया। अंकित बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा आनन-फानन में बसपा के कार्यकर्ताओं ने अंकित यादव को पंडाल से बाहर निकाला और पुलिस प्रशासन को सूचना दी।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अरुण गुप्ता और स्मिनु गुप्ता- LBBRD00002067944	फ्लैट नंबर ए- 603, 6वीं मंजिल, दर्शनम एलीट, साई सरजन के पास, प्रथम उपवन के सामने, सन फार्मा रोड, अतलदारा 205/1, वडोदरा-390012/ 05 मार्च, 2022	अक्टूबर 07, 2021 ₹ 11,44,824.66/-	वडोदरा

उपरोक्त दर्शाये गये कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: मार्च 11, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सूचित करना है कि एलआईजी म0 नं0 85, ब्लॉक-डब्ल्यू, सै0-12, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र, जिसके मूल आवंटी श्री बीर सिंह पुत्र श्री मेघ राज सिंह, निवासी 87-ए/एल-1, डीडीए फ्लैक्ट्स कालकाजी नई दिल्ली ने मुख्तारनामा आम के आधार पर निम्न व्यक्ति को निम्न क्रमानुसार बेचा गया। दि0 03.05.1983, को मुख्तारनामाआम श्री एस0सी0 कपूर पुत्र श्री एच0आर0 कपूर, निवासी 5/10, वन रोड, शिप्रा सनसिटी इन्द्रापुरम गाजियाबाद उ0प्र0, के पक्ष में पंजीकृत किया गया है तथा विक्रय संविदा श्रीमती किरन कपूर पत्नी श्री एस0सी0 कपूर निवासी 5/10, वन रोड, शिप्रा सनसिटी इन्द्रापुरम गाजियाबाद उ0प्र0, भी दि0 03.05.1983 के पक्ष में है जो कि अपंजीकृत है।

चूँकि विक्रय संविदा पंजीकृत नहीं है अतः इस नोटिस के माध्यम से सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि एलआईजी म0 नं0 85, ब्लॉक-डब्ल्यू, सै0-12, नौएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0, को मुख्तारनामा आम द्वारा श्री सुनील कुमार पुत्र स्व0 राजपाल सिंह निवासी वी-22, सै0-12, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0 के पक्ष में अन्तरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो कृपया अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नोएडा प्राधिकरण के आवासीय विभाग (भवन) में इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर दाखिल कर सकता है।

हस्ताक्षर
श्री एस0सी0 कपूर पुत्र श्री एच0आर0 कपूर,
निवासी 5/10, वन रोड, शिप्रा सनसिटी, इन्द्रापुरम,
गाजियाबाद उ0प्र0

पारिवारिक विवाद में भतीजे का सिर फोड़ा

नोएडा। सलारपुर गांव में युवक ने परिवारिक विवाद को लेकर अपने दो चाचा पर मारपीट करने और उसका सिर फोड़ने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सलारपुर गांव में रहने वाले अंशुल परिवार के साथ रहते हैं। बताया गया है कि सलारपुर गांव स्थित दुकान पर सामान खरीदने गए थे। इसी बीच उनके दो चाचा सुरेंद्र और सोनू से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद उनके साथ दोनों चाचा ने मारपीट की।

मेस का नाश्ता कर एक दर्जन छात्र बीमार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन निट्राद्ध के संजयनगर सेक्टर-23 स्थित हॉस्टल के मेस का नाश्ता करने के बाद सात विद्यार्थियों की हालत बिगड़ गई।

पेट और सिरदर्द के बाद छात्र-छात्राएं बेहोश होकर गिरने लगे। सभी विद्यार्थियों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना का पता लगते ही पुलिस, स्वास्थ्य और औषधि एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर दौड़ पड़े। मेस में गंदगी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने हॉस्टल की मेस को बंद करा दिया तो वहीं औषधि एवं खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाना बनाने वाली फर्म का रजिस्ट्रेशन निरस्त करते हुए खाने के पांच नमूने जांच के लिए भेजे हैं।

इंस्टीट्यूट प्रबंधन ने कहा है कि घटना का कारण एंग्जाइटी है तो स्वास्थ्य विभाग ने फूड प्वाइजनिंग से छात्रों की हालत बिगड़ने का अंदेशा जताया है। इंस्टीट्यूट के हॉस्टल में करीब सवा सौ छात्र-छात्राएं रहते हैं। नाश्ता करने के बाद सुबह दस बजे छात्र जैसे ही क्लास में गए तो एक के बाद एक कई छात्रों को सिर दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	समन्वय राठौर/ राजेंद्र कुमार राठौर- LBJOD00004590253	साउथ पार्ट ऑफ़, प्लॉट नंबर 78 सेक्टर सी शिव गौरी अपार्टमेंट, वैशाली टाउनशिप, डाली बाई सर्कल, जोधपुर- 342001/ 8 मार्च, 2022	जून 19, 2021 ₹ 25,57,454.00/-	गाज़ियाबाद/ जोधपुर/ मुंबई
2.	समन्वय राठौर/ राजेंद्र कुमार राठौर- LBJOD00004590270	साउथ पार्ट ऑफ़, प्लॉट नंबर 78 सेक्टर सी शिव गौरी अपार्टमेंट वैशाली टाउनशिप डाली बाई सर्कल, उत्तर प्रदेश, जोधपुर- 342001/ 8 मार्च, 2022	जून 19, 2021 ₹ 3,07,569.00/-	गाज़ियाबाद/ जोधपुर/ मुंबई

उपरोक्त दर्शाये गये कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: मार्च 11, 2022
स्थान: गाज़ियाबाद

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि आवासीय प्लॉट नं. 227, ब्लॉक-बी, सैक्टर-105, नौएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. रकबा 112.5 वर्ग मीटर जिसके मूल आवंटी श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी मकान नं. 1, वॉटर कम्पाउंड, सैक्टर-24, नौएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश है को मुख्यतारनामा के आधार पर उक्त प्लॉट निम्नलिखित व्यक्ति को बेचा गया था।

श्री सुनील बगाई पुत्र के.एल. बगाई निवासी 40/81, सी.आर. पार्क, नई दिल्ली-110019 के पक्ष में दिनांक 31.05.2011 को मुख्यतारनामा सब-रजिस्ट्रार नौएडा में पंजीकृत किया गया था तथा विक्रय संविदा पंजीकृत नहीं है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उक्त प्लॉट नं. 227, ब्लॉक-बी, सैक्टर-105, नौएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. रकबा 112.5 वर्ग मीटर, मुख्यतारनामा के आधार पर श्री सचिन चौहान पुत्र श्री खड़क सिंह निवासी मकान नं. 183, गली नं.-1, ग्राम छलेरा, सैक्टर-44, नौएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर के पक्ष में अन्तरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो कृप्या अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नौएडा प्राधिकरण के आवासीय प्लॉट विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर दाखिल कर सकते हैं।

(सचिन चौहान)

गाजियाबाद की बड़ी आबादी गंदा पानी पीने को मजबूर

नगर निगम और स्थानीय निकायों के सर्वे में हुआ खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

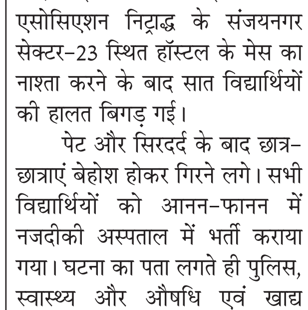

नेशनल कैपिटल रीजन के गाजियाबाद की करीब 40 फीसदी आबादी को साफ और पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। नगर निगम और स्थानीय निकायों के सर्वे में यह खुलासा हुआ है।

अधिकारियों द्वारा फिर योजनाएं बनाने का दावा तो किया जा रहा हैए लेकिन पिछली योजनाएं अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। शहर के कई ऐसे वार्ड हैं जहां जरूरत से कम व दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसकी बड़ी वजह पुरानी व जर्जर पाइप लाइन का होना बताया गया है।

हाल ही में नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने सभी वार्ड में पानी की आपूर्ति को लेकर एक सर्वे कराया। जिसके तहत पाया गया कि हर वार्ड में पानी की आपूर्ति 2011 की जनगणना के हिसाब से है। माना जा रहा है जनणना हिसाब से अब 20 फीसदी अधिक लोगों को पानी की जरूरत है। इसके लिए 2025 तक प्रत्येक घर में पेयजल की आपूर्ति करने की तैयारी की गई है। जनपद की हालत तो यह है कि यहां की 40 फीसदी आबादी को साफ पानी नहीं मिल रहा है। अधिकारियों ने अब इस पर योजना बनाने की बात कही है। टीएचए की 30 से अधिक छोटी-बड़ी कॉलोनियों में रहने वाली लाखों की आबादी को दोनों समय पेयजल नहीं मिल पा रहा। छह लाख से ज्यादा की आबादी को 75 एमएलडी पानी की जरूरत है, जबकि निगम केवल 30 एमएलडी पानी की आपूर्ति कर रहा है। मोहन नगर जोन के शालीमार गार्डन, छाबड़ा कॉलोनी, शहिद नगर, जनकपुरी, पप्पू कॉलोनी, लाजपत नगर, राजीव कॉलोनी, राजबाग, कुटी, मौसम विहार, गगन विहार और जवाहर पार्क, पसौंडा, वृंदावन गार्डन, विक्रम एंक्लेव में नगर निगम पानी की आपूर्ति नहीं करता है।

गांवों के लिए योजना पर काम चालू

गांवों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के लिए सरकार की ओर से जल जीवन मिशन योजना के तहत जनपद के गांवों में पानी की पाइप लाइन डाली जा रही है। योजना के लिए कुल 205 गांवों में से 147 गांवों में साफ पानी की किल्लत है। खोड़ा के लोग कई सालों से पेयजल की मांग कर रहे हैं। आपूर्ति नहीं होने से छह लाख की आबादी अन्य साधनों से पानी की जरूरत पूरी कर रही है। गंगाजल आपूर्ति के लिए बनाया गया प्रस्ताव शासन के पास लंबित पड़ा हुआ है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पंजाब में आप की प्रचंड जीत से गदगद मुख्यमंत्री केजरीवाल, अब भरी देश में इंकलाब की हुंकार

● देश का सच्चा सपूत व देशभक्त है, लोगों ने बताया कि केजरीवाल आतंकवादी नहीं है

संजय राय। नई दिल्ली

पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। दीन दयाल उपाध्याय माई स्थित पार्टी कार्यालय में धूम दिखी।

जश्न मनाते कार्यकर्ताओं ने जमकर पटाखे फोड़े और ढोल नगाड़े की थाप पर झमकर नाचे। इस दौरान खुशी से एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पार्टी की जीत पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी गदगद नजर आए। उन्होंने सरदार भगवंत मान को पंजाब का सीएम बनने की बधाई देते हुए कहा कि पहले दिल्ली में इंकलाब हुआ, आज पंजाब में इंकलाब हुआ, अब पूरे देश में इंकलाब होगा। आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर कार्यकर्ता बृहस्पतिवार सुबह से ही जुटना शुरू हो गए थे। पांच राज्यों की मतगणना जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई और रूझान आप के पक्ष में आना शुरू हुए तो कार्यकर्ता जोरदार ताली बजाकर अपनी खुशी का इजहार करते। पंजाब में पार्टी को जैसे ही प्रचंड बहुमत मिला कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। इस बीच अरविंद केजरीवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 75 साल से अंग्रेजों वाली व्यवस्था चली आ रही है। पार्टी ने पिछले सात साल में इस व्यवस्था बदला है। अब गरीबों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने लगी है। बाबा साहब व भगत सिंह का सपना पूरा होने लगा है। पंजाब के नतीजों ने बता दिया कि केजरीवाल आतंकवादी नहीं है, आतंकवादी तो तुम लोग हो, जो सारे मिलकर देश को लूट रहे हो। आप संयोजक ने कहा कि आज हम लोगों को संकल्प लेना है कि हम नया भारत बनाएंगे, जहां एक इंसान, दूसरे इंसान से प्यार-मोहब्बत करेगा। एक ऐसा भारत बनाएंगे, जहां नफरत की कोई जगह नहीं होगी। कोई भूखा नहीं सोएगा और सभी सुरक्षित होंगे। आने वाला समय भारत का है और भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनने से अब कोई नहीं रोक सकता है।

आप कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री गोपाल राय समर्थकों का अभिनंदन स्वीकार करते हुए। फोटोः रंजन डिमरी

पंजाब के लोगों ने कमाल कर दिया बड़ी-बड़ी कुर्सियां हिल गईं

पंजाब विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि पंजाब के लोगों ने कमाल कर दिया। आई लव यू पंजाब। सुखबीर सिंह बादल, कैप्टन अमरिंदर सिंह, चन्नी, प्रकाश सिंह बादल, नवजोत सिंह सिद्धू और विक्रम सिंह मजीठिया हार गए। यह बहुत बड़ा इंकलाब है। पंजाब में बड़ी-बड़ी कुर्सियां हिल गईं। भगत सिंह ने एक बार कहा था आजादी मिलने के बाद अगर हमने केवल अंग्रेजों को भगा दिया और सिस्टम नहीं बदला, तो कुछ नहीं होने वाला है। दुख की बात है कि पिछले 75 साल से इन पार्टियों और इन नेताओं ने वही अंग्रेजों वाला सिस्टम रखा था। ये देश को लूट रहे थे। कोई स्कूल-अस्पताल नहीं बनाए। लोगों को जानबूझ कर गरीब रखा गया।

बाबा साहब और भगत सिंह के लगे बैनर

आम आदमी पार्टी मुख्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जगह-जगह होर्डिंग्स और बैनर लगाए थे। केजरीवाल जहां पार्टी समर्थकों और देश वासियों को संबोधित किया वहां भी बाबा साहब और शहीद-ए-आजम भगत सिंह का बैनर लगाया गया था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार इन महापुरुषों के सपनों को पूरा कर रही है और पंजाब में भी इसकी शुरूआत हो गई है। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी ने आगामी चुनावों के लिए कमर कस ली है।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर खूब झूमे समर्थक

पार्टी मुख्यालय में सुबह से ही जश्न का माहौल था। जैसे-जैसे प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित होती गई, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह बढ़ता गया। समर्थकों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई देने के साथ ही ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। एक मौका केजवरीवाल नू और एक मौका भगवंत मान नू गाने की धून पर कार्यकर्ता खूब झमे। समर्थक इस बात से भी खुश दिखे कि केजरीवाल मॉडल को अब दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में भी स्वीकार कर लिया गया है और देश में एक ईमानदार राजनीति की शुरूआत हो चुकी है।

पंजाब और गोवा में जो कुछ हुआ, वह बड़े बदलाव का है संकेत : सिसोदिया

पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने पंजाब समेत पूरे देश के आम आदमी को बधाई देते हुए कहा कि गोवा और पंजाब के लोगों ने कमाल कर दिया। सभी के लिए और देश की राजनीति के लिए आज बहुत बड़ा दिन है। पूरे देश में केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस स्वीकारा जा रहा है। केजरीवाल के काम करने का जो मॉडल है, वो अब राष्ट्रीय हो गया है। पंजाब और गोवा में आज जो कुछ हुआ है, वह बड़े बदलाव का संकेत है। पंजाब के लोगों ने वोट नहीं डाला है। उन्होंने केजरीवाल को मौका दिया है। बाबा साहब और शहीद भगत सिंह के सपने को पूरा करने का जो काम शुरू किया है, उस पर आज पंजाब की जनता ने मोहर लगा दी है। साथ ही, गोवा की जनता ने बताया है कि वह भी इंतजार कर रहे हैं।

10 साल का राजनीति सफर

उतार-चढ़ाव के साथ बढ़ती रही आप

ज़ाहिद अली। नई दिल्ली

एक दशक में आम आदमी पार्टी ने कई उतार चढ़ाव देखे लेकिन लगातार पार्टी नए मुकाम हासिल करती चली गई और आज दो राज्यों में उसका परचम फैल रहा है। वर्ष 2012 में जब अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया और पुराने साथ कुमार विश्वास के साथ पार्टी शुरू की तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि नया दल दस साल में ही दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेगा।

आप के लिए यह सफर आसान भी नहीं था, क्योंकि 2013 में पार्टी के गठन के तीन माह बाद ही दिल्ली के रण में कूद गई।

सामने थी दिल्ली की दिग्गज नेता शीला दीक्षित की बादशाहत। अरविंद केजरीवाल ने फैसला किया कि वह शीला को चुनौती देंगे। नई दिल्ली सीट सरकारी कर्मचारियों बहुल्य सीट मानी जाती थी। केजरीवाल ने एक माह के अभियान में ही दिल्ली का चुनावी गणित पलट दिया और 28 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस को केवल आठ सीटें मिलीं और दोनों ने मिलकर 49 दिन सरकार चलाई। लोकपाल को लेकर कांग्रेस और आप की राह अलग हो गई और केजरीवाल इस्तीफा देकर 2014 के लोकसभा चुनाव में कूद गए। अब रण का मैदान था बनारस। इस चुनाव में नरेंद्र मोदी के सामने उन्हें करारी शिकस्त मिली और उनका राजनीतिक ग्राफ तेजी से नीचे आया। दूसरी तरफ दिल्ली की जनता भी नाराज थी। उन्हें लगता था कि अरविंद केजरीवाल महत्वकांशी नेता है और राजधानी की जनता को छोड़कर भाग गए।

एक वर्ष तक दिल्ली में राष्ट्रपति शासन रहा। इस दौरान देश की राजनीति की फिजा भी पूरी तरह बदल चुकी थी। राष्ट्रीय पटल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धाक जम चुकी थी। अरविंद ने एक साल मंथन किया और नए सिरे से तैयारी शुरू की। दिल्ली में चौपाल लगाकर लोगों से माफी मांगी और एक बार फिर मौका देने की बात कहीं। साल 2015 आप के स्वर्णिम साल रहा।

पार्टी ने भाजपा को धूल चटाते हुए 67 सीटों पर परचम लहराया। हालांकि 2017 के नगर निगम चुनावों में पार्टी की गाड़ी फिर पटरी से उतरी और वर्ष 2019 के चुनाव में लोक सभा चुनाव में हाथ आजमाया लेकिन देश भी समेत दिल्ली की सातों सीटों पर हार मिली। केजरीवाल ने 2020 के एक बार फिर आपने काम के आधार पर दिल्ली वालों से समर्थन मांगा और लोगों ने आप को 63 सीटें जीताकर तहलका मचा दिया। इस जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने गुजरात के नगर निगम चुनाव में चौकाया और यूपी में भी विस्तार की प्रयास किया। हालांकि 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में दूसरे नंबर की पार्टी बनीं लेकिन 2022 में पंजाब की राजनीति में पुराने खिलाड़ियों को उखाड़ फेंका।

छूटे साथी बारी-बारी

अप्रैल 2015 में योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण और आनंद कुमार को आप से निकाल दिया गया। पत्रकार आशुतोष पार्टी की सरोकार और साफ-सुथरी राजनीति से प्रभावित होकर 2014 में पार्टी में शामिल हुए थे लेकिन 2015 के बाद उनका भी मोह भंग हो गया। दूसरी तरफ राज्यसभा उम्मीदवारों के चुनाव को लेकर कुमार विश्वास ने केजरीवाल के खिलाफ मोर्चा खोला और वह पार्टी की सक्रिय राजनीति से अलग हो गए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जीत का जश्न

● भाजपा मुख्यालय में सुबह जुटे कार्यकर्ता, बंटने लगी मिठाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती शुरू होने के साथ दिल्ली प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता पहुंचने लगे।

पार्टी कार्यकर्ता ने चारों राज्यों में जीत पर जश्न मनाते हुए एक दूसरे को मिठाइयां खिलाई और ढोल नगाड़ों पर झूमते कार्यकर्ताओं ने जमकर झूमें। वोटों के शुरुआती रुझानों के साथ ही भाजपा ने चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में बढ़त बना लिया था जो देर शाम तक सुखद परिणामों में परिवर्तित होते रहे। चार प्रदेशों में वोटों की गिनती के साथ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ता ही जा रहा था।

पार्टी मुख्यालय पर गुरुवार सुबह से शुरू हुआ ढोल नगाड़ों का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा था। पार्टी कार्यकर्ता एक दूसरे को चार राज्यों में ऐतिहासिक जीत के लिए गुलाल लगाकर बधाई दे रहे थे।

दोपहर तक रूझानों में निर्णायक बढ़त बनाने के साथ ही पार्टी मुख्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा बढ़ता गया। वहां पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि हम यूपी चुनाव की तरह एक बार फिर से दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीत दर्ज कर भगवा परचम लहराएंगे।

भाजपा कार्यालय स्थित सुरक्षा के तगड़े बंदोबस्त किए गए। हालांकि भारी संख्या में पार्टी मुख्यालय लोगों के पहुंचने के कारण जाम से भी लोगों को दो चार होना पड़ा।

विकास करने का मिला पुरस्कार: अश्विनी चौबे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की चारों राज्यों में जीत पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री जी के विकास एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे ले जाने के संकल्प पर जनता की मुहर है।

जनता ने डबल इंजन सरकार को आशीर्वाद दिया है। बुलडोजर बाबा का बुलडोजर चल गया है। यूपी में मैंने दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में जनसंवाद किया था। हर घर से यही आवाज आती थी 'मोदी जी हैं तो मुमकिन है योगी जी है तो यकीन है..।' चौबे ने उत्तरप्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने डबल इंजन की सरकार को गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री जी मार्गदर्शन में योगी जी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। केंद्रीय मंत्री ने गोवा, उत्तराखंड व मणिपुर में जनता ने विकास की गति को बढ़ाने के लिए भाजपा को जनादेश देने पर आभार जताया।

पंजाब में आप की जीत असाधारण: योगेंद यादव

नई दिल्ली। स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव ने पंजाब में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी की जीत को शानदार एवं असाधारण बताया।

साथ ही कहा कि यह चुनावी रण में किसी भी पार्टी की सफलता से अधिक समूचे राजनीतिक प्रतिष्ठान पर अभियोग है। राज्य के मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी (आप) को अपना जनादेश दिया है क्योंकि वह स्वयं को नजर आने वाले एकमात्र राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश कर पाई। उन्होंने वह पांच चुनौतियों भी गिनाईं जिनसे आप को सत्ता में आने के बाद जूझना पड़ सकता है।

यादव ने कहा कि पार्टी को संघवाद समझना होगा तथा क्षेत्रीय संवेदना का सम्मान करना होगा।

कुमार विश्वास के आवास के बाहर आप विधायक को पुलिस ने रोका

● केजरीवाल पर अलगाववादी तत्वों के समर्थन का लगाया था आरोप

पीएनएस। नई दिल्ली/ गाजियाबाद

आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास के यहां इंदिरापुरम स्थित आवास के बाहर पुलिस ने गुरुवार को पार्टी के विधायक नरेश बलियान और उनके समर्थकों को रोक दिया।

अरविंद केजरीवाल के पूर्व में करीबी रहे कुमार विश्वास ने हाल में यह आरोप लगा कर विवाद खड़ा कर दिया था कि आप के राष्ट्रीय संयोजक पंजाब चुनाव जीतने के लिए अलगाववादी तत्वों से समर्थन लेने के लिए तैयार हैं। पुलिस द्वारा उन्हें रोकने के बाद, दिल्ली के उत्तम नगर के विधायक बलियान ने कहा कि वह विश्वास से मिलना चाहते हैं ताकि उन्हें मिठाई खिलाई जा सके क्योंकि आप पंजाब में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। आप नेता ने कहा, हम यहां किसी विरोध प्रदर्शन के लिए नहीं आए हैं। अगर वह इस समय यहां नहीं है, तो हम रात में उन्हें मिठाई, नींद की गोलियां और रक्तचाप की गोलियां देने आएंगे। बलियान ने कहा कि वह सोच रहे हैं कि चुनाव नजदीक होने पर केजरीवाल के खिलाफ बयान देने के लिए भाजपा को फायदा होगा।

आप को राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए दो और राज्यों में क्षेत्रीय दल बनने की जरूरत

● चुनाव आयोग के पूर्व अधिकारी ने दिया नियमों का हवाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पंजाब में विधानसभा चुनाव जीत चुकी आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय दल के दर्जे का दावेदार बनने के लिए अगले दो विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है जो इस साल के आखिर या अगले साल के प्रारंभ में होंगे। चुनाव आयोग के एक पूर्व अधिकारी ने चुनाव निशान (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि स्वत: ही राष्ट्रीय पार्टी बन जाने के लिए किसी भी पार्टी को चार राज्यों में प्रादेशिक (क्षेत्रीय) दल बनने की जरूरत होती है।

आम आदमी पार्टी पहले से ही दिल्ली और पंजाब में प्रादेशिक दल है। वह दिल्ली में सत्ता में है जबकि वह पंजाब चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद वहां सत्तासीन होने जा रही है। आदेश के प्रावधानों का हवाला देते हुए आयोग के पूर्व अधिकारी ने कहा कि किसी भी पार्टी को प्रादेशिक (क्षेत्रीय दल) का दर्जा प्राप्त करने के लिए आठ फीसद वोटों की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, विविध विकल्प हैं। यदि किसी पार्टी को विधानसभा चुनाव में छह फीसद वोट और दो सीटें मिलती है तो उसे प्रादेशिक पार्टी का दर्जा मिल जाता है। प्रादेशिक दल का दर्जा प्राप्त करने का दूसरा विकल्प है कि विधानसभा में कम से कम तीन सीटें मिल जाएं , भले ही वोटों की हिस्सेदारी कुछ भी हो। लोकसभा चुनाव में भी प्रदर्शन के संदर्भ में प्रावधान हैं लेकिन वे 2024 में होने वाले हैं।

आंगनवाड़ी सेविकाओं की हड़ताल रोकने को एस्मा लगाया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को आवश्यक करार देते हुए बुधवार को छह महीने के लिए आवश्यक सेवा रखरखाव कानून (एस्मा) लागू कर उनके हड़ताल पर जाने पर रोक लगा दी।

दिल्ली राज्य आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन मानदेय में वृद्धि, काम के सम्मानजनक घंटे और सरकारी कर्मचारियों का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर एक जनवरी से हड़ताल पर हैं। यूनियन ने उपराज्यपाल के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि वह इसके खिलाफ गुरुवार को अदालत का रुख करेगा। ज्ञात हो इस मामले को लेकर आंदोलन चल रहा है।

निगम चुनावों पर कानूनी राय लेगा दिल्ली निर्वाचन आयोग

● एक दिन पहले टली थी तीनों निगमों के चुनावों की तारीख

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बारे में कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेने का फैसला किया है कि दिल्ली के तीन नगर निगमों के विलय के लिए केंद्र से पत्र मिलने के बाद क्या अब भी तीनों निगमों में चुनाव कराए जा सकते हैं।

आयोग ने बुधवार को पत्र मिलने के बाद दक्षिण दिल्ली नगर निगम, उत्तर दिल्ली नगर निगम और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा टाल दी। केंद्र को तीनों निगमों को मिलाने के लिए दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) कानून में संशोधन करना होगा। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि आयोग का काम स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले निष्पक्ष तरीके से निगम के चुनाव कराने का है। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों का निर्वाचन 18 मई से पहले करना होगा।एक सूत्र ने कहा कि कुछ अभूतपूर्व परिस्थितियों के उभरने के कारण आयोग अब यह समझना चाहता है कि किस तरह आगे बढ़ा जाए और ऐसे समय में निगम चुनाव कराए जाने चाहिए या नहीं जब केंद्र तीनों नगर निगमों को मिलाने वाला है। सूत्र ने कहा कि इसलिए हमने इस तरह के मुद्दों पर राय लेने के लिए वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों से संपर्क किया है और उसी अनुसार कार्वाई करेंगे। सूत्रों के अनुसार बुधवार के घटनाक्रम पर एक विस्तृत नोट तैयार कर लिया गया है और इसे कानूनी विशेषज्ञों को उनकी सलाह के लिए भेजा जाएगा।

ये डबल इंजन की सरकार पर जनता के विश्वास की जीत है

चार राज्यों में पार्टी की जीत के जश्न में पहुंच हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ ने उड़ाया गुलाल

चार राज्यों में भाजपा की जीत पर गुरुग्राम भाजपा कार्यालय में खुशी मनाते प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की जीत की खुमारी में गुरुवार को हरियाणा के भाजपाई भी जमकर झूमे। खुद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ गुरुग्राम स्थित पार्टी कार्यालय में नगाड़ों की थाप पर झूमते कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे। अध्यक्ष द्वारा खुद भी उन्हें मिठाईयां खिलाकर और गुलाल लगाकर पार्टी की जीत की बधाई दी।

पार्टी का झंडा लहराते हुए धनखड़ ने कहा कि ये चार राज्यों में भाजपा की जीत वहां की जनता द्वारा डबल इंजन की सरकार पर किए गए विश्वास की जीत है। अपने ऊपर उड़ती फूलों की पंखुड़ियों को देखकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इन चारों राज्यों में फूल खिलाने में हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत भी सराहनीय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि कार्यकर्ताओं की निष्ठा और उनके मन में समाजहित की भावना के कारण ही इन राज्यों में भाजपा की सरकार फिर से आ पाई है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में पार्टी की जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि विपक्ष द्वारा बार-बार फैलाए जा रहे भ्रम की सच्चाई जनता को समझ में आ गई है।

जनता ने कांग्रेस, बसपा, सपा आदि दलों की सरकार भी देखी है, लेकिन अब जनता ने महसूस किया कि सबसे ज्यादा विकास और सबसे बेहतरीन एवं निर्भय सुशासन भाजपा ही दे सकती है, तो चारों राज्यों में फिर से भाजपा को शासन सौंपने का बहुमत दिया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि किसान सदा भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं और उत्तर प्रदेश में प्रचंड जीत ने यह साबित भी कर दिया है। धनखड़ ने कहा कि किसानों को भी सबसे ज्यादा विश्वास नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर ही है। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा बड़ा मुद्दा रही है। योगी राज में लोगों ने खुद को पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। मोदी जी और योगी जी पर विश्वास जताते हुए उत्तर प्रदेश के लोगों ने फिर से भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर इतिहास रचा है। पंजाब में कांग्रेस और अकाली दल का बुरी तरह हारना यह बताता कि इन दोनों दलों ने जनता का विश्वास खोया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंजाब में पहली बार अपने दम पर लड़ने की शुरुआत कर दी है, इसलिए आने वाले समय में हम वहां भी मजबूत होकर उभरेंगे। कार्यालय पर मनाए गए जीत के जश्न में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, मेयर मधु आजाद, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख अरविंद सैनी, प्रवक्ता सूरज पाल अम्मू, जिला महामंत्री मनीष गाडोली, महामंत्री महेश यादव, अनिल यादव, एनआरआई सेल के प्रदेश संयोजक संदीप देसवाल समेत अनेक नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डाकिया की लापरवाही से घर तक नहीं पहुंच रहे पत्र

सोहना। सोहना में डाक विभाग आम लोगों की चिट्ठी पत्रियों को पहुंचाने में पूरी लापरवाही बरत रहा है। डाकिया घर-घर न जाकर किसी एक स्थान पर ही डाक को फेंककर चला जाता है। ये डाक एक ही स्थान पर लावारिश कई-कई माह तक पड़ी रहती है।

डाक विभाग के कर्मचारी आम लोगों के रोजगार से लेकर पेन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक का एटीएम कार्ड और शिक्षा से संबंधित रोल नंबर व मार्क सीट को घर-घर पहुंचाने में पूरी लापरवाही बरत रहे हैं। जिसके कारण नागरिक अपनी डाक के लिए डाक घर तक चक्कर काटने को मजबूर रहे हैं। लेकिन उन्हें उनकी डाक न मिलने से लंबा इंतजार तक करने के लिए मजबूर हो रहे है।

डाकिया द्वारा डाक वितरण में बरती जा रही लापरवाही का एक मामला शहर के वार्ड-5 की शिव कॉलोनी में देखा गया। डाककिया कॉलोनी के बीच में एक परचून की दुकान पर डाक को जबरन फेंकर चला जाता है। उसके बाद कोई वहा डाक लेने आए या न आए। किसी का जरुरी कागजात पहुंचने न पहुंचे। लेकिन डाकिया वापस अपने कार्यालय में पहुंचकर डाक वितरण की रिपोर्ट कर देता है।

क्या कहते हैं आम नागरिक : कॉलोनी निवासी अधिवक्ता ज्योति का कहना है कि कॉलोनी के लोग कई-कई माह तक अपनी डाक आने का इंतजार करते रहते है। डाक घर में जाकर पूछताछ की जाती है तो वहां से डाक वितरण कर दिए जाने का जवाब मिलता है। ऑनलाइन चेक करने पर भी डाक उपभोक्ता तक पहुंचने का संदेश मिलता है।

ऐसा कहना है दुकानदार का : परचून दुकानदार कैलाश का कहना है कि डाकिया जबरन उसकी दुकान पर डाक को रखकर चला जाता है। पिछले दो वर्ष से यही सिलसिला चल रहा है। वह डाकिया से कई बार मना करता है। कैलाश ने बताया कि उसके पास दो साल पहले युवक की मार्क सीट पड़ी है। जिसे डाकिया ने उपभोक्ता तक नहीं पहुंचाया।

सोहना में परचून की दुकान पर डाकिया द्वारा दो साल पहले फेंकी मार्क सीट को दिखाता दुकानदार।

स्टाफ की कमी होने के कारण अस्थाई कर्मचारी 4 से 6 माह तक ही ड्यूटी करता है। वह नौकरी को छोड़कर चला जाता है। कई बार डाक को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कहा जाता है, लेकिन भविष्य में उपभोक्ता की डाक को घर तक पहुंचाया जाएगा।

कमरुद्दीन
(पोस्टमास्टर, डाक विभाग)

अदालत ने युवती से दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

सोहना। भोंडसी थाना पुलिस ने 20 वर्षीय युवती से शादी को झांसा देकर नौ माह तक दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। पीड़ित युवती ने युवक पर गर्भवती होने के बाद शादी करने से इंकार करने का आरोप लगाया है। अदालत ने आरोपी युवक को जेल भेज दिया है। उत्तर प्रदेश मूल निवासी 20 वर्षीय युवती ने पुलिस को बताया कि वह गुरुग्राम में रहती है। करीब 9 माह पहले उसकी मुलाकात उत्तराखंड निवासी योगेश से गुरुग्राम के सुभाष चौक स्थित काशा बेला होटल ओयो में हुई थी। योगेश भोंडसी में बना ओयों में रिसेप्शन पर नौकरी करता है। योगेश और उसके बीच में दोस्ती हो गई।

योगेश उसे अपने साथ भोंडसी ओयो में लेकर आता था। योगेश उससे शादी का झांसा देकर 8-9 माह से दुष्कर्म करता आ रहा है। उसने योगेश को एक माह की गर्भवती होने की सूचना दी। यह सुनकर योगेश ने उससे शादी करने के लिए इंकार कर दिया। जिसकी शिकायत युवती ने भोंडसी थाना में की। पुलिस ने पीड़िता युवकी की शिकायत व डॉक्टरी जांच रिपोर्ट के आधार पर योगेश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच कर रही एसआई अमनदीप कौर ने बताया कि आरोपी युवक को बुधवार की शाम को ही गिरफ्तार कर लिया है। जिससे गुरुवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी को गुरुग्राम जेल में भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

आयुष शिविर में 165 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य की जांच कराई

सोहना के गांव रायपुर में आयुष विभाग के लगाए शिविर में जांच कराते लोग।

सोहना। आयुष विभाग द्वारा रायपुर में लगे स्वास्थ्य जांच कैंप में 165 ग्रामीणों ने अपने रोगों की जांच कराई। जांच कराने आए रोगियों को विभाग की तरफसे फ्री में दवाइयां दी गई। आयुष विभाग ने इस माह अपना स्वास्थ्य जांच का शिविर नगर परिषद के वार्ड-11 के गांव रायपुर में लगाया। जहां ग्रामीणों ने आयुष विभाग के उपचार में विश्वास जताते हुए अपनी बीमारियां डाक्टर को बताई तथा उनका मौके पर ही उपचार लिया। शिविर में गांव के 165 ग्रामीणों ने अपनी-अपनी परेशानियां डॉक्टर को बताई गई। जिसमें सबसे ज्यादा रोगी चरम रोग के पाएं गए। उसके बाद दूसरे नंबर मौसमी बीमारी खांसी, जुखाम, मलेरिया के रोगी रहे। महिलाओं में पेट दर्द, कब्ज और सुगर के रोगी भी पाए गए। जिन्हें विभाग की तरफ से दवाइयां फ्री दी गई। शिविर संचालक डाक्टर कुलभूषण ने बताया कि चरम का रोगी की संख्या क्षेत्र में दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। जिसका कारण घरों में साफ-सफाई व अच्छा खान पान न होना है। इसके साथ खान-पान सही न होने के कारण पेट में दर्द, कब्ज और उल्टी-दस्त के रोग पनप रहे हैं। खानपान सही न होने के कारण सुगर का रोग भी तेजी से पैर पसार रहा है। उन्होंने बताया कि आयुष उपचार नियम के प्रति नागरिकों का विश्वास दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। लोग देर से ही सही, लेकिन बीमारी को जड़ से समाप्त करना चाहते है। आयुष विभाग के शिविरों में रोगी उपचार के लिए आ रहे है।

सिही गांव में राकेश फाजिलपुर का किया गया स्वागत

सिही गांव में भाजपा नेता राकेश फाजिलपुर का स्वागत करते भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुंदर लाल यादव व अन्य ग्रामीण।

गुरुग्राम। भाजपा नेता राकेश यादव फाजिलपुर का सिही गांव में पहुंचने पर सिंही के नंबरदार सुंदर लाल ने स्वागत किया। उन्हें पगड़ी बांधकर गांववासियों की ओर से सम्मान दिया। सिकंदरपुर गांव के सरपंच सुंदर लाल यादव राकेश फाजिलपुर की ओर से आगामी 13 मार्च को होली मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए वे गुरुग्राम नगर निगम के सभी गांवों में न्यौता दे रहे हैं कि अधिक से अधिक संख्या में लोग इस समारोह में पहुंचे। सिही गांव में पहुंचने पर राकेश फाजिलपुर का नंबरदार सुंदर लाल समेत अनेक ग्रामीणों व सिकंदरपुर बढ़ा के सरपंच सुंदर लाल यादव की ओर से पगड़ी पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। सरपंच सुंदर लाल यादव के मुताबिक पहले सिही और सिकंदरपुर दोनों गांवों की एक ही पंचायत थी। क्षेत्र में भाईचारा मजबूत है। राकेश फाजिलपुर ने ग्रामीणों से निवेदन किया कि वे उनका निमंत्रण स्वीकार करें और इस कार्यक्रम में पहुंचकर शोभा बढ़ाएं। सरपंच सुंदर लाल यादव व नंबरदार सुंदर लाल ने कहा कि ग्रामीण अधिक से अधिक संख्या में उनके कार्यक्रम में पहुंचेंगे। त्योहारों की मतलब ही एकता और भाईचारा मजबूत करना है। सुंदर लाल यादव ने कहा कि हमें भाईचारे की मजबूती के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

पंजाब में आपकी जबरदस्त जीत पर गुरुग्राम में जश्न

गुरुग्राम। पंजाब में आम आदमी पार्टी की जबरदस्त जीत पर गुरुग्राम में भी जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं की ओर से अलग-अलग स्थानों पर मिठाइयां बांटी गई। इसी बीच दक्षिणी हरियाणा प्रवक्ता अशोक वर्मा एडवोकेट ने इस जीत पर पंजाब की जनता और देश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली से बाहर यह आप की बड़ी शुरुआत हुई है। इस अवसर पर अशोक वर्मा एडवोकेट के साथ जिला न्यायालय में वकील, पंजाब बार कौंसिल के सदस्य अजय चौधरी भी मौजूद रहे। उन्होंने भी जीत आम आदमी पार्टीको बधाई दी व उम्मीद जताई की पंजाब में आम आदमी पार्टी जनहित की भलाई के लिए काम करेगी। अशोक वर्मा ने कहा कि यह जीत अरविंद केजरीवाल की नीतियों की जीत है। उन्होंने दिल्ली मॉडल को पंजाब में लागू करने का जो वायदा किया, जनता ने उन पर विश्वास किया और आज परिणाम सबके सामने है। अशोक वर्मा एडवोकेट ने भगवंत मान को बधाई दी और कहा कि जनता ने आम आदमी पार्टी पर जो विश्वास जताया है, उस पर सदा खरा उतरना है।

भाजपा की जीत की खुशी में बांटे एक क्विंटल लड्डू

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी की चार राज्यों में जीत की खुशी में गुरुवार को यहां कबीर भवन चौक पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति हरियाणा के सदस्य सुमेर तंवर ने यहां एक क्विंटल लड्डू बांटकर भाजपा की जीत की खुशी मनाई। इस अवसर पर सुमेर तंवर के अलावा सुभाष सिंगला, गौरव कालरा वरिष्ठ नेता, राजन दत्त, केशव चौधरी, प्रकाश मखीजा, अंकित सिंह, राजेश बोहरा, मोनू मखीजा, हैप्पी सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, कृष्ण वर्मा, विकास मल्होत्रा, राजेश हल्द्वानी, राजेश कैम, प्रिंस तंवर, कबीर सभा के प्रधान राकेश सहरावत रिंकू समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यहां कार्यकर्ताओं व आम जनता को संबोधित करते हुए सुमेर तंवर ने कहा कि चार राज्यों में बेहतरीन जीत दर्ज करके भाजपा ने वहां के निष्पक्ष विकास का मार्ग खोला है। पहले भी भाजपा ने वहां पर विकास की गंगा बहाई है। सबसे बड़े राज्य यूपी को लेकर विपक्ष द्वारा भाजपा के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया गया। कभी किसानों के नाम पर तो कभी कानून व्यवस्था के नाम पर भ्रमित किया।

चार राज्यों में जीत दर्ज करके भाजपा हुई और मजबूत : सुधीर सिंगला

तमाम दुष्प्रचार के बीच जनता ने भाजपा को ही दिया बहुमत

यूपी, उत्तराखंड में एक ही पार्टी की दुबारा सरकार ना बनने का मिथक भी भाजपा ने तोड़ा

विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी जीत दर्ज करने के साथ ही और अधिक मजबूत हो गई है। जनता ने दिल खोलकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया। यूपी पर सबकी निगाहें टिकीं थी, जहां की जनता ने फिर से भाजपा को चुनकर पीएम नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकास की नीतियों में विश्वास जताया है।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि चाहे जवान हो या किसान या फिर आम आदमी, सभी का भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने भला किया है। भाजपा ने हमेशा ही अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाकर उसे मुख्यधारा में शामिल किया है। चाहे कोरोना महामारी से लड़ने का प्रबंधन हो या फिर दूसरे देशों के बीच मजबूती से खड़ा होना हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर जगह पर खुद को साबित किया है। उनके नेतृत्व में देश मजबूत हुआ है। ऐसे में यूपी के चुनाव में जनता ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर वोट किया। जनता को भाई-भतीजावाद नहीं चाहिए, प्रदेश का समग्र विकास चाहिए। श्री सिंगला ने कहा कि दूसरी बार योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके लिए पूरी यूपी की जनता बधाई की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर भाजपा ने हरियाणा, यूपी समेत अन्य राज्यों में निष्पक्षता से काम किया है। भ्रष्टाचार पर प्रहार किया है। इन्हीं नीतियों की बदौलत भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है।

भाजपा और अधिक मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ को उनकी जीत और दुबारा से बड़े राज्य उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने पर बधाई है। उन्होंने यह भी कहा कि यूपी के हर क्षेत्र में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यूपी की तरह से उत्तराखंड में भी इस मिथ्या को तोड़ा है कि वहां दुबारा कभी सरकार रिपीट नहीं हो सकती।

भाजपा ने यूपी में कई मिथ्याओं को तोड़ा : नवीन गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा की चार राज्यों में जीत पर दी बधाई

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार में भी गए थे नवीन गोयल

चार राज्यों यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का ही यह परिणाम है कि आज भाजपा को यूपी व अन्य राज्यों में भाजपा ने जीत दर्ज की है।

नवीन गोयल ने कहा कि यूपी में तो भाजपा ने कई मिथ्याओं को तोड़ा है। पहली बार कोई मुख्यमंत्री नोएडा में गया तो वे हैं योगी आदित्यनाथ। पहले यह मिथ्याएं होती थी कि जो नेता नोएडा में गया वह कभी जीता नहीं। यूपी में लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने देश में एक नई उम्मीद पैदा की है। लोगों ने विकास के लिए भाजपा को चुनकर नई लकीर खींच दी है। श्री गोयल ने कहा कि वे भी यूपी के चुनाव में पश्चिमी उत्तरप्रदेश में चुनाव प्रचार में गए थे। गृह मंत्री अमित शाह समेत अनेक नेताओं के साथ उन्होंने चुनाव प्रचार किया।

नवीन गोयल।

इस दौरान जनता के इस बात को साफ कर दिया था कि भाजपा को अधिक से अधिक वोट देकर सरकार बनाएंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को लेकर विपक्षी पार्टियों द्वारा अनेक भ्रम फैलाए गए। किसान आंदोलन के नाम पर मतदाताओं को बहकाने के प्रयास किए गए। चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया कि यूपी की जनता किसी के बहकावे में आकर प्रदेश का विकास नहीं रुकने देना चाहती।

नवकल्प का सबला सम्मान-2022 समारोह आज

गुरुग्राम। नवकल्प फाउंडेशन की ओर से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सबला सम्मान समारोह-2022 का आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह में अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाली 24 महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह न्यू रेलवे रोड स्थित द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय के सभागार में होगा।

आगामी 11 मार्च 2022 को आयोजित होने वाले इस समारोह में सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल मुख्य अतिथि होंगी। आईजी क्राइम आईपीएस डा. राजश्री सिंह अति विशिष्ट अतिथि, त्रिपुरा की रेजिडेंट कमिश्नर आईएएस सोनल गोयल विशिष्ट अतिथि होंगी। द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय गुरुग्राम के प्राचार्य डा. वीरेंद्र अंतिल इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

आर्थिक रूप से कमजोरों को स्वावलंबी बना रहे हैं सीएम परिवार उत्थान मेले

दूसरे चरण में आज पटौदी में आयोजित हुआ मेला

मेले में 992 चिन्हित परिवार किये गए गए आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम जिला के पटौदी खंड व नगर पालिका पटौदी व हेलीमंडी के लाभपात्रों के लिए जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक दिवसीय मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले में आज 992 चिन्हित परिवारों को आमंत्रित किया गया। मेले में शामिल अधिकतर परिवारों ने पशु डेयरी लोन में रूचि दिखाते हुए पशुपालन विभाग के स्टाल पर जाकर विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वहीं महिलाओं ने मनियारी व किरयाना की दुकानों को लेकर सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल की।

गुरुग्राम के खंड पटौदी में मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले में पहुंचे एडीसी विश्राम कुमार मीणा।

मेले में जिला नोडल अधिकारी के रूप में जायजा लेने पहुंचे एडीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों का स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। पहले चरण के मेले में आवेदन करने वाले लाभार्थियों को विभिन्न स्कीमों के साथ जोड़ते हुए उनका स्वरोजगार शुरू करवाने के लिए विभिन्न बैंकों के साथ उनका टाइअप करवाया जा रहा है। मेलों का दूसरा चरण 2 मार्च से खंड फर्रूखनगर से शुरू किया गया है। जिसके तहत जिला में फर्रूखनगर ब्लॉक, नगर पालिका फर्रूखनगर, नगर निगम मानेसर व गुरुग्राम, सोहना ब्लॉक व नगर परिषद में यह मेले आयोजित करवाए गए हैं।

सड़क हादसे में घायल युवक ने अस्पताल में दम तोड़ा

सोहना। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दमतोड़ा। पुलिस ने मृतक युवक के छोटे भाई की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया। मृतक के शव का गुरुवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। सोहना के वार्ड-16 ठाकुरवाड़ा मोहल्ला में रहने वाले रंजन कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई पंकज मजदूरी करता है। पंकज 6 मार्च की सुबह घर से मजदूरी करने के लिए गया था। जिसका गुरुग्राम-सोहना मार्ग पर चुंगी नंबर दो के पास बनी वाटिका के सामने अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पास के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। जहां से डॉक्टरों ने पंकज को गुरुग्राम तथा गुरुग्राम से दिल्ली के सफ दरजंग अस्पताल के लिए रेफ र कर दिया। उसे 7 मार्च को पता चला कि उसके भाई का एक्सीडेंट हो गया है। जिसकी देखने के लिए वह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पहुंचा।

पटौदी में होली के उपलक्ष में विधायक जरावता ने कराया कवि सम्मेलन

पटौदी में होली मिलन समारोह में उपस्थित विधायक व अन्य अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

क्षेत्रवासियों को चार राज्यों में जीत की बधाई भी दी

विधायक सत्यप्रकाश जरावता की ओर से गुरुवार को पटौदी में होली मिलन समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें कई कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से होली के रंग बिखेरे। विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने सभी को होली की शुभकामनाएं और यूपी में जीत की शुभकामनाएं दी।

पटौदी की गणपति वाटिका में आयोजित इस समारोह में बीकानेर से हास्य कवि हलचल हरियाणवी, फरीदाबाद से यशदीप यश, रेवाड़ी से आलोक कुमार भांडोरिया, झज्जर से मास्टर महेंद्र सिंह, दिल्ली से महेंद्र कुमार शर्मा आदि कवियों ने अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को पूरे समय लोट-पोट किया। होली के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन में होली पर भी कई रचनाएं कवियों ने पढ़ी। समारोह में विधायक सत्यप्रकाश जरावता के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता जीएल शर्मा, पंचायती राज प्रकोष्ठ भाजपा के जिला संयोजक सुंदर लाल यादव सरपंच समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

यहां अपने संबोधन में विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने सभी क्षेत्रवासियों को होली की बधाई दी और सुंदर आयोजन के लिए कवियों की सराहना की। विधायक ने कहा कि कोई भी त्योहार हो, हमें मिलकर मनाना चाहिए। त्योहार में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं क्षेत्रवासियों को एकता के सूत्र में बांधकर विकास की गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

फार्म हाउस में से दो मोबाइल फोन व 22 हजार रुपये चोरी

सोहना। भोंडसी थाना क्षेत्र के गांव बहलपा में फार्म हाउस के अंदर से दो मोबाइल फोन और 22 हजार रुपये चोरी हो गए। फार्म हाउस चौकीदार की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उत्तर प्रदेश का जिला रायबरेली के मूल निवासी शिव कुमार ने पुलिस को बताया कि वह ढाई वर्ष से बहलपा में बना फार्म हाउस में नौकरी करता है। बुधवार को उसका भतीजा अंकित व चाचा अवदेश भी उसके साथ फार्म हाउस पर थे।

रात को सोने से पहले उसके भतीजा व चाचा ने अपने-अपने मोबाइल फोन व बैग को पास ही रखी टेबल पर रख दिया था। गुरुवार की सुबह उठकर देखा तो अंकित व अवदेश का मोबाइल फोन गायब थे। अवदेश के बैग में रखे कपड़े बिखरे हुए पड़े थे। बैग में रखे 22 हजार रुपये भी गायब थे। जिन्हे उनके सौ जाने के बाद अज्ञात चोर लेकर चले गए। भोंडसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है।

मनीष मल्होत्रा ब्यूटी एक्सक्लूसिवली माईग्लैम ने लॉन्च किया पहला ब्रांड: नेशनल टीवीसी स्टारिंग ऐस क्यूटूरियर मनीष मल्होत्रा

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

हर लड़की एक ब्यूटी स्टार है, जो अपने जीवन के रनवे पर दिखाई देती है। बैकस्टेज से बैकस्ट्रीट तक होते हुए ग्लैमर के जरिए हर पल को शानदार मौके में तब्दील कर देती है। ऐसा ही कुछ नया संदेश मनीष मल्होत्रा ब्यूटी एक्सक्लूसिवली माईग्लैम ने लॉन्च किया। पहला ब्रांड नेशनल टीवीसी लांच के जरिए दिया है। बैकस्टेज टू बैकस्ट्रीट्स संदेश के देते हुए अपना पहला नेशनल टीवीसी लॉन्च किया। इस टीवीसी के जरिए जाने-माने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की विशेषता के जरिए बैकस्टेज से बैकस्ट्रीट तक का संदेश दिया है। हर लड़की एक ब्यूटी सुपरस्टार है, जो एक मौका मिलने पर जीवन को बदल सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में मनीष मल्होत्रा ब्यूटी ने विशेष रूप से माईग्लैम द्वारा मेकअप और स्किनकेयर का एक प्रीमियम अनुभव दिया है और खासतौर पर सामान्य सौंदर्य मानकों केलिए एक नया सवाल उठाया है। ब्रांड बहुत कुछ मनीष की तरह, व्यक्तियों को मनाने और प्रामाणिकता को पूरी तरह से अपनाने में विश्वास करता है। सभी महिलाओं के लिए जहां ब्रांड में किफायती प्रोडक्ट मिल रहे है। वहीं महिलाओं में एक आत्मविश्वास और सकारात्मक माहौल भी देखने को मिलता है।

यह अभियान मनीष मल्होत्रा के एक व्यक्ति के सपनों के डिजाइनर होने के पर फोकस करता है। आज, महिलाएं हर रोज अपना जादू बिखेरती हैं और मेकअप के रास्ते पर चलने वाली शोस्टॉपर हैं। फैशन और सुंदरता दोनों के रनवे का नेतृत्व करते हुए, मनीष ने दुनिया को यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि सुंदरता और ग्लैमर जीवन का एक तरीका है। फिल्म मंच के पीछे फैशन की दुनिया के एक आकर्षक फ्रेम के बीच चमकदार रोशनी है। यह दर्शाता है कि कैसे फैशन और सुंदरता हर घर के छोटे से कोने का एक हिस्सा है। जहां हर दिल धड़कता है फैशन और सुंदरता हर गतिविधि में रहती है। फिल्म के अंत में मनीष कहते हैं कि बैकस्टेज टू बैकस्ट्रीट्स ब्रांड के संदेश और पहचान को समेटे हुए है, जो हार्मोनिक बातचीत के बीकन के रूप में अपनी भूमिका को पूरा करता है। इस अभियान के माध्यम अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। खासतौर पर मनीष मल्होत्रा ब्यूटी के जरिए माईग्लैम द्वारा ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ उत्पादों की कैटेगरी देता है, जो मेकअप और स्किनकेयर का उपयोग करती है। महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन में उत्पादों की एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

उन्हें फिल्म में सौंदर्यपूर्ण रूप से प्रदर्शित किया जाता है। अभियान पर टिप्पणी करते हुए, गुड ग्लैम ग्रुप के सीईओ, ब्यूटी एंड एफएमसीजी ब्रांड्स, सुखलीन अनेजा ने कहा, हम मनीष मल्होत्रा ब्यूटी के पहले नेशनल टीवीसी को विशेष रूप से माईग्लैम द्वारा लॉन्च करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि एक बेहतरीन अवसर है कि मनीष ने अपनी विशेषता और विजन के साथ ब्यूटी और फैशन में एक नई शुरूआत की है।

एसबीआई बैंक कर्मी बन ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गिरफ्तार आरोपियों से 2 लैपटॉप, 1 प्रिंटर, 7 फोन, 33 सिम कार्ड और 38 रुपए नगद बरामद

बैंक अधिकारी बन कर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार युवकों के साथ पुलिस अधिकारी।

पुलिस उपायुक्त नीतीश अग्रवाल द्वारा साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने के विशेष दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए फरीदाबाद के पुलिस स्टेशन साइबर की टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का नाम शिवम्, अभिषेक उर्फ गंजा, चंदन, रणजीत कुमार और विवेक कुमार है। आरोपी शिवम् स्थाई रुप से उत्तर प्रदेश के सम्भल जिले के गांव बबराला अस्थाई रुप से दिल्ली के तुडा मंडी नजफगढ़ का, आरोपी अभिषेक उर्फ गंजा स्थाई रुप से गुरुग्राम के गांव बादशाहपुर अस्थाई दिल्ली के ओल्ड नांगल का, आरोपी दिल्ली के चन्दन स्थाई रुप से बिहार के सीतामढ़ी जिले के गांव परसा महिंद का अस्थाई रुप से दिल्ली के तिलक नगर का, आरोपी रणजीत कुमार और विवेक कुमार स्थाई रुप से बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले है। साइबर थाना प्रबंधक बसंत कुमार की टीम ने पांचों आरोपियों को नजफगढ़ (दिल्ली), सीतामढ़ी (बिहार) व मधुबनी (बिहार) से गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपियों ने मिलकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों के खिलाफ फरीदाबाद के पुलिस स्टेशन साइबर में षड्यंत्र रचने तथा धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है जिसमें आरोपियों ने बल्लभगढ़ के गांव गढ़ खेडा के रहने वाले सुनील के क्रेडिट कार्ड से करीब 123000 रुपये की धोखाधड़ी की वारदात को और बल्लभगढ़ के सेक्टर 2 में रहने वाले राजेंदर कुमार के साथ 1,00,998 रुपये की धोखाधड़ी कर हड़पने की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस उपायुक्त नीतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में तुरंत कारवाई करते हुए पुलिस स्टेशन साइबर प्रभारी इंस्पेक्टर बसंत के नेतृत्व में एसआई प्रवीन, एएसआई दीपक, श्योराज, हवलदार भूपेंदर, महिला मुख्य सिपाही अंजू, सिपाही आजाद, अमित, अंशुल कुमार की टीम गठित की गई जिन्होंने उक्त आरोपियों को तकनीकी व गुप्त सूत्रों की सहायता से गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी हैं। आरोपी जस्ट डायल से इंडसइंड क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा खरदते थे। क्रेडिट कार्ड पर ट्रांजैक्शन करने से क्रेडिट कार्ड से पर कुछ रीवार्ड प्वाइंट्स मिलते हैं जिन्हें कैशबैक या कोई अन्य सामान खरीदने के लिए उपयोग में लिया जा सकता है। इसी का फायदा उठाकर आरोपी क्रेडिट कार्ड धारकों को फर्जी लिंक भेजते थे और उन्हें रीवार्ड प्वाइंट्स को कैश करवाने का लुभावना ऑफर देते थे। आरोपी अपने कॉल सेंटर के जरिए ऑनलाईन कॉल करते थे। पांचो आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

विकास के बदले जनता ने दिया मेहनताना : शर्मा

यूपी में बीजेपी की जीत पर कैबिनेट मंत्री को कंधे पर उठा कर जश्न मनाते बीजेपी कार्यकर्ता।

बल्लभगढ़। चार राज्यों में भाजपा की जीत पर प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा के कार्यालय पर जश्न मनाया गया। खुशी के इस मौके पर परिवहन एवम खनन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने भी ढोल बाजे की थाप पर नाचते हुए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर में किए जा रहे रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्यों के बदले जनता ने उन्हें उनका मेहनताना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का नारा सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास आज सार्थक हो गया है। जनता ने देश से कांग्रेस को भगाने का मन बना लिया है और आज उसी का यह परिणाम सभी के सामने आया है। देश में ही नहीं बल्कि भाजपा की चार राज्यों में जीत का जश्न विदेशों में भी मनाया जा रहा है। मौके पर कार्यालय पर लड्डू बांटे गए और ढोल नगाड़े की थाप पर भाजपा कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने खुशी का इजहार किया।

पेटीएम करेगा सूरजकुंड मेला में पार्किंग की व्यवस्था : यादव

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि 19 मार्च से 04 अप्रैल तक आयोजित किए जाने वाले 35वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में आने वाले पर्यटकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था बेहतरीन ढंग से की जाएगी। टिकट बुकिंग के दौरान ही उन्हें पार्किंग स्थल की जानकारी भी मिलेगी। इस मीटिंग में डीसीपी मुख्यालय नितीश अग्रवाल, अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान, एसडीएम फरीदाबाद परम जीत चहल, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, सीटीएम नसीब कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त अभिषेक मीणा, सीएमओ विनय गुप्ता, एसटीपी रेणुका सिंह, आरटीए जितेंदर गहलावत, डीटीपीओ संदीप मौर, जिला शिक्षा अधिकारी ऋतू चौधरी, जिला लोक संपर्क अधिकारी राकेश गौतम, डीईटीसी पुनीत शर्मा, मेला अधिकारी राजेश जून सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ ने दिया समर्थन

फरीदाबाद। हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ की बैठक सेक्टर 29 कार्यालय में हरीश चन्द्र आजाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य मुद्दा फरीदाबाद नगर निगम चुनावों पर पंजाबी संघ के रूख पर आधारित था। सबसे पहले पंजाबी संघ ने अपनी संस्था के सदस्य महासचिव तेजिन्द्र खरबंदा, सलाहाकार सुभाष आहूजा व बडखल अध्यक्ष परमजीत कौर को अपना समर्थन दिया जोकि नगर निगम चुनावों के उम्मीदवार होंगे। इस तरह हमने पंजाबी संघ की भूमिका फरीदाबाद नगर निगम चुनावों में स्पष्ट कर दी है। इस मौके पर महासचिव तेजिन्द्र खरबंदा, बड़खल अध्यक्ष परमजीत कौर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अश्वनी कालड़ा, उपाध्यक्ष परविन्द्र मल्होत्रा, सचिव रवि ढुढेजा, उपाध्यक्ष बोद्वराज मक्कड़, सचिव संजय चौधरी, उपाध्यक्ष अशोक खुराना, सदस्य विजय व सदस्य हरप्रित सिंह उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी वर्कर करेंगी क्रमिक भूख हड़ताल

फरीदाबाद। आंगनबाड़ी वर्कर्स और हैल्पर्स यूनियन जिला कमेटी फरीदाबाद ने राज्य कमेटी के फैसले के अनुसार आगामी 14 मार्च से जिला मुख्यालय के सम्मुख क्रमिक भूख हड़ताल करने का फैसला लिया। कर्मियों की हड़ताल 93 वें दिन भी जारी रही। सरकार की दमनकारी नीतियों से नाराज हुई बैठी सैकड़ों वर्करों और सहायिकाओं ने उपायुक्त कार्यालय के सामने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान देवेंद्री शर्मा ने की। जबकि संचालन जिला सचिव मालवाती ने किया। डंगवाल ने बताया कि प्रदेश की आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर देश के प्रधानमंत्री के द्वारा वर्करों के मानदेय में 1500 सौ रुपये की बढ़ोतरी और सहायिकाओं के मानदेय में 750 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा को लागू करने एवम् प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा मार्च 2018 में कुशल और अकुशल के लिए की गई घोषणा को लागू करने के लिए 8 दिसंबर से हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार के अधिकारी मांगों को लागू करने के बजाएं हड़ताल को कमजोर करने में लगे हुए हैं। इस मौके पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर, सीमा यादव, गीता, रेखा रावत आदि भी उपस्थित रहे ।

विकास कार्यों का मंत्री ने किया शुभारंभ

फरीदाबाद। प्रदेश के परिवहन एवं खनन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने छज्जू राम रोड सुभाष कॉलोनी वार्ड 40 बल्लभगढ़ में करीब 1 करोड़ की लागत से 16 सड़कों में लगाई जाने वाली इंटरलॉकिंग टाइल्स के कार्य का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि चहुंमुखी विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दूंगा। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ में साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर विकास कार्य हो रहे हैं। परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ के निवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जल्द ही बल्लभगढ के लिए नए रेनीवेल ट्यूबेल लगाए जा रहे है। ताकि गर्मी में पीने के पानी की दिक्कत न आये। इस मौके पर भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, निर्वतमान पार्षद हरप्रसाद गौड, पारस जैन, बुद्धा सैनी, बृजलाल शर्मा, योगेश शर्मा, महावीर सैनी सहित सुभाष कालोनी के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शैक्षणिक नुकसान को पूरा करने को आगे आए शिक्षक

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रबंधन अध्ययन की महिला संकाय सदस्यों ने विवि के शैक्षणिक विकास में योगदान देने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हुए एक अलग उदाहरण स्थापित किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान विवि बंद होने के कारण हुए शैक्षणिक नुकसान को पूरा करने में संकाय सदस्य विद्यार्थियों को सहयोग देंगे। कुलपति प्रो. एसके तोमर की उपस्थिति में हुई विभाग की समीक्षा बैठक में प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष निगम ने एमबीए एग्जीक्यूटिव पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि एमबीए एक्जीक्यूटिव पाठ्यक्रम वर्ष 2019 में उन कामकाजी पेशेवरों के लिए शुरू किया गया था।

रियलिटी चेक: रात के अंधेरे में डूब जाती हैं औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें

लाखों रुपये का टैक्स भरने के बाद भी औद्योगिक क्षेत्रों में पसरा रहता है अंधेरा

कविता। फरीदाबाद

मैन रोड पर लगी लाइटें बंद होने से दुकानों की लगी लाइट की रोशनी में गुजरते वाहन।

पैदल अंधेरे में घर लौटतीउद्योगों में काम करने वाली महिलाएं।

सरकार को सबसे अधिक टैक्स देने और बिजली निगम को सबसे ज्यादा शुल्क देने वाले औद्योगिक क्षेत्रों की स्ट्रीट लाईटें पूरी तरह से खराब हैं। जिस कारण से औद्योगिक इकाईयों में काम करने वाली महिलाओं और साइकिल सवारों को अंधेरी सड़कों से होकर गुजरना पड़ रहा है। प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है।

पायनियर की तरफ से बीती रात सेक्टर-24 स्थित औद्योगिक क्षेत्र का जायजा लिया। जहां देखा कि अंधेरी सड़कों पर महिलाओं को अकेले चलने में भी डर लग रहा था। उन्होंने बताया कि घर की मजबूरी के कारण उन्हें नौकरी अंधेरी सड़कों से गुजर कर करनी पड़ रही है। वहीं साईकिल सवारों ने बताया कि कई बार अंधेरे के कारण यहां दुर्घटनाएं हो जाती हैं। जिसमें लोग घायल हो रहे हैं। वहीं अंधेरे में कई बार छेड़छाड़ और लूटपाट की घटनाएं हो जाती है। हालांकि पुलिस सड़क पर होती है, लेकिन अंधेरे डूबी सड़कों पर खतरा बना रहता है।

रियलिटी ये है: पायनियर द्वारा जब सेक्टर-24 औद्योगिक क्षेत्र का जायजा लिया तो देखा कि सेक्टर-24 से 23 तक की स्ट्रीट लाइटें पूरी तरह से बंद हैं। वहीं सेक्टर-24 में पड़ने वाली रेड लाइट भी खराब होकर बंद पड़ी है। सोहना रोड से सेक्टर-23 बिजली दफ्तर तक सभी स्ट्रीट लाइटें पूरी तरह बंद मिली। जबकि यहां करीब लाखों मजदूर संजय कालोनी, जवाहर कालोनी, सेक्टर-55, एनआईटी एक-दो, तीन और अन्य इलाकों से काम करने आते हैं। जिसमें हजारों महिलाएं भी शामिल है। घर चलाने के लिए महिलाएं औद्योगिक क्षेत्र की कम्पनियों में काम करती हैं, क्षेत्र अंदरूनी सड़कों पर भी स्ट्रीट लाइटें न होने से उन्हें अंधेरे में चलना पड़ता है। ऐसे में कई बार उनके साथ अप्रिय घटनाएं तक हो जाती है। लेकिन कोई इस ओर ध्यान नहीं देता।

महिलाओं का कथन: महिलाओं ने इस विषय में बताया कि वे घर खर्च चलाने के लिए मजबूरी में काम कर रही हैं। बढ़ती महंगाई में वह ऑटो का खर्च भी नहीं उठा सकती है। ऐसे में वे पैदल ड्यूटी आती जाती है। लेकिन यहां कम्पनियों के बाहर लगी लाईटो से ही उजाला सड़कों पर होता है। बाकी कम्पनियों के बंद होने पर अंधेरा छाया रहता है। जिस कारण उन्हें यहां से निकलने में डर लगता है। ऐसे में कई बार उनके साथ छेड़छाड़ की घटनाएं भी हो जाती है। मजबूरी में वह आवाज तक नहीं उठा पाती।

आरटीआई का जवाब न देने पर 25 हजार का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मिलीभगत से नियमों को ताक पर रख बना था मृत्यु प्रमाण पत्र

फरीदाबाद में मारे गए व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र नारनौल नगर परिषद के अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर बना दिया। मामले का पता चलने पर मृतक की बहन ने जानकारी हासिल करने के लिए आरटीआई दायर की, लेकिन संबंधित अधिकारी लगातार टालते रहे। जिसके कारण राज्य सूचना आयोग ने दोषी अधिकारी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता हरशरण कौर ने उनके भाई स्वर्गीय उपेंद्र मल्हौत्रा का परिवार नारनौल में रहता है। वर्ष 2020 उनकी तबीयत काफी खराब हो गई थी। ऐसे में इलाज के लिए 14 सितम्बर 2020 को वे उन्हें यहां के पार्क अस्पताल में ले गई। उसी दिन इलाज के दौरान उपेंद्र मल्हौत्रा का देहांत हो गया। जिसके बाद पार्क अस्पताल ने मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए विवरण बल्लभगढ़ नगर निगम को भेज दिया। यहां से मृत्यु प्रमाण पत्र 21 दिन बाद जारी हो गया था। लेकिन इससे पहले ही उनकी भाभी (मृतक की पत्नी) ने नारनौल नगर परिषद के अधिकारियों की मिलीभगत से मृत्यु प्रमाण पत्र वहां से जारी करवा लिया। नियमों के मुताबिक जहां मृत्यु होती है, वहीं मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाया जा सकता है। हरशरण कौर का आरोप है कि उनकी भाभी ने इस गलत मृत्यु प्रमाणपत्र की मदद से उपेंद्र मल्होत्रा की बीमा की राशि अपने कब्जे में ले ली।

जबकि उपेंद्र मल्होत्रा की मृत्यु के बाद उनकी चल-अचल सम्पति की मां, पत्नी और दो बेटियां बराबर की हकदार है। पता चलने पर उन्होंने जानकारी हासिल करने के लिए नारनौल नगर परिषद में आरटीआई दायर कर दी। लेकिन संबंधित अधिकारी जबाव देने के नाम पर टाल मटौल करते रहे। जिसके कारण वह राज्य सूचना आयोग में चली गई। राज्य सूचना आयोग ने नारनौल नगर परिषद के तत्कालीन ईओ अभय सिंह पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के आदेश दिये हैं।

जजपा जिलाध्यक्ष ने पार्टी में किया नई ऊर्जा का संचार

जजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजेश भाटिया का स्वागत करते जननायक जनता पार्टी के उमेश भाटी व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवनियुक्त जजपा के जिला अध्यक्ष राजेश भाटिया का प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व प्रत्याशी तिगांव विधानसभा ठाकुर उमेश भाटी बधाई देने पहुंचे। इस मौके पर काफी संख्या में उनके साथ टीम तिगांव विधानसभा से कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव कृष्ण जाखड और प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजेश भाटिया का फूल का गुलदस्ता और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव कृष्ण जाखड ने कहा कि जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने फरीदाबाद में पंजाबी का फेमस चेहरा और समाजसेवी राजेश भाटिया को फरीदाबाद का जिलाध्यक्ष बनाया है।

संजय कालोनी में कम्प्रेशर फटने से दो बच्चे हुए घायल, धमाके से छत उड़ी

किरायेदार का बच्चा और दुकानदार का पोता बुरी तरह से हुआ घायल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मौके पर लगी लोगों की भीड़।

कम्प्रेशर फटने से छत गायब होने पर लटका हुअह्या पंखा

संजय कालोनी स्थित 33 फीट रोड पर एक पंचर की दुकान में कम्प्रेशर फट गया। जिससे दो बच्चे घायल हो गए। एक बच्चे की हालत नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चों को बीके अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से उन्हें दिल्ली रेफर कर दिया गया। वहीं कम्प्रेशर फटने से दुकान की पूरी छत धमाके के साथ उड़ गई।

संजय कालोनी में बृहस्पतिवार दोपहर करीब ढाई बजे पंचर की दुकान में लगा कम्प्रेशर फट गया। जिससे दुकान की छत का पूरा हिस्सा उड़ गया।। बताया जा रहा है कि दुकान पर दो बच्चे खेल रहे थे। दुकानदार कहीं गया था। कम्प्रेशर को बंद करने के लिए दुकानदार का 16 वर्षीय पौता और एक किरायेदार का 12 साल के रवि और शिवा नामक दो बच्चे बुरी तरह घायल हो गए। 12 साल के बच्चे के परिजनो का कहना है कि वह दो माह पहले ही यहां काम करने के लिए आए थे। लेकिन ऐसी हालत में बच्चे को बीके से दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। उनकी माली हालत काफी खराब है। एक बच्चे के सिर में और दूसरे के हाथ में चोट आई है। बुजुर्ग को भी इस घटना से कुछ चोटे आई हैं।

रविंद्र फागना ने 6 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। दा डोम क्रिकेट मैदान गुरुग्राम में प्रैक्टिस मैच खेला गया यह मैच रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी और पुश क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। इस मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने पुश क्रिकेट अकादमी को 6 विकेट से हराया।

इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया की यह मैच 40-40 ओवर का था और पुश क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पुश क्रिकेट अकादमी टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 7 विकेट पर 162 रन बनाए टीम की और बल्लेबाजी करते हुए आयुष ने 37 रन, आर्यन ने 15 रन, विहान ने 12 रन, अक्षत ने 11 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए आशीष बाम्बी और फरहान खान ने 2-2 विकेट, ऋषभ ओर अर्व 1-1 विकेट ली। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने 33.5 ओवर में 4 विकेट में 166 रन बनाकर जीत हासिल की।

जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिखाया विश्वास : गोपाल शर्मा

भाजपा जिला फरीदाबाद के नेताओं ने भाजपा की जीत पर मनाया जश्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीजेपी कार्यालय फरीदाबाद में उत्तर प्रदेश में बीजेपी की जीत पर मिठाई बांटते कार्यकर्ता।

भारतीय जनता पार्टी के के जिला कार्यालय पर उत्तर प्रदेश और अन्य तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक व प्रचंड जीत पर जिला आध्यक्ष गोपाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आरएन सिंह व जिले के भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद किया और कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि किसान आंदोलन, कोरोना प्रबंधन, बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर ही भरोसा जताया है। जनता ने योगी आदित्यनाथ की जनहितकारी सरकार में विश्वास दिखाते हुए उत्तर प्रदेश में भाजपा को बहुमत देकर ऐतिहासिक विजय दिलाई। इसके अलावा लोगों ने गोवा, मणिपुर और उतराखंड में भी भाजपा को वोट देकर जीत सुनिश्चित की। उत्तरप्रदेश में पिछले पांच साल में योगी जी के नेतृत्व में जिस तरह से राज्य का विकास हुआ और प्रदेश में भ्रष्टाचार और माफियाराज व गुंडा गर्दी पर रोक लगाई उससे उत्साहित प्रदेश की जनता ने दिल खोलकर भाजपा को वोट देकर दोबारा योगी को सत्ता पर काबिज किया है। गोपाल शर्मा ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े नेता नरेन्द्र मोदी का जादू और और योगी का सुशासन सब पार्टियों पर भारी पड़ा है। जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया है व अन्य पार्टीयां सम्प्रदाय व जातिवाद की तरफ चुनाव लेकर जा रहे थे, लेकिन जनता ने भाजपा के विकास और कानून के राज को स्वीकार किया है। कोरोना आया तो भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों ने टीका लगाने का अभियान शुरू किया लेकिन विरोधियों ने लोगों को गुमराह करने की कोशिश की।

नशे के सौदागरों की सूचना देने पर मिलेगा इनाम

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच बॉर्डर प्रभारी सेठी मलिक की टीम ने मेवला महाराजपुर एरिया में आमजन को नशे के विरुद्ध जागरुक किया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा द्वारा नागरिकों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के निर्देश दिए गए थे। जिनके तहत क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने आमजन के बीच पहुंचकर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में अवगत करवाया। आमजन को बताया गया कि किस प्रकार नशा समाज की जड़ों को खोखला कर रहा है। युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंसकर किस प्रकार अपने भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। किशोरावस्था में नौजवान युवक शौकिया तौर पर नशा करना शुरू करते हैं, परंतु धीरे-धीरे उन्हें इसकी लत पड़ जाती है जिसके पश्चात इसे छोड़ पाना उनके लिए बहुत मुश्किल कार्य हो जाता है। नशा इंसान के स्वास्थ्य के ऊपर बहुत बुरा प्रभाव डालता है।

जब-जब कांग्रेस पिछड़ी तब-तब मजबूती से उभरी

कांग्रेसी नेता लखन सिंगला को जन्मदिन पर बधाई देते कांग्रेसी नेता।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने कहा है कि पांच राज्यों के चुनाव परिणामों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हताश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि जब-जब कांग्रेस पिछड़ी है, तब-तब वह मजबूत बनकर उभरी है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वह हार-जीत को पीछे छोड़ नए सिरे से पार्टी प्रचार प्रसार में जुट आएं और आगामी चुनावों की तैयारियां तेज कर दें। सिंगला गुरुवार को ओल्ड फरीदाबाद स्थित अग्रेसन पार्क में अपने जन्मदिवस पर आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से पलवल के पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल, पृथला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया, तिगांव क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जेपी नागर, बडखल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी विजय प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, रिंकू चंदीला, तरूण तेवतिया, रेनू चौहान, जगन डागर, वेदपाल दायमा पूर्व पार्षद रोहित सिंगला ,अनिल शर्मा आदि मौजूद थे। लखन सिंगला ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पांच राज्यों के जो चुनाव परिणाम आए है, उनमें भाजपा सरकार ने सरकारी तंत्र का दुरूपयोग किया है।

वैश्विक संघर्ष

रूसी तेल पर प्रतिबंध

अमेरिका द्वारा रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने से यूरोपीय संघ के देशों में खतरे की घंटियां बजने लगी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से तेल आयात पर प्रतिबंध लगा कर वैश्विक आर्थिक प्रगति को तेल के जाल में फंसा दिया है। हालांकि, यह कार्रवाई वास्तव में बहुत गंभीर नहीं है, पर इससे कच्चे तेल के दाम और बढ़ने की आशंका हो गई है जो पहले से ही बढ़ रहे थे। महत्वपूर्ण रूप से राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूसी ऊर्जा क्षेत्र पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से परहेज किया है। वे जानते हैं कि यूरोपीय संघ के सदस्य अपने वार्षिक उपभोग का लगभग आधा रूस से आयात करते हैं। इसके परिणामस्वरूप यूक्रेन पर हमले के कारण रूस की घोर आलोचना के बावजूद यूरोपीय संघ रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध का इच्छुक नहीं है। ऐसे निर्णय से मुद्रास्फीति की दर बढ़ सकती है तथा राजकोषीय घाटा बहुत बढ़ सकता है। अमेरिका सोचता है कि उसके प्रतिबंध से सामने आया नैतिक दबाव रूस को यह समझने पर मजबूर करेगा कि यदि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय से टकराव के रास्ते पर चलता रहा तो और बुरा होगा। रूस अभी से कठिनाइयों का अनुभव कर रहा है। अभी हाल तक उसकी अमेरिका को दैनिक सप्लाई 1 बिलियन डालर थी। रूसी तेल, कोयले और गैस पर प्रतिबंध लगने से अमेरिकन कंपनियों का व्यापार व निवेश बंद हो जाएगा। हालांकि, इससे भले ही रूस के पास बिना बिके तेल की समस्या पैदा हो, पर वह किसी इच्छुक देश को भारी छूट पर बड़ी मात्रा में फौरन तेल बेच

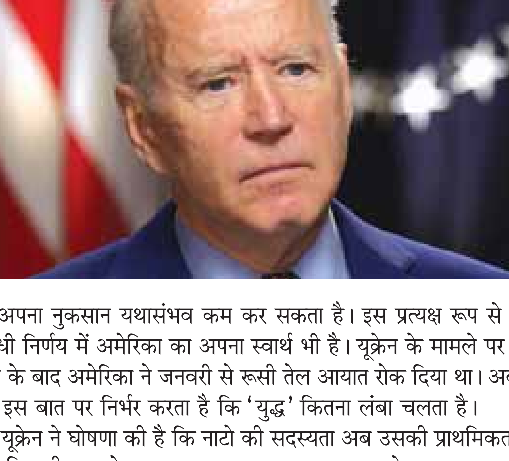

कर अपना नुकसान यथासंभव कम कर सकता है। इस प्रत्यक्ष रूप से रूस-विरोधी निर्णय में अमेरिका का अपना स्वार्थ भी है। यूक्रेन के मामले पर तनाव बढ़ने के बाद अमेरिका ने जनवरी से रूसी तेल आयात रोक दिया था। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि 'युद्ध' कितना लंबा चलता है।

यूक्रेन ने घोषणा की है कि नाटो की सदस्यता अब उसकी प्राथमिकता नहीं है। यदि यही रूस के आक्रमण का एकमात्र कारण था तो अब तनाव कम हो सकता है। लेकिन यदि राष्ट्रपति पुतिन देश के विसैन्यीकरण तथा सरकार परिवर्तन पर भी जोर देते हैं तो संकट और ज्यादा गहरा सकता है। ऐसी स्थिति में यूरोपीय संघ भी रूसी तेल आयात जारी रखने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर सकता है। अमेरिका वर्तमान प्रतिबंध का दूसरा चरण शुरू कर सकता है जिसे उसने अब तक लागू नहीं किया है। वह आदेश दे सकता है कि अब कोई रूसी तेल नहीं खरीदेगा और अमेरिका ऐसा करने वाले किसी देश से संबंध नहीं रखेगा। यह बहुत कठोर प्रतिबंध होगा जिससे रूस का तेल क्षेत्र पंगु हो सकता है। इससे रूसी तेल पर निर्भर देश भी दुविधा में फंस जाएंगे। इस बीच राष्ट्रपति बाइडेन पर आंतरिक दबाव पड़ रहा है कि वे यूरोप में रूसी गैस के विकल्प में अमेरिकी स्रोतों से निकलने वाली द्रव प्राकृतिक गैस को प्रोत्साहन दें। यूरोप की गैस सप्लाई बढ़ाने के लिए अमेरिका वहां अनेक टैंकर भेज रहा है। लेकिन इसके लिए यूरोप को भारी खर्च करना पड़ता है। अमेरिकन तेल कंपनियों को लगता है कि यदि युद्ध जारी रहता है तो यूरोपियन अमेरिका से तेल व गैस सप्लाई के दीर्घकालीन अनुबंध करने के इच्छुक होंगे। यदि युद्ध जल्दी समाप्त नहीं होता है तथा तेल व गैस भू-राजनीतिक परिसंपत्तियां हैं तो रूस के बजाय अमेरिका यूरोप में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

भारत-आस्ट्रेलिया संबंध तथा डेयरी उद्योग

अतिरिक्त आय में वृद्धि तथा उच्च-प्रोटीन खाद्य पदार्थों की बढ़ती पसंद से विशिष्ट डेरी उत्पादों के लिए उपभोक्ता आधार तैयार हुआ है।

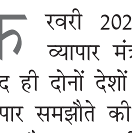

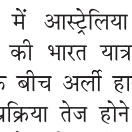

वीना विद्याधरन
स्वाती वर्मा

फरवरी 2022 में आस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री की भारत यात्रा से जल्द ही दोनों देशों के बीच अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते की प्रक्रिया तेज होने की आशा है। एक महीने के भीतर संभावित अंतरिम समझौता समग्र आर्थिक सहयोग समझौता-सीसा पर हस्ताक्षर की दिशा में एक बड़ा कदम होगा जिस पर इस वर्ष के उत्तरार्ध में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच हस्ताक्षर की संभावना है। 2020 में भारत आस्ट्रेलिया का सातवां सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी तथा छठा सबसे बड़ा आयातक देश था। दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार 24.4 बिलियन डालर था। आस्ट्रेलिया को भारत से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्यत: पेट्रोलियम उत्पाद, दवायें, पालिश किए हीरे, सोने के जेवर और वस्त्र हैं, वहीं आस्ट्रेलिया भारत को कोयला, द्रव प्राकृतिक गैस-एलएनजी, एल्युमिना व सोना निर्यात करता है। आस्ट्रेलिया के विशिष्ट एल्कोहलिक पेय व वाइन, स्वास्थ्य सप्लीमेंट, कोल्ड प्रेस्ड जूस तथा ट्रांस फैट मुक्त उत्पादों की भारत में भारी मांग है।

भारत और आस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्रियों ने एक संयुक्त प्रेस बयान में कहा कि दोनों देशों की संवेदनशीलताओं को 'समाहित कर उनका सम्मान किया जाएगा।' संभव है कि आस्ट्रेलिया डेरी, बीफ व गेंहू के लिए बाजार पहुंच पर जोर नहीं देगा जो भारत के लिए संवेदनशील क्षेत्र हैं। इस वर्ष के प्रारम्भ में भारत के वाणिज्य मंत्री ने संकेत दिए थे कि अंतरिम समझौते में टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल, फुटवियर, चमड़ा उत्पाद तथा कृषि उत्पाद जैसे श्रम-बहुल क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा तथा डेरी व कृषि संबंधी कुछ चीजों को इनमें शामिल नहीं किया जाएगा। इस बयान में भारत ने अपने कृषि व डेरी क्षेत्रों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की और इसी कारण वह 2019 में क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी वार्ताओं-आरसीईपी से अलग हो गया था। भारतीय डेरी किसानों, सहकारी संस्थाओं तथा ट्रेड यूनियनों ने डेरी व कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को विशाल आस्ट्रेलियाई कंपनियों के लिए खोलने का तगड़ा विरोध किया था।

भारतीय डेरी उद्योग वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा है और 2019-20 में उसका दुग्ध उत्पादन 198.4 मिलियन टन था। इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है और इस पर छोटे व मझोले डेरी किसानों की दुग्ध सहकारिताओं का वर्चस्व है। हालांकि, उनको अपने दाम सस्ते रखने के लिए भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश ग्रामीण परिवारों में डेरी को अलग उद्यम नहीं माना जाता है और यह कृषि व्यवस्था से पूरी तरह जुड़ा हुआ है। डेरी से न केवल किसानों की कृषि आय बढ़ाने में सहयोग मिलता है, बल्कि इससे उनकी नियमित आय होती है तथा वे खाली मौसम में वित्तीय संकट का सामना करने में सफल होते हैं। इस प्रकार डेरी उनके लिए महत्वपूर्ण संपत्ति है। भारत में डेरी उद्योग का लगभग 35 प्रतिशत संगठित क्षेत्र में है और ज्यादा से ज्यादा कंपनियां दुग्ध खरीद का सक्षम नेटवर्क बनाने, द्रव दूध बेचने तथा मूल्य संवर्धित उत्पाद बेचने में निवेश कर रही हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने अनुमान लगाया है कि अखिल भारतीय स्तर पर दुग्ध व दुग्ध उत्पादों की मांग 2030 में 266.5 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। भारत में उत्पादित कुल दूध का 48 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रयोग होता है तथा बाकी को अतिरिक्त रूप से ग्राहकों को बेचा जाता है। लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद वैश्विक दुग्ध व्यापार में भारत का हिस्सा छोटा है। भारत दुग्ध उत्पादों का निर्यात संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, संयुक्त राज्य अमेरिका, भूटान और सिंगापुर को करता है। कुल डेरी उत्पाद निर्यात में सूखे दूध पाउडर का हिस्सा 30 प्रतिशत है। मक्खन, बटर आयल, पनीर, घी और बटरमिल्क का भी निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत निर्यात के साथ ही बटरमिल्क, कर्डल्ड मिल्क, क्रीम व कीफिर का आस्ट्रेलिया से आयात भी करता है। आस्ट्रेलिया से 2020 में भारत ने आयातित उत्पादों में मिल्क नान-कंसेंट्रेटेड, सभी प्रकार के चीज़, दूध व क्रीम पाउडर जैसे डेरी उत्पादों का आयात भी किया था।

भारतीय डेरी उद्योग लगभग 70 मिलियन ग्रामीण परिवारों की सहायता करता है जिनमें अधिकांशत: छोटे व सीमान्त किसान हैं। दुग्ध सहकारिताओं, डेरी किसानों और ट्रेड यूनियनों ने आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड जैसी अतिरिक्त दुग्ध अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों का विरोध किया था। उनका अनुमान था कि टैरिफ घटाने से सस्ते आयातित उत्पादों से बाजार पट जाएगा और इसके परिणामस्वरूप घरेलू डेरी उद्योग को नुकसान होगा। डेरी उद्योग के अनेक प्रवक्ताओं ने यह क्षेत्र खोलने के खिलाफ बहुत कठोर दृष्टिकोण अपनाया है।

दुनिया के बहुसंख्य बड़े डेरी आयातक देशों ने आयातों से सुरक्षा के लिए अनेक टैरिफ व गैर-टैरिफ बाधायें खड़ी की हैं। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ ने भारतीय डेरी प्लांटों को निर्यात की अनुमति नहीं दी है। इसके पीछे मवेशियों पर नियंत्रण, एंटीबायोटिक व कीटनाशकों के बचे स्तर, आदि का बहाना बनाया गया है। आस्ट्रेलिया ने भी केवल कुछ ही उत्पादों के आयात की अनुमति दी है। जहां यूरोपीय संघ व अमेरिका जैसे देशों ने अपने डेरी किसानों को भारी निर्यात सब्सिडी दी है, वहीं भारत में डेरी किसानों को ऐसी कोई सहायता नहीं मिली है। इसके कारण वे विश्व व्यापार में प्रतियोगिता करने की स्थिति में नहीं हैं। सरकार ने डेरी किसानों को आश्वासन दिया है कि वह उनके हितों की सुरक्षा करेगी। इसके साथ ही ऐसे चयनित कृषि व डेरी उत्पादों को टैरिफ या गैर-टैरिफ बाधायें कम कर ज्यादा बाजार पहुंच उपलब्ध कराई जा सकती है जिनका देश में ज्यादा मात्रा में उत्पादन या उपभोग नहीं होता है। यह संवेदनशील कदम होगा क्योंकि प्रीमियम व अधिक मूल्य वाले उत्पादों की घरेलू मांग तथा उपभोक्ताओं के बीच उनकी पसंद बढ़ रही है। इससे ऐसे ढांचागत सुधारों की शुरुआत हो सकती है जिनसे यह क्षेत्र ज्यादा प्रतियोगी हो जाएगा।

खासकर सप्लाई श्रृंखला प्रबंधन में ऐसे सुधार महत्वपूर्ण हैं। इनमें मवेशियों का गुणवत्तापूर्ण आहार, गुणवत्तापूर्ण दूध की खरीद, कठोर गुणवत्ता नियंत्रण लागू करना तथा शीत श्रृंखला प्रबंधन शामिल हैं ताकि दुग्ध व दुग्ध उत्पादों को ज्यादा समय तक रखा जा सके। इनके कारण निवेश के अवसर भी बढ़ते हैं। भारत में डेरी मांग बढ़ने के अनुमानों को देखते हुए स्पष्ट है कि उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए ताकि उससे आंतरिक बढ़ी हुई मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही डेरी किसानों को शिक्षित व प्रशिक्षित करने तथा दुग्ध संग्रह, परिवहन व प्रसंस्करण का ढांचा मजबूत करना भी जरूरी है। यह दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने तथा प्रसंस्कृत दूध की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी जरूरी है। कृषि व डेरी सेवाओं समेत अन्य क्षेत्रों में विदेशी निवेश का प्रयोग शीत श्रृंखला बनाने, वितरण तथा मार्केटिंग में किया जा सकता है। यह याद रखना भी जरूरी है कि देश में विदेशी डेरी उद्यमी स्थानीय उद्यमियों के साथ साझेदारी कर किसानों से सीधी खरीद को बढ़ावा देना चाहते हैं।

इस जुड़ाव से हमारे डेयरी किसानों को बहुत लाभ होगा। हमें आगे बढ़ कर उन डेयरी उत्पादों पर टैरिफ घटाने पर भी विचार करना चाहिए जो भारत में नहीं बनते हैं और उनकी देश में भारी मांग है। खर्च के लिए अतिरिक्त आय में वृद्धि तथा उच्च प्रोटीन वाले विशिष्ट उत्पादों के लिए उपभोक्ता आधार बना है। ये कदम देखने में भले ही छोटे दिखें, पर इससे भारत के डेरी परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन आएगा।

रूस से भारत की उम्मीदें कहीं भ्रम तो नहीं?

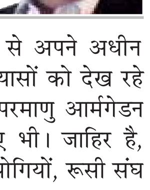

दीपक सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

हम यूक्रेन को क्रूरता से अपने अधीन करने के रूसी प्रयासों को देख रहे हैं, यहां तक कि दुनिया को परमाणु आर्मगेडन के साथ धमकी देने के लिए भी। जाहिर है, अमेरिका, उसके यूरोपीय सहयोगियों, रूसी संघ और यूक्रेन के नेताओं ने गलत अनुमान लगाया है और दुनिया को गंभीर खतरे में डाल दिया है। संभवत:, एक तीव्र शासन परिवर्तन और यूक्रेन को रूस माता में आत्मसात करने की काल्पनिक इच्छा वही थी जिसे पूरा करने की पुतिन ने आशा की थी। चीजें स्पष्ट रूप से योजना के अनुसार नहीं हुई हैं क्योंकि उनके जनरलों ने पूरी तरह से यूक्रेनी प्रतिरोध का गलत अनुमान लगाया था। जबकि वह अभी भी सफल हो सकता है, कोई भी नया शासन तब तक चलेगा जब तक कि उसे समर्थन देने के लिए रूसी सैन्य समर्थन प्राप्त हो।

यह अनिश्चित लगता है, यह देखते हुए कि समय के साथ एक अशांत आबादी को नियंत्रित करने के लिए रूसी सेना की क्षमता बेहद संदिग्ध लगती है। इसलिए, पुतिन को डोनबास क्षेत्र में पर्याप्त क्षेत्र पर कब्जा करने से संतुष्ट होना पड़ सकता है जो रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाला एक भूमि गलियारा प्रदान करेगा। यहां तक कि यह यूक्रेनियन को भी स्वीकार्य नहीं होगा और पुतिन के हाथों में एक गंभीर विद्रोह होने की संभावना है, जिसे नियंत्रित करना उनकी सेना के लिए कठिन होगा। जैसा कि आर्थिक लागत और क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है, कोई यह अनुमान लगा सकता है कि, सभी संभावना में, पुतिन के लिए चीजें बुरी तरह से समाप्त हो जाएंगी, यानी अगर वह 2024 में होने वाले अगले राष्ट्रपति चुनाव तक टिके रहने का प्रबंधन करते हैं।

इस बात में कोई दम नहीं है कि नाटो को पूर्व की ओर धकेलने के लिए अमेरिका और पश्चिम की भू-राजनीतिक साजिशों ने पुतिन को उनके जैसा काम करने का बहाना दिया है, माना जाता है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है। हालांकि, उनके कार्यों को पूर्व-मध्यस्थ किया गया प्रतीत होता है क्योंकि उनके अकारण आक्रमण के दिनों में, कूटनीति लाभांश का भुगतान कर रही थी और रूस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के भीतर पर्याप्त कर्षण प्राप्त कर रहा था। इस प्रकार, राजनयिक युद्ध जीतने के बावजूद, पुतिन ने यूक्रेन पर जबरन कब्जा करने का फैसला किया और बिना किसी रोक-टोक के हमला शुरू कर दिया जिससे मानवीय संकट पैदा हो गया।

इसने वास्तव में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को नाराज कर दिया है, खासकर जब से हम केवल अब अंतत: कोविड महामारी की चपेट में आ रहे हैं और इसने विश्व स्तर पर कहर बरपाया है।

वास्तव में, एक वैश्वीकृत दुनिया में, जो भी कारण हो, राष्ट्रीय नेता अपने अहं और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बल का उपयोग करने का जोखिम नहीं उठा सकते, यह देखते हुए कि उनके कार्यों का दुनिया भर में प्रभाव है। इस व्यर्थ और खूनी युद्ध में जैसे-जैसे घटनाएँ सामने आती हैं, यह केवल यूक्रेन और रूस के लोग नहीं हैं जो भारी कीमत चुका रहे हैं। यह कर्नाटक के हावेरी जिले के चलगेरी गांव तक परिवारों की आजीविका, आशाओं और आकांक्षाओं को नुकसान पहुंचा रहा है और नष्ट कर रहा है, जहां 21 वर्षीय छात्र नवीन का घर है, जो खार्किव में रूसी गोलाबारी में मारा गया था। रूसी आक्रमण की निंदा करने और यूक्रेन की स्थिति का समर्थन करने में भारत सरकार द्वारा प्रदर्शित की गई दुविधा को समझना वास्तव में कठिन है। इसके कार्यों का तत्काल परिणाम यह हुआ है कि हमारे 20,000 छात्रों को नुकसान पहुंचाया गया और उन्हें यूक्रेन के गुस्से का खामियाजा भुगतना पड़ा। रूस की तुलना में दोगुने जीडीपी के बावजूद, हम व्यर्थ आशा में झुकना और धोखा देना जारी रखते हैं कि वे चीनियों के साथ हमारे लिए ईमानदार दलाल के रूप में कार्य करेंगे और उनके साथ चल रही हमारी समस्याओं को हल करने में मदद करेंगे। हम इस वास्तविकता का सामना करने को तैयार नहीं हैं कि रूस चीनियों के जागीरदार राज्य से ज्यादा कुछ नहीं है।

यह इस तथ्य से स्पष्ट होना चाहिए था कि पुतिन ने कथित तौर पर राष्ट्रपति शी के कहने पर शीतकालीन ओलंपिक के अंत तक अपने आक्रमण में देरी की। इसके विपरीत, उन्होंने नरेंद्र मोदी को आने वाले समय का संकेत देना आवश्यक नहीं समझा, जिससे हम अपने नागरिकों को अच्छे समय में बाहर निकालने में सक्षम हो सकें। या, उस मामले के लिए, जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती गई, हमारे अनुमानित प्रभाव को देखते हुए, हमने मानवीय गलियारा स्थापित करने के लिए अपने विशेष अभियान बलों को क्यों नहीं भेजा और रूसी सहायता से हमारे नागरिकों को शहरों की घेराबंदी से पहले नुकसान के रास्ते से बाहर निकाला?

जाहिर है, हमारी दोस्ती को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और यह मानना है कि रूस के दिल में हमारे हित हैं और भविष्य में चीन के साथ किसी भी संघर्ष में हमारा समर्थन करेंगे, मूर्खों के स्वर्ग में रहना है।

एक बेकार डीआरडीओ, अक्षम आयुध कारखानों और असंबद्ध खरीद नीतियों ने हमें रूसी हथियार प्रणालियों पर निर्भर बना दिया है। हालाँकि, चल रहे संघर्ष में उनका प्रदर्शन वांछित होने के लिए बहुत कुछ छोड़ देता है और यह समय है कि हम कहीं और देखना शुरू करें, विशेष रूप से अब प्रतिबंधों को देखते हुए।

अंत में, कोई भी मदद नहीं कर सकता है, लेकिन जब हम उच्च मेज पर बैठने की इच्छा रखते हैं, तो हमारे पास खड़े होने के लिए रीढ़ की हड्डी की कमी होती है और धक्का लगने पर गिनती की जाती है। यही कारण है कि हम अभी भी सामना कर सकते हैं जिसे पूर्व विदेश सचिव श्याम शरण बुरे सपने के रूप में संदर्भित करते हैं, एक ऐसी स्थिति जहां अमेरिका हमें नदी के नीचे बेचता है और एशिया में चीनी प्रधानता को स्वीकार करता है, इसे स्पष्ट रूप से समर्थन करने की हमारी अनिच्छा को देखते हुए। बेशक, एक विकल्प मौजूद है, हम चीनियों के सामने कराह सकते हैं और यह उम्मीद करते हैं कि वे हमें अकेला छोड़ देंगे। वास्तविकता तो यही है कि दिन के अंत में, हर हाल में केवल हमारे हित मायने रखते हैं।

आप की बात

विचाराधीन कैदी

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की 2020 की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्येक चार में से तीन विचाराधीन कैदी हैं और इनका कुल प्रतिशत 76.1 है। इस अध्ययन के अनुसार 2015 से 2020 के बीच सिद्ध दोष अपराधियों की संख्या तो घटी है, पर विचाराधीन कैदियों की संख्या में इजाफा हुआ है। कुल 1427 महिला कैदियों के साथ 1628 बच्चे भी जेल में रह रहे हैं। इनमें से 1184 महिलाएं विचाराधीन कैदी हैं, जिनके साथ 1345 बच्चे रह रहे हैं। इसके विपरीत 214 सिद्ध दोष महिला कैदियों के साथ 246 बच्चे रह रहे हैं। विचाराधीन कैदियों का लंबे समय तक बिना अपराध सिद्ध हुए जेल में पड़े रहना एक तरह का अत्याचार झेलने के समान है ,इसमें भी महिलाओं और उनके साथ बच्चों के मामले में तो और अधिक संवेदनशीलता की अपेक्षा रहती है! अत: बेहतर यही है कि महिलाओं और बच्चों को एक माह तक फैसला नहीं होने पर जमानत पर छोड़ा जाए ताकि उन बच्चों का भविष्य बिना पढ़ाई लिखाई के अंधकार में ना जा पाए! साथ ही देश की लचर कानून व्यवस्था पर भी तत्काल गौर फरमाया जाना जरूरी है! क्योंकि देरी से मिलने वाला न्याय भी एक तरह का अन्याय ही है!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

भारत ने निभाई जिम्मेदारी

जब आप देश से बाहर पढ़ने या किसी और अन्य कारण से जाते हैं तो वहां से सुरक्षित लौटने के जिम्मेदारी भी आपकी होती हैं, आपके देश की सरकार की नहीं! ऐसा कहकर सभी महाशक्तियों ने अपना पल्ला झाड़ लिया मगर भारत पीछे नहीं हटा। रूस-यूक्रेन के युद्ध के चलते जहां बड़ी से बड़ी महाशक्तियों ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं, वही भारत सरकार ने ऐसी आपदा मे अपने नागरिकों को बचाने मे कोई कसर नहीं छोड़ी। यह बात सुबूत हैं कि भाजपा सरकार को अपनी सत्ता से ज्यादा जनहित महत्व्पूर्ण हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत भारतीय नागरिक के साथ साथ दूसरे देशों के नागरिकों को भी युध्स्थल से निकाला गया, जिस कार्य के लिए आज विश्व भारत की सराहना कर रहा है उसी पर भारत के कुछ वामपंथी लोग सवाल उठा रहे हैं। यह विडंबना हैं! कुछ छात्र जो युद्ध के दौरान फसे थे, जो अब सुरक्षित भारत आ चुके हैं वे भारत की इस निति पर सवाल उठा रहे हैं, उन लोगो से बस एक सवाल कि क्या भारत सरकार ने उन्हें विदेश जा कर पढ़ने को कहा था? एक सलाह भी हैं कि आलोचना या निंदा करने से बेहतर है कृतज्ञता के भाव रखे क्योंकि जहां सबने हाथ खड़े कर दिए सिर्फ भारत ने हाथ थामा था!

– **विभुक्ति बुपक्या**, आष्टा, मप्र

निष्पक्ष निर्वाचन प्रणाली

देश में राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की प्रशंसा सारी दुनियां करती है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश मे निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव करवाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। जिसे चुनाव आयोग संसद और विधानसभा जबके चुनावों को संचालित करता है। देश मे कुछ दलों द्वारा ई वी एम मशीनों पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप बार बार लगाया जाता है। जबकि ई वी एम मशीनोंमें कोई गड़बड़ी नही कर सकता।2017 में राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने ईवीएम मशीनों में गड़बड़ी साबित करने की खुली चुनौती दी थी। लेकिन कोईभी दल गड़बड़ी साबित करने नही आया। मैंने देखा। देश में चुनाव के समय चुनाव कर्मी अपनी ड्यूटी को सतर्कता और निष्ठापूर्वक करते है। जिसका परिणाम है।सत्तासीन दलों की भी करारी मात होती है।निष्पक्ष चुनाव पद्धति के कारण ही भारत दुनियां का सबसे बड़ा लोकतंत्र जीवंत बना हुआ है। आजादी के 75वे वर्ष में लोकतंत्र सुचारू रूप से चल कर सारी दुनियां को लोकतंत्र का पाठ पढ़ा रहा है। लोकसेवकों की निष्ठा पर सवाल नही उठाना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

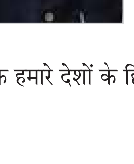

जन औषधि केंद्रों ने दवाओं को किफायती बनाने में मदद की है। इस साल लोगों ने 5,000 करोड़ की बचत की।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

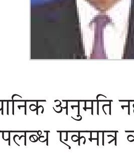

हाल के झटके हमारे देशों के हितों की पूर्ति नहीं करते हैं।

– **वांग यी**
चीनी विदेश मंत्री

राज्यपाल के रूप में, मैं संवैधानिक अनुमति नहीं दे सकता संकट। इसलिए मैंने उपलब्ध एकमात्र कदम उठाया।

– **जगदीप धनखड़**
पश्चिम बंगाल के राज्यपाल

अमरिंदर की पार्टी बुरी तरह नाकाम

भाषा। चंडीगढ़

अमरिंदर सिंह पंजाब विधानसभा चुनाव में बुरी तरह रूप से नाकाम रहे। उनकी नई पार्टी अपना खाता नहीं खोल पाई, उनकी सहयोगी भाजपा भी परास्त हो गई और वह अपने स्वयं के निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने में भी असफल रहे। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री के लिए कुछ सांत्वना हो सकती है। कांग्रेस, जिससे कुछ महीने पहले ही उनका नाता खत्म हो गया था, ने आम आदमी पार्टी की लहर में राज्य में बहुत खराब प्रदर्शन किया है।

इस बार के पंजाब विधानसभा चुनाव दो बार के मुख्यमंत्री सिंह के लिए एक नई चुनौती के रूप में आए, जिन्हें पिछले साल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के साथ सत्ता संघर्ष के बाद पद छोड़ना पड़ा था। सिंह (79) ने उस वक्त कहा कि उन्हें अपमानित किया गया और तब उन्होंने नतीजों की चेतावनी दी थी। जल्द ही, उन्होंने पंजाब लोक कांग्रेस का गठन कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की घोषणा की जिसका राज्य में विस्तार लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी की लहर के बावजूद रुका हुआ था। कभी गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले अमरिंदर सिंह ने पार्टी छोड़ते समय कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को अनुभवहीन कहा। एक चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने पलटवार करते हुए कहा कि जब अमरिंदर

● खुद भी विधान चुनाव हारे

मुख्यमंत्री थे तो भाजपा के साथ उनकी साठगांठ थी। पिछले विधानसभा चुनाव में अमरिंदर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को हराकर सत्ता हासिल की थी। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली से बाहर विस्तार करने के सपने को तोड़ दिया। कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दिलाते हुए वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। लेकिन सिद्धू से टकराव के बाद अमरिंदर अपना दूसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। पिछले सितंबर में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

एक समय अकाली दल में रहे और पटियाला के दिवंगत महाराजा यादवेंद्र सिंह के पुत्र, अमरिंदर सिंह लॉरेंस स्कूल, सनावर और दून स्कूल देहरादून में पढ़ाई के बाद 1959 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए। वह 1963 में भारतीय सेना में भर्ती हुए और सिख रेजिमेंट की दूसरी बटालियन में शामिल हुए। सिंह के पिता और दादा ने भी बटालियन में सेवा दी थी। राजीव गांधी के करीबी माने जाने वाले सिंह का राजनीतिक करियर जनवरी 1980 में शुरू हुआ जब वह सांसद चुने गए।

लेकिन 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेना के प्रवेश के विरोध में उन्होंने कांग्रेस और लोकसभा से इस्तीफा दे दिया। अमरिंदर सिंह 1995 में अकाली दल (लोंगोवाल) के टिकट पर पंजाब विधानसभा के लिए चुने गए थे। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान, 2004 में उनकी सरकार ने पड़ोसी राज्यों के साथ पंजाब के जल बंटवारे समझौते को समाप्त करने वाला कानून पारित किया। पिछले साल, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सिंह के दूसरे कार्यकाल के दौरान, राज्य विधानसभा में केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया गया था। उनकी सरकार ने किसानों और भूमिहीन कृषक समुदाय के लिए कृषि ऋण माफी योजना की भी घोषणा की। अमरिंदर सिंह ने 2014 का लोकसभा चुनाव अमृतसर से लड़ा था और भाजपा के अरुण जेटली को एक लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर समझौते को समाप्त करने वाले पंजाब के 2004 के कानून को असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद उन्होंने नवंबर में सांसद पद से इस्तीफा दे दिया।कुछ दिनों बाद, चुनावों के लिए उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कई जगहों की यात्रा कर चुके सिंह ने 1965 के भारत-पाक युद्ध के अपने संस्मरणों सहित कई किताबें भी लिखी हैं।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मतगणना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम में लगी पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान

क्विक न्यूज

कश्मीर में सेना का लापता जवान मृत मिला

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले मे बृहस्पतिवार को एक बगीचे से सेना के एक जवान का शव मिला। यह जवान तीन दिन से लापता था।मल्ला को 2019 में अभियान क्षेत्र में ड्यूटी स्थल से दूर रहने और एक स्थानीय महिला के साथ दोस्ती रखने के मामले में उनके कंपनी कमांडर मेजर लीतुल गोगोई के साथ कोर्ट मार्शल में दोषी ठहराया गया था। वह खाग क्षेत्र स्थित अपने गांव लोकीपोरा से सोमवार से लापता थे। अधिकारियो ने कहा कि मल्ला के शरीर पर गोली लगने के निशान नही मिले लेकिन चोट के निशान मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह बदला लेने के इरादे से की गई हत्या प्रतीत होती है और शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि उनके चेहरे पर छड़ से वार किया गया, उनकी हत्या की गई और बाद मे उनके शव को दफना दिया गया।अधिकारियो ने बताया कि जम्मू में तैनात 28 वर्षीय जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के जवान मल्ला अपने दूसरे बच्चे के जन्म को लेकर अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए छुट्टी पर घर आए थे। उन्होंने बताया कि मल्ला ने आखिरी बार अपने मोबाइल से अपनी मां से बात की थी और कहा था कि फोन की बैटरी खत्म हो रही है और अगर संपर्क टूट जाता है तो वह फोन करेंगे।मल्ला अप्रैल 2018 में गोगोई और एक स्थानीय महिला को एक होटल में ले गए थे। इससे एक साल पहले गोगोई कढ़ाई कारीगर फारूक अहमद डार को अपनी जीप से बांधने और पथराव के दौरान मानव ढाल के रूप में उसका इस्तेमाल करने को लेकर सुर्खियों में आए थे।

झारखंड में ओबीसी आरक्षण के बगैर के हो सकते हैं पंचायत चुनाव

रांची। झारखंड सरकार ने बुधवार को राज्य विधानसभा में संकेत दिया कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिए बिना पंचायत चुनाव करा सकती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए, संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पंचायत चुनाव जल्द ही ट्रिपिल टेस्ट के बिना होंगे, जैसा कि उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी है। ट्रिपिल टेस्ट मे स्थानीय निकायो के संबंध मे पिछड़ेपन की प्रकृति और निहितार्थ की जांच करने के लिए एक विशेष आयोग का गठन करना शामिल है। आलम ने कहा, ट्रिपिल टेस्ट एक लंबी प्रक्रिया है [8230] ट्रिपिल टेस्ट के बिना, ओबीसी आरक्षण संभव नही है। यदि हम पंचायत चुनाव कराने मे नाकाम रहते है तो हमे 15वे वित्त आयोग के अनुदान से वंचित किया जा सकता है। पंचायत चुनाव के आयोजन मे देरी के कारण राज्य को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य पंचायत चुनावो को आगे नही बढ़ा सकता। इसलिए झारखंड सरकार ने 24 फरवरी को पंचायत चुनाव कराने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी। विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान, आलम ने कहा कि अगर राज्य मे पंचायत चुनाव कराने मे विफल रहता है तो केंद्र मनरेगा जैसी योजनाओं के लिए 15वे वित्त आयोग के अनुदान को रोक सकता है।

चेन्नई की अदालत ने धनशोधन मामले में एफसीआई के पूर्व डीजीएम, पत्नी को दोषी ठहराया

नई दिल्ली। चेन्नई की एक अदालत ने धनशोधन के मामले मे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पूर्व उपमहाप्रबंधक (डीजीएम) एवं उनकी पत्नी को दोषी ठहराते हुए तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार यह जानकारी दी। ईडी ने कहा कि अतिरिक्त सत्र अदालत ने दोनो पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने एक बयान मे कहा कि अदालत ने चेन्नई स्थित एफसीआई के पूर्व डीजीएम दोरई राज और उनकी पत्नी सारुमति को दोषी ठहराया। बयान के अनुसार, अदालत ने सारुमति की 81 लाख रुपए की संपत्ति (भूमि और भवन) को तत्काल जब्त करने का आदेश दिया है। दोनो को धनशोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के प्रावधानो के तहत दोषी ठहराया गया। ईडी ने सीबीआई के उस आरोपपत्र के अध्ययन के बाद मामला दर्ज किया था जिसमे आरोप लगाया गया था कि दोरई राज और एफसीआई के अन्य अधिकारियो ने गैर-कानूनी तरीके से बड़ी रकम प्राप्त की थी।

पंजाब में बीएसएफ की कार्रवाई में पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर, एक ड्रोन को भी मार गिराया

नई दिल्ली। पंजाब मे भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानो की कार्वाई मे एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया। वही, एक अन्य घटना मे बीएसएफ के जवानो ने एक ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियो ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि अमृतसर सेक्टर के एक अग्रिम क्षेत्र मे बुधवार शाम सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र मे प्रवेश करने वाला एक व्यक्ति मारा गया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा, सैनिकों ने घुसपैठिए को चुनौती दी, लेकिन वह नही रुका और आगे बढ़ता रहा। आसन्न खतरे के चलते और उसे रोकने के लिए बीएसएफ के जवानो ने आत्मरक्षा मे घुसपैठिए पर गोली चलाई, जिससे पाकिस्तानी घुसपैठिया मौके पर ही मारा गया। सीमा सुरक्षा बल ने बुधवार सुबह की गई एक अलग कार्वाई मे उसी सेक्टर के हवेलियां गांव के पास एक ड्रोन को भी मार गिराया। उन्होने कहा कि सफेद क्वाडकॉप्टर ड्रोन (डीजेआई फैंटम 4 मॉडल) को उस समय मार गिराया गया जब वह पाकिस्तान से भारत आ रहा था।

केंद्रीय विद्यालयों में पहली कक्षा में प्रवेश के लिए नए आयु मानदंड का केंद्र ने अदालत में किया बचाव

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयो मे अगले शिक्षण सत्र मे पहली कक्षा मे प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष करने के केंद्रीय विद्यालय संगठन के फैसले का केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय मे बचाव किया। केंद्र के वकील ने न्यायमूर्ति रेखा पल्ली से कहा कि कक्षा-। मे प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष करने का निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है जिसका सभी केंद्रीय विद्यालयों को अनुसरण करना है। वकील ने एनईपी के पैराग्राफ 4.1 की व्याख्या की जो स्कूली शिक्षा के लिए नई 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 4 रूपरेखा को अपनाने से संबंधित है। वकील ने कहा, हमने राज्यो से (एनईपी को अपनाने का) अनुरोध किया है। 21 राज्य है जहां छह से अधिक वर्ष की आयु का मानदंड अपनाया जाता है। राज्य बदलाव ला रहे है। दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि केंद्रीय विद्यालयों के लिहाज से लिए गए फैसले मे उनकी कोई भूमिका नही है और दिल्ली सरकार के स्कूलो मे पहली कक्षा मे दाखिले के लिए आयु सीमा 5 से 6 साल है। अदालत ने कहा, हम समग्र रुख रखेंगे। इसका सभी पर असर पड़ेगा। सुनवाई सोमवार के लिए सूचीबद्ध की जाती है। न्यायमूर्ति पल्ली ने इस सप्ताह की शुरुआत मे याचिका पर केंद्रीय विद्यालय संगठन और केंद्र का रुख पूछा था। केवीएस ने अदालत मे कहा था कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सख्ती से अनुपालन करते हुए आयु मानदंड बदला गया है। याचिका मे पांच साल की बच्ची की ओर से दावा किया गया है कि आयु मानदंड पहले पांच साल था और इसमे बदलाव से संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 21-ए के तहत याचिकाकर्ता को मिले शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है। इसके साथ ही दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 और बच्चो को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानो का भी उल्लंघन होता है।याचिकाकर्ता बच्ची यूकेजी की छात्रा है। उसकी ओर से वकील अशोक अग्रवाल ने दावा किया कि केवीएस ने अचानक से कक्षा-। मे प्रवेश के आयु मानदंड को बढ़ाकर छह साल कर दिया और पिछले महीने प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से महज चार दिन पहले केंद्रीय विद्यालयो मे प्रवेश के लिए उनके पोर्टल पर दिशानिर्देश डाले गए।

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा दिर्बा से चुनाव जीते

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा संगरूर जिले के दिर्बा विधानसभा क्षेत्र से विजई घोषित किए गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता ने शिरोमणि अकाली दल के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गुलजार सिंह को 50,655 मतों से हराया।

पंजाब सरकार के मंत्री एवं कांग्रेस उम्मीदवार ओ पी सोनी अमृतसर सेंट्रल से आम आदमी पार्टी के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अजय गुप्ता से 14,026 मतों से चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस उम्मीदवार सुखपाल सिंह खैरा ने भुलत्थ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जगीर कौर से 9225 मतों से चुनाव जीत गए हैं।

वरिष्ठ अकाली नेता और पंजाब सरकार में मंत्री रह चुके गुलजार सिंह रणिके अटारी सीट से चुनाव हार गए हैं। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार जसविंदर सिंह ने शिअद नेता को 19,794 मतों से पराजित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अश्वनी सेखड़ी बटाला से चुनाव हार गए हैं और उन्हें आम आदमी पार्टी उम्मीदवार अमनशेर सिंह से हार का सामना करना पड़ा है।आप उम्मीदवार अमित रतन कोटफट्टा शिअद उम्मीदवार परकाश सिंह भट्टी से 35,479 मतों से चुनाव जीत गए हैं। आप उम्मीदवार जगशीर सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिअद उम्मीदवार दर्शन सिंह कोटफट्टा से 50,212 मतों से चुनाव जीत गए हैं। अमलोह सीट से आप उम्मीदवार गुरिंदर सिंह गैरी ने शिअद प्रत्याशी गुरप्रीत सिंह राजू खन्ना को शिकस्त दी।अकाली उम्मीदवार मनप्रीत सिंह अयाली दाखा विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप सिंह संधू को हराकर चुनाव जीत गए हैं।आप उम्मीदवार रजनीश कुमार दहिया फिरोजपुर ग्रामीण सीट से शिअद उम्मीदवार जोगिंदर सिंह से चुनाव जीत गए हैं। कांग्रेस उम्मीदवार एवं पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और आम आदमी पार्टी उम्मीदवार हरभजन सिंह से जंडियाला से 25383 मतों से चुनाव हार गए हैं। आप उम्मीदवार बलकार सिंह कांग्रेस उम्मीदवार से 4,574 मतों से चुनाव जीत गए हैं। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार जीवन सिंह संगोवाल ने शिअद उम्मीदवार दर्शन सिंह शिवालिक से गिल सीट से 57,644 मतों से चुनाव जीत गए हैं।

पंजाब के बाद हिमाचल पर आप की नजर

भाषा। शिमला

आम आदमी पार्टी (आप) को हिमाचल प्रदेश में साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों में भी पंजाब सरीखा प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है। वहीं, पहाड़ी राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद हिमाचल में भी सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रहेगी।

पड़ोसी पंजाब में प्रचंड जीत की ओर अग्रसर आप की हिमाचल इकाई के अध्यक्ष अनूप केसरी ने कहा कि राज्य के लोग पारंपरिक राजनीतिक दलों से आजिज आ चुके हैं। उन्होंने कहा, पंजाब की तरह की आप हिमाचल में भी इतिहास रचेगी। पार्टी पहाड़ी राज्य में अपने दम पर सरकार बनाएगी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप हिमाचल प्रदेश में हुए पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

● वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने कहा कि यूपी और उत्तराखंड की तरह ही उनकी पार्टी हिमाचल में भी अपनी सफलता दोहराने में कामयाब रहेगी

हालांकि, उसने पंजाब के पिछले चुनावों में चार लोकसभा और 20 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बारे में पूछे जाने पर केसरी ने दावा किया कि आप हिमाचल प्रदेश के सभी 67 विधानसभा क्षेत्रों में अपना जनाधार बनाने में सफल रही थी। उन्होंने कहा, पंजाब के चुनावी नतीजों का हिमाचल प्रदेश में आप के प्रदर्शन पर यकीनन सकारात्मक असर होगा। केसरी ने बताया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित कई अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता जल्द हिमाचल का दौरा करेंगे। ऊना जिले के निवासी केसरी ने कहा कि उन्हें चुनाव मैदान में किस सीट से उतारा जाएगा, इस पर फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने कहा कि यूपी और उत्तराखंड की तरह ही उनकी पार्टी हिमाचल में भी अपनी सफलता दोहराने में कामयाब रहेगी। शर्मा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सरकार राज्य में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हालिया बजट में उसने वृद्धावस्था पेंशन की आयुसीमा 70 से घटाकर 60 साल कर दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ए उपाय हिमाचल में सत्ता बरकरार रखने में भाजपा की मदद करेंगे।आप के दावे पर शर्मा ने कहा कि हिमाचल में तीसरे दल के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने दावा किया, पहले भी ऐसे प्रयोग किए गए थे, लेकिन वे असफल रहे। उधर, विपक्षी कांग्रेस भी हिमाचल में हाल ही में संपन्न उपचुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद राज्य के भावी विधानसभा चुनावों में अपनी जीत को लेकर आशावान है।

गाजियाबाद के हिंडन एअरपोर्ट पर यूक्रेन से छात्रों को लेकर आया एअरफोर्स का जहाज

पत्रकार से नेता बने बीरेन सिंह की अगुवाई में भाजपा ने दोबारा मणिपुर की सत्ता हासिल की

भाषा। इंफाल

पत्रकार से नेता बने मुख्यमंत्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह राजनीति में कदम रखने के ठीक 20 साल बाद मणिपुर में भाजपा की अगुवाई में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। वह फुटबॉल खिलाड़ी भी रहे हैं। पिछले पांच साल के कार्यकाल में उग्रवाद प्रभावित मणिपुर में शांति लाने के साथ ही पर्वतीय क्षेत्र एवं घाटी के लोगों के बीच की दरार को कम करने का श्रेय 61 वर्षीय मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को जाता है। सिंह द्वारा की गईं कई पहल जैसे गो टू हिल्स , हिल लीडर्स डे और मियाम्गी नुमित के जरिए दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपने जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों तक अपनी दिक्कतें बताना आसान हो पाया। अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 2002 में डेमोक्रेटिक रिवॉल्यूशनरी पीपुल्स पार्टी से करने

● भाजपा ने सिंह को प्रदेश पार्टी प्रवक्ता और चुनाव प्रबंधन समिति का सह-समन्वयक बनाया

वाले सिंह राज्य की हेनगांग विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। हालांकि, पहला चुनाव जीतने के बाद सिंह वर्ष 2003 में कांग्रेस में शामिल हो गए और तत्कालीन मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में सतर्कता राज्य मंत्री रहे। वह लगातार इबोबी सिंह के विश्वासपात्र बने रहे और वर्ष 2007 में अपनी सीट से दोबारा चुनाव जीतने के बाद उन्हें सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, युवा मामले एवं खेल और उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया। सिंह ने वर्ष 2012 के चुनाव में भी लगातार तीसरी बार अपनी सीट पर कब्जा बरकरार रखा। हालांकि, इबोबी सिंह से मतभेदों के बाद उन्होंने इबोबी के खिलाफ बगावत कर दी। इसके बाद वर्ष 2016 में बीरेन सिंह ने भाजपा में शामिल होने के लिए मणिपुर विधानसभा की सदस्यता के साथ ही कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा ने सिंह को प्रदेश पार्टी प्रवक्ता और चुनाव प्रबंधन समिति का सह-समन्वयक बनाया। वह भाजपा के टिकट पर वर्ष 2017 में चौथी बार हेनगांग सीट से चुनाव जीते, जिसके बाद उनका मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। पिछले मणिपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केवल 21 सीट पर जीत हासिल की थी। हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस विधायकों को अपने पाले में किया और 15 मार्च 2017 को एन बीरेन सिंह के नेतृत्व में राज्य में पहली बार भाजपा ने सरकार बनाई। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 28 सीट पर जीत दर्ज की थी।

देश में तुष्टीकरण की राजनीति का कोई स्थान नहीं: चौहान

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चार राज्यों में भाजपा के बढ़िया प्रदर्शन पर कहा कि इसने स्पष्ट संदेश दिया है कि देश में तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं है।

मध्य प्रदेश विधानसभा परिसर में बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत में चौहान ने कहा, यह (भाजपा का प्रदर्शन) हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता के विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। यह उत्तर प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार के लिए वरदान है। उन्होंने कहा, इन चुनाव परिणामों से एक बात साफ हो गई है कि तुष्टीकरण की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। देश को बांटने वाले नकारे जाएंगे, आतंक और गुंडागर्दी फैलाने वालों का राजनीति में अब कोई हिस्सा नहीं रहेगा। यह चुनाव इन तमाम बातों से ऊपर उठ गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास के रुप में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद दिया।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा में योजनाओं को ठीक ढंग से जमीन तक पहुंचाने का काम किया गया और उसका समर्थन भाजपा को मिला है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बृहस्पतिवार को जारी मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक दृष्टि से अहम उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार जीत की ओर बढ़ती दिख रही है, जबकि पार्टी तीन अन्य राज्यों के रुझानों में बढ़त बनाए हुए है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब में जबरदस्त जीत की ओर बढ़ती दिख रही है।

धारीवाल ने बयान के लिए सदन में माफी मांगी

भाषा। जयपुर

राजस्थान विधानसभा में बृहस्पतिवार को विपक्षी विधायकों के भारी हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने सदन में बुधवार रात को पुलिस विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान दिए गए अपने बयान पर माफी मांगी और कहा कि उनकी जुबान फिसल गई थी।हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित की गई। मंत्री शांति धारीवाल ने दो बार माफी मांगी और कहा कि उनकी जुबान फिसल गई थी जिसके चलते बुधवार रात को पुलिस विभाग की अनुदान मांगों पर बहस का जवाब देते हुए कुछ शब्द उनके मुंह से निकल गए। उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली है।

राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे जैसे ही शुरू हुई प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया ने मामला उठाया। विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के बयान के विरोध में सदन में प्रदर्शन किया।हंगामे के बीच मंत्री शांति धारीवाल ने बुधवार रात को पुलिस अनुदान मांगों पर बहस का जवाब देने के दौरान उनके द्वारा दिए बयान पर माफी मांगी लेकिन विपक्षी सदस्यों ने सदन में प्रदर्शन जारी रखा।मंत्री के बयान को विधानसभा की कार्यवाही से बुधवार रात को निकाल दिया गया था।विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री धारीवाल ने कहा कि बहस का जवाब देते समय मेरी जुबान फिसल गई थी, इसके लिए मैं खेद प्रकट करता हूं। मैं मरू प्रदेश के लिए कुछ कहना चाहता था। मैं व्यक्तिगत रूप से महिलाओं का सम्मान करता हूं और आगे भी करता रहूंगा। अगर मेरी टिप्पणियों से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं। सदन को व्यवस्थित रखने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के लगातार निर्देशों के बावजूद विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा।राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक पुखराज और नारायण बेनीवाल ने प्रदर्शन के बीच कुछ कागजात दिखाए जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कि सदन में कोई पोस्टर या बैनर या कागजात की अनुमति नहीं है।जब सदस्यों ने उनके निर्देशों की अवहेलना की तो अध्यक्ष ने मार्शलों को दोनों विधायकों को सदन से बाहर निकालने के निर्देश दिए। इसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र पारीक ने सदन की कार्यवाही दूसरी बार आधे घंटे के लिए स्थगित करने की घोषणा की। दूसरी बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई।प्रतिपक्ष के नेता गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि बुधवार रात मंत्री द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हंगामे के कारण वे और अन्य लोग मंत्री के जवाब को नहीं सुन सके।

पंजाब को छोड़कर सभी राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप: चिराग पासवान

चेन्नई। लोकसभा सांसद तथा लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि पंजाब को छोड़कर अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप रहा और कांगेस को पंजाब में आंतरिक कलह की भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम इस बात का संकेत है कि भाजपा पंजाब को छोड़कर व्यावहारिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। चेन्नई की अपनी यात्रा के दौरान पासवान ने कहा, भाजपा जोरदार वापसी कर रही है और मैं जनादेश का सम्मान करता हूं। जो भी पार्टी सत्ता में आती है, उसे लोगों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार बनाने के लिए तैयार है पासवान ने चुनावी रुझानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, कांग्रेस बुरी तरह हार गई है और इसका श्रेय आंतरिक कलह को जाता है। पार्टी उत्तराखंड में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, लेकिन आंतरिक झगड़ों ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है।

टीएमसी ने कांग्रेस से कहा विलय करे

भाषा। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस से कहा कि वह उसके साथ अपना विलय करे और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लड़े। कांग्रेस ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी पर पलटवार किया और उसे भाजपा का एजेंट करार दिया।

गोवा में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर टीएमसी के नेताओं ने कहा कि पार्टी को मिले मतों से वह संतुष्ट है, क्योंकि पार्टी ने कुछ महीने पहले ही तटीय राज्य में अपनी इकाई का गठन किया था। भाजपा को राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में दूसरी बार बड़ी जीत मिलती हुई दिखाई दे रही है, जबकि वह गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर में भी फिर से सत्ता में आने की राह पर है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में शानदार जीत हासिल करते हुए कांग्रेस

●पलटवार कर कहा भाजपा की एजेंट

को एक और राज्य से सत्ता से बेदखल कर दिया है। पंजाब में मिली हार कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे अधिक परेशान करने वाली है। कांग्रेस अब तक के इतिहास में अपने सबसे न्यूनतम स्तर पर है। कांग्रेस अब केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सत्ता में है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के जोरशोर से प्रचार करने के बावजूद कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में केवल दो सीट ही मिली है, जबकि पार्टी के पक्ष में सिर्फ 2.3 प्रतिशत मतदाताओं ने ही वोट डाला। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि चुनाव परिणामों से यह साबित होता है कि कांग्रेस अब सिर्फ दो राज्यों तक ही सीमित है। कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ने में विफल रही है। हकीम ने कहा, टीएमसी ने यह दिखाया है कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई कैसे लड़ी जा सकती है और इसे (पश्चिम बंगाल में) हरा सकते हैं। यह सही समय है कि कांग्रेस, टीएमसी के साथ अपना विलय करे और ममता बनर्जी के नेतृत्व में लड़े। तृणमूल कांग्रेस के कटाक्ष पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी को भाजपा का एजेंट करार देते हुए कहा कि कांग्रेस को किसी की सलाह की जरुरत नहीं है कि वह भाजपा के खिलाफ कैसे लड़े। लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने कहा, टीएमसी भाजपा की सबसे बड़ी एजेंट है। यदि टीएमसी वास्तव में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने को लेकर गंभीर है तो उसे कांग्रेस में अपना विलय कर लेना चाहिए।

कांग्रेस की महिला विधायक ने पति को झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगाया

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी की एक महिला विधायक ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में न्याय की मांग की और कहा कि उनके पति को क्षेत्र में अवैध रेत खनन के खिलाफ आवाज उठाने के बाद झूठे आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया है। सत्ताधारी दल की विधायक द्वारा इस मामले को उठाने के बाद राज्य के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के सदस्य भी उनके समर्थन में आ गए और आरोप लगाया कि कांग्रेस की सरकार में जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा और सम्मान खतरे में है। विधानसभा में बृहस्पतिवार को प्रश्नकाल के तत्काल बाद राजनांदगांव जिले के खुज्जी विधानसभा क्षेत्र की विधायक छन्नी साहू ने विधानसभा अध्यक्ष से पूछा कि क्या अध्यक्ष महोदय अपने सदन की इस सदस्य से यह नहीं जानना चाहेंगे कि उसने पिछले एक माह से अपनी सुरक्षा क्यों लौटा दी है और वह किस तरह अपने विधानसभा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बिना कोई सुरक्षा के अकेले भ्रमण कर कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं। साहू ने कहा, मैं गृहमंत्री जी से यह पूछना व जानना चाहती हूं कि कैसे झूठी शिकायत पर दर्जन भर पुलिस जवानों की उपस्थिति तथा मेरे स्वयं घटनास्थल पर मौजूदगी के बाद भी मेरे पति के खिलाफ-गाली गलौज, जान से मारने की धमकी और एट्रोसिटी एक्ट का जुर्म पंजीबद्ध कर लिया गया। मैं अपने पति के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध से विचलित नहीं हुई हूं। मुझे केवल इस बात का दुःख है कि झूठी शिकायत पर बिना जांच और नोटिस के जुर्म पंजीबद्ध कर लिया गया है। विधायक ने इस दौरान पुलिस पर दोषियों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। मैं गृह मंत्री जी से पूछना चाहती हूं आज जब महिला विधायक और उसका परिवार सुरक्षित नहीं है तब वह कैसे अपने क्षेत्र की जनता को न्याय दिला पाएगी और उनके अधिकारों की रक्षा कर पाएगी। उन्होंने अपनी शिकायत गृह मंत्री के सामने भी रखी लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा लौटा दी। वहीं, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के विधायक प्रमोद शर्मा ने भी दावा किया कि हाल ही में उनके खिलाफ भी एक मामला दर्ज किया गया है। जब उन्होंने अपने क्षेत्र में एक जनसुनवाई के दौरान लोगों की शिकायतों को सामने रखा, तब पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। तब विपक्ष के नेता धरम लाल कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और विधायक बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य भाजपा सदस्यों ने इसे गंभीर मुद्दा बताया और कहा कि सरकार सदन के सदस्यों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने में विफल रही है।

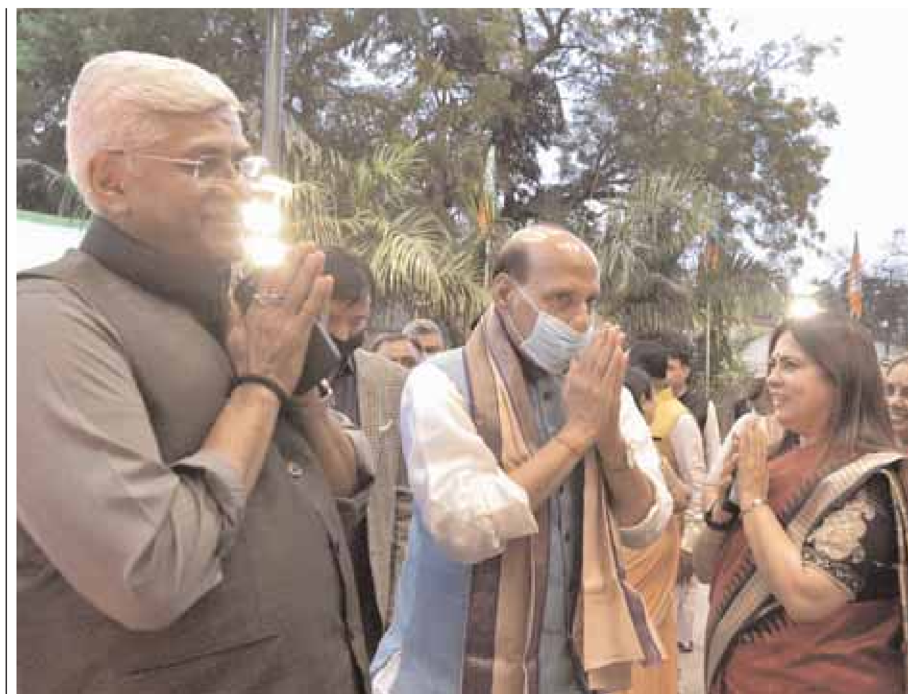

विधान सभा चुनाव में जीत के बाद नई दिल्ली के पार्टी कार्यालय में रक्षामंत्री राजनाथ व अन्य का जोरदार स्वागत हुआ

भारतीय ड्रोन संघ ने जापानी कंपनी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय ड्रोन संघ (डीएफआई) ने बृहस्पतिवार को जापान के फुकुशिमा रोबोट परीक्षण फिल्ड (आरटीएफ) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है, ताकि स्वदेशी ड्रोन उद्योग को मजबूती प्रदान की जा सके। डीएफआई ने एक बयान जारी कर कहा कि आरटीएफ के साथ किए गए इस समझौते का मकसद ड्रोन तकनीक, कारोबार और साझा हित वाले क्षेत्रों में प्रगति करना है। बयान के मुताबिक फुकुशिमा आरटीएफ इस तरह का परिवेश मुहैया कराता है, जो विभिन्न परीक्षणों की सुविधा देता है। इन परीक्षणों में टक्कर से बचाव, विमान को जबरन उतारना, लंबी दूरी की उड़ान आदि शामिल है। यह चालक रहित विमानों के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देता है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य भारत में रणनीतिक रूप से अहम एक परीक्षण केंद्र विकसित करना है। देश में परीक्षण का बुनियादी ढांचा निर्मित करने की दिशा में आरटीएफ की विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया जाएगा। स्वदेशी कंपनियां एस्टेरिया एयरोस्पेस, क्रिडिच इनोवेशन लैब्स, ऑटोमाइक्रोयूएएस, आरव मानवरहित एयरोस्पेस सिस्टम और इनड्रोन्स डीएफआई की सदस्य हैं।

क्विक न्यूज

गया में बिहार के पहले रबर बांध का निर्माण अगस्त, 2022 तक पूरा हो जाएगाः मंत्री

पटना। बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने बुधवार को कहा कि गया में विष्णुपद मंदिर के पास फल्गू नदी पर निर्माणाधीन प्रदेश के पहले रबर बांध का निर्माण कार्य अगले पितृपक्ष मेला यानी अगस्त, 2022 तक पुरा कर लिया जाएगा। झा ने कहा कि योजना को अक्टूबर 2023 तक पूरा किया जाना था पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के निर्देश पर अब इसे चालू साल में पूरा कर लिया जाएगा। बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जल संसाधन विभाग के बजटीय मांग पर वाद-विवाद के बाद सरकार की ओर से जवाब देते हुए संजय कुमार झा ने यह जानकारी दी। झा ने गया शहर स्थित प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल पिंडदान के लिए आते हैं। लेकिन फल्गू नदी में मॉनसून अवधि के बाद जल प्रवाह बहुत कम हो जाने के कारण श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत मंदिर के 300 मीटर निम्न प्रवाह में 405 मीटर की लंबाई में तीन मीटर ऊंचे रबर बांध का निर्माण कराया जा रहा है। झा के मुताबिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहरों गया, बोधगया, राजगीर और नवादा शहर में सालों भर पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिहार की पहली गंगा जल आपूर्ति योजना भी पूर्णता के करीब है। झा ने कहा कि छोटी-छोटी नदियों के अधिशेष जल को दूसरी नदी में स्थानांतरित करने के लिए नदियों को आपस में जोडने के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में विभाग का शिवहर जिला स्थित बेलवाधार स्कीम एक कारगर कदम साबित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के द्वारा बागमती नदी के अधिशेष जल को बूढी गंडक नदी में प्रवाहित करना है। दो चरणों में पूरी होने वाली इस योजना के पहले चरण के अंतर्गत बागमती नदी के दाएं तट पर बेलवा के नजदीक हेड रेगुलेटर का निर्माण, बांध का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

लापता हुए सेना के जवान की तलाश शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में इस सप्ताह की शुरुआत में अपने गांव से लापता हुए एक सैनिक की सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक सेना की जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के समीर अहमद मल्ला सोमवार को खाग के लोकीपोरा गांव से लापता हो गए थे। समीर अपने दूसरे बच्चे के जन्म पर अपनी पत्नी के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी पर घर आए थे। समीर इस समय जम्मू में तैनात थे। अधिकारियों के अनुसार समीर अहमद मल्ला चार साल पहले उस समय खबरों में रहे थे, जब अपनी (सेना की) कंपनी के कमांडर मेजर लीतुल गोगोई और एक स्थानीय लड़की को यहां एक होटल में कथित तौर पर ले जाने के मामले में उनकी भूमिका की जांच की गई थी। मेजर गोगोई, 2017 के ʽमानव ढालʼ विवाद के केंद्र में रहे थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित किया

हरदोई। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एचसीएल फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रम एचसीएल समुदाय की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के हरदोई में आयोजित एक समारोह में बदलाव लाने वाली 268 महिलाओं को उनके साहस, पक्के इरादे और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इन महिलाओं को खेती के स्थायी तौर.तरीकों में अपना योगदान देनेए सेहतमंद जीवन-शैली को अपनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, उद्यमी बनने तथा जानकारी को साझा करने में बढ-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपने गाँव के दूसरे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सम्मानित किया गया। इन महिलाओं की व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें सिलाई मशीन के साथ.साथ टैबलेट, स्मार्ट फोन, और इसी तरह के अन्य तकनीकी सहायता उपकरण प्रदान किए गएए ताकि उनकी कोशिशों तथा कुल मिलाकर समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के दायरे को और बढ़ाने में मदद मिल सके। इस समारोह के दौरान तीन दिव्यांग महिलाओं को मोटर.चालित तिपहिया साइकिलें भी प्रदान की गईं। इस समारोह में उपस्थित महिलाओं ने अपनी प्रेरक कहानियाँ भी साझा कीं। उन्होंने विभिन्न पहलों के जरिए एचसीएल समुदाय द्वारा दिए गए सहयोग के बारे में भी बताया। उत्तर प्रदेश के हरदोई ज़िले के कछौना ब्लॉक के गेसिंहपुर की निवासीए अनुष्का भी इस कार्यक्रम में सम्मानित महिलाओं के समूह में शामिल थीं। कुछ साल पहले तकए मेरा और मेरे परिवार का गुज़र.बसर बड़ी मुश्किल से हो पाता था। एचसीएल समुदाय ने हमें स्वयं सहायता समूहों के बारे में सिखायाए जो महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करने के लिए महिलाओं द्वारा गठित समूह है, और इसके जरिए किसी भी चीज को गिरवी रखे बिना आसानी से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। मुझे खुशी है कि मैं भी ऐसे ही एक समूह की सदस्य बनी, जिसके बाद मुझे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद मिली।

भड़काऊ पोस्ट डालने के आरोप में सपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज

नोएडा (उप्र)। मतगणना को लेकर सोशल मीडिया पर झूठी अफवाह फैलाने और भड़काऊसंदेश डालने के आरोप में बुधवार को पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के एक नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया। सेक्टर-49 थाना के प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना के संबंध में सोशल मीडिया पर झूठी अफवाह फैलाने और भड़काऊसंदेश डालने के आरोप में सपा नेता डॉ. आश्रय गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सपा नेता ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक भड़काऊ पोस्ट किया था, जिसका संज्ञान पुलिस अधिकारियों द्वारा लिया गया।

पंजाब में स्कूली छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में प्राचार्य गिरफ्तार

रूपनगर (पंजाब)। पंजाब के रूपनगर जिले में पिछले 15 वर्षों के दौरान छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न की कई घटनाओं के खुलासे के आधार पर एक निजी स्कूल के प्राचार्य-सह-मालिक और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान स्कूल के प्राचार्य अमृतपाल धीमान, उसके दोस्त शिव कुमार और एक अन्य सहयोगी नरेश कुमार के रूप में हुई है। यह विषय कई वर्षों तक ढंका रहा और आरोपी ने कथित तौर पर छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया। यह मामला उस वक्त प्रकाश मे आया, जब आरोपी प्राचार्य के एक दोस्त ने उसके द्वारा बनाई गई छात्राओं की अश्लील तस्वीरें और वीडियो गलती से लीक कर दिए। भीम आर्मी के एक स्थानीय नेता अश्विनी कुमार ने पिछले महीने कुछ लीक तस्वीरों के साथ पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास

नोएडा। माइक्रो फाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा माइक्रोफ इनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता.पिता की तरहए वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी। माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी.एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला।

पिता के साए से बाहर निकले सुखबीर, सफर अभी लंबा है

भाषा। चडीगढ़

इस साल का पंजाब विधानसभा चुनाव शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर बादल के लिए अग्नि परीक्षा के रूप में आया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता और पार्टी के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल की सक्रिय भागीदारी के बिना 100 साल पुरानी पार्टी का संचालन करने की जिम्मेदारी संभाली।

पंजाब में 2012 के विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल की जीत का श्रेय अक्सर सुखबीर बादल (59) को दिया जाता है। सुखबीर 2008 में शिअद के अध्यक्ष बने और तब वह पार्टी के सबसे कम उम्र के प्रमुख थे। उनकी राजनीतिक पारी की शुरूआत करीब दो दशक से भी पहले हुई जब वह फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र से दो साल की अवधि में दो बार चुनाव जीते। सुखबीर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के मंत्रिमंडल में उद्योग राज्य मंत्री थे। इसके बाद वह पंजाब के उप मुख्यमंत्री बने। यह उनका पहला चुनाव था, जब उन्होंने अपने पिता के साए से बाहर निकल कर पार्टी का नेतृत्व किया। सुखबीर के पिता प्रकाश सिंह बादल कोविड महामारी एवं अधिक उम्र होने के कारण कम ही

सार्वजनिक रूप से दिखते हैं। इस बार शिरोमणि अकाली दल का सब कुछ दांव पर था और सुखबीर बादल अपनी पार्टी में नई जान फूंकने की उम्मीद कर रहे थे। साल 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में सुखबीर बादल नीत पार्टी तीसरे स्थान पर चली गई थी। पार्टी को तब राज्य की 117 सदस्ईय विधानसभा में सिर्फ 15 सीट पर जीत मिली थी। इस बार पार्टी का प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। अब तक पार्टी केवल दो सीट जीती है और एक पर आगे है। सुखबीर स्वयं भी जलालाबाद विधानसभा सीट से चुनाव हार गए हैं। कुछ ही महीने पहले पार्टी ने कृषि कानून के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के साथ मतभेद के बाद 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ लिया था। इस चुनाव में पार्टी ने मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था। सुखबीर ने लगभग पूरे प्रदेश की यात्रा की और 2007 से 2017 के बीच उनकी पार्टी नीत सरकार द्वारा दस साल में किए गए विकास कार्यों की याद लोगों को दिलाई।

इस बार पंजाब विधानसभा चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला था और इसके लिए सुखबीर ने चुनाव से पहले ही उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी थी। इस बात को भी लेकर चुटकी ली गई कि पार्टी में मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा। सुखबीर खुद को इस पद के दावेदार के तौर पर देख रहे थे। उन्होंने शिअद को पंजाब की अपनी पार्टी के तौर पर पेश किया था। फिरोजपुर से सांसद सुखबीर ने अपने साले और पार्टी के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को अमृतसर पूर्व से मैदान में उतार दिया, जहां से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू चुनाव मैदान में थे। इसके बाद पूरे प्रदेश की नजर इस सीट पर टिक गई। सुखबीर ने हिमाचल प्रदेश के सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने 1985 में पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। आगे की शिक्षा के लिए वह अमेरिका चल गए और उन्होंने 1991 में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। सुखबीर की पत्नी हरसिमरत कौर बादल नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री थीं, जिन्होंने कृषि कानूनों पर मतभेद के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। दोनों की दो बेटियां और एक बेटा है। सुखबीर बादल 1996, 1998 एवं 2004 में फरीदकोट से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वह 2009 में पंजाब के उप मुख्यमंत्री बने और उपचुनाव में जलालाबाद से विधायक निर्वाचित हुए। सुखबीर इसके बाद 2012 एवं 2017 में जलालाबाद से विधानसभा के लिए पुनः निर्वाचित हुए। उन्होंने 2019 में लोकसभा का चुनाव लड़ा और फिरोजपुर सीट से सांसद बने।

मेघालय ने एचएनएलसी के साथ शांति वार्ता के लिए सेवानिवृत आईएएस को वार्ताकार नियुक्त किया

भाषा। शिलांग

मेघालय सरकार ने खासी विद्रोही संगठन हनीट्रैप नेशनल लिबरेशन काउंसिल के साथ शांति वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को सेवानिवृत आईएएस अधिकारी पीटर एस डखार को वार्ताकार नियुक्त करने की घोषणा की। मेघालय के गृहमंत्री लखमेन रिम्बुई ने यहां पत्रकारों से कहा, कल भारत सरकार ने राज्य सरकार को शांतिवार्ता शुरू करने की हरी झंडी दे दी। हमने उस हिसाब से इस मामले को आगे ले जाने के लिए सेवानिवृत आईएएस अधिकारी पीटर एस डखार को सरकारी वार्ताकार नियुक्त किया है। डखार को गृहमंत्रालय के सलाहकार (पूर्वोत्तर) एवं भारतीय पुलिस सेवा के अवकाशप्राप्त अधिकारी ए के मिश्रा सहयोग करेंगे।

रश्मि शुक्ला ने अदालत से फोन टैपिंग मामले में दर्ज नई प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया

मुंबई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी रश्मि शुक्ला ने बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है और कथित अवैध फोन टैपिंग मामले में मुंबई के कोलाबा थाने में पिछले महीने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। शुक्ला ने वकील समीर नांगरे के माध्यम से इस सप्ताह की शुरुआत में याचिका दाखिल की थी और दावा किया कि उन्हें मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राथमिकी राजनीति से प्रेरित है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी राजीव जैन की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

ईडी ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग के खिलाफ जांच में 1, 984 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के सीएमडी सी पार्थसारथी और अन्य के खिलाफ धन शोधन जांच के सिलसिले में ।,984 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। ईडी ने एक बयान में कहा, प्रवर्तन निदेशालय ने 213.69 करोड़ रुपए की 102 भू-संपत्ति, केफिन टेक्नोलॉजीज में सी पार्थसारथी की 438.70 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी और केडीएमएसएल, केएफएसएल एनबीएफसी और केएसबीएल की ।,280 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। इस तरह जब्त की गई कुल संपत्ति ।,984 करोड़ रुपए की है।

ओडिशा में पुल से जुड़ने वाली सड़क का एक हिस्सा धंसाः दो लोगों की मौत, एक घायल

भाषा। कटक (ओडिशा)

ओडिशा के कटक शहर में छत्र बाजार और मालगोदाम को जोड़ने वाले एक पुराने पुल तक पहुंचने वाली सड़क का एक हिस्सा बुधवार को धंस गया, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है और प्रत्एक मृतक के परिजन को तीन-तीन लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। उन्होंने घटना की जांच के आदेश भी दिए हैं। हालांकि, मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है, अधिकारियों ने कहा कि वे पास के तलडांडा नहर नवीनीकरण परियोजना में काम कर रहे मजदूर थे। वे मजदूर पुल से जोड़ने वाली सड़क के पास रह रहे थे। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त एस के प्रियदर्शी ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह हादसा पुल से जोड़ने वाली सड़क के धंसने के कारण हुआ। पुल का कुछ हिस्सा पास में काम कर रहे मजदूरों पर भी गिरा। उन्होंने कहा,ऐसा प्रतीत होता है कि कोई भी मलबे के नीचे नहीं फंसा है। कटक के पुलिस उपायुक्त इस घटना की जांच कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने एक बयान में मृतकों के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को घायल व्यक्ति के लिए बेहतर उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पटनायक ने घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने हादसे के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों की राजस्व संभागीय आयुक्त स्तर की जांच के भी आदेश दिए हैं।

महिलाएं पितृसत्तात्मक मानसिकता के अधीन हैं : सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिलाएं पितृसत्तात्मक मानसिकता के अधीन हैं, जो उन्हें प्राथमिक देखभाल करने वाली और गृहिणी के रूप में मानती है और इस तरह उन पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का एक असमान दायित्व है। शीर्ष अदालत ने कहा कि महिलाओं के कार्यस्थल पर पहुंचने के बाद उनके साथ भेदभाव के लगातार पैटर्न को पहचानने में राज्य द्वारा वास्तविक समानता प्राप्त करने का सही उद्देश्य पूरा किया जाना चाहिए। न्यायालय ने उल्लेख किया कि पति-पत्नी की पोस्टिंग के लिए जो प्रावधान किया

●उन्हें देखभाल करने वाली, गृहिणी मानती है

गया है, वह मूल रूप से महिलाओं के लिए विशेष प्रावधानों को अपनाने की आवश्यकता पर आधारित है, जिन्हें संविधान के अनुच्छेद 15 (3) द्वारा मान्यता प्राप्त है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा, जिस तरह से राज्य द्वारा एक विशेष प्रावधान को अपनाया जाना चाहिए वह एक नीति विकल्प है, जिसका इस्तेमाल संवैधानिक मूल्यों और प्रशासन की जरूरतों को संतुलित करके किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, लेकिन इसमें कोई संदेह

नहीं हो सकता है कि राज्य को संवैधानिक मानदंडों के अधीन एक आदर्श नियोक्ता के साथ-साथ एक संस्था के रूप में अपनी भूमिका में वास्तविक समानता के मौलिक अधिकार को ध्यान में रखना चाहिए, जब वह अपने कर्मचारी के लिए भी नीति तैयार करता है। पीठ ने केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश की पुष्टि की, जिसमें अंतर-आयुक्तालय स्थानान्तरण (आईसीटी) को वापस लेने वाले एक परिपत्र की वैधता को बरकरार रखा गया था। यह कहा गया कि केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क आयुक्तालय निरीक्षक (केंद्रीय उत्पाद, निवारक अधिकारी और परीक्षक) समूह बी पदों की भर्ती नियम 2016 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पीठ ने कहा, महिलाएं पितृसत्तात्मक मानसिकता के अधीन हैं जो उन्हें देखभाल करने वाली और गृहिणी के रूप में मानती हैं और इस प्रकार, वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के असमान बोझ से दब जाती हैं। पीठ ने कहा कि इस न्यायालय ने कार्यस्थल पर लिंग के कारण व्यवस्थागत भेदभाव के बारे में बात की है।

आप की पंजाब में जीत का मुंबई में जश्न मनाते कार्यकर्ता

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 817 अंक उछला

भाषा। मुंबई

एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुख और विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुकूल रुझान से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन भी तेजी रही और दोनों प्रमुख सूचकांक बृहस्पतिवार को 1.50 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 817.06 अंक यानी 1.50 प्रतिशत बढ़कर 55,464.39 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 249.55 अंक यानी 1.53 प्रतिशत के उछाल के साथ 16,594 अंक के स्तर पर जाकर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए को मिली मजबूती से भी कारोबारी धारणा को समर्थन मिला। सेंसेक्स की शुरुआत मजबूती के साथ हुई और एक समय यह।,595.14 अंक की छलांग लगा गया। हालांकि, बाद में यूरोपीय बाजारों में दिखी कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों की वजह से इसमें नरमी आई। कारोबार के अंत में यह 55,464.39 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, टाटा स्टील, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, नेस्ले और मारुति सुजुकी इंडिया लाभ में रहीं। सर्वाधिक 5.17 प्रतिशत का लाभ हिंदुस्तान यूनिलीवर को हुआ। इसके उलट टेक महिंद्रा, डॉ रेड्डीज लैब और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को 1.28 प्रतिशत तक का नुकसान उठाना पड़ा। सेंसेक्स में शामिल सिर्फ यही तीन कंपनियां घाटे में रहीं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, रूस एवं यूक्रेन के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू होने की उम्मीद और एशियाई बाजारों में आए उछाल से घरेलू बाजारों को शुरुआती समर्थन मिला। उसके बाद बाजार की उम्मीदों के अनुरूप चुनावी नतीजे रहने से भी तेजी बनी रही। हेम सिक्योरिटीज में पीएमएस प्रमुख मोहित निगम ने भी इस राय से सहमति जताते हुए कहा, रूस-यूक्रेन वार्ता से अनुकूल नतीजे आने की उम्मीद बाजार ने लगाई हुई है। इसके अलावा विधानसभा चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन ने भी निवेशकों को मजबूती दी। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप एवं मिडकैप 1.18 प्रतिशत की बढ़त पर रहे। बीएसई के सभी क्षेत्र सूचकांक बढ़त पर रहे जिनमें एफएमसीजी, रियल्टी, धातु एवं बैंक सूचकांक 2.68 प्रतिशत तक चढ़ गए।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग, तोक्यो एवं शंघाई बढ़त पर रहे। अमेरिका के बाजार भी बुधवार को खासी बढ़त लेने में सफल रहे थे। हालांकि, यूरोपीय बाजारों में दोपहर के सत्र में नरमी का रुख देखा गया। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.91 प्रतिशत के उछाल के साथ 116.6 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। वहीं रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की मजबूती के साथ 76.43 रुपया प्रति डॉलर के भाव पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी रखा है। शेयर बाजार से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 4,818.71 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ 76.42 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी तथा पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के रुझानों के बीच बृहस्पतिवार को रुपया 20 पैसे की मजबूती के साथ 76.42 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 76.27 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 76.07 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक गया। इसने 76.46 प्रति डॉलर के निचले स्तर को भी छुआ। अंत में रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ 76.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया 38 पैसे के लाभ के साथ 76.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना आज जारी है। भाजपा उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। आम आदमी पार्टी पंजाब में बड़े बहुमत की ओर है। वहीं अन्य तीन राज्यों में भी भाजपा आगे है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि जोखिम लेने की धारणा में सुधार आने से रुपया मजबूत हुआ।

क्विक न्यूज

तीन दिन में निवेशकों की पूंजी 10.83 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा। इन तीन कारोबारी सत्रों में निवेशकों की पूंजी 10.83 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 817.06 अंक या 1.50 प्रतिशत के लाभ के साथ 55,464.39 अंक पर पहुंच गया। तीन दिन में सेंसेक्स 2,621.64 अंक चढ़ा है। तीन कारोबारी सत्रों में बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10,83,103.27 करोड़ रुपए बढ़कर 2,51,93,934.31 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश फरवरी में 67 प्रतिशत घटकर 75.36 करोड़ डॉलर रहा

मुंबई। भारतीय कंपनियों का विदेशी निवेश इस साल फरवरी में 67 प्रतिशत घटकर 75.36 करोड़ डॉलर पर आ गया। रिजर्व बैंक के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। घरेलू निवेशकों ने फरवरी, 2021 में देश के बाहर 2.28 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (ओएफडीआई) किया था। भारतीय कंपनियों के पिछले महीने के विदेशी निवेश में से 23.78 करोड़ डॉलर इक्विटी के रूप में, 23 करोड़ डॉलर कर्ज के रूप में 28.57 करोड़ डॉलर गारंटी के रूप में डाले गए है। माह-दर-माह आधार पर तुलना करें तो ओएफडीआई 56 प्रतिशत नीचे आया है। जनवरी, 2022 में भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों में निवेश 1.71 अरब डॉलर रहा था। जिन कंपनियों ने माह के दौरान विदेश में निवेश किया है उनमें ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने रूस में अपने संयुक्त उद्यम में 4.7 करोड़ डॉलर डाले है।

एबिक्स कैश ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराए, 6,000 करोड़ रुपए जुटाने का इरादा

नई दिल्ली। एबिक्सकैश लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा कराए है। कंपनी का आईपीओ से 6,000 करोड़ रुपए जुटाने का इरादा है। कंपनी अमेरिकी बाजार नैस्डेक में सूचीबद्ध एबिक्स इंक की भारतीय इकाई है। एबिक्सकैश द्वारा दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी यह राशि नए शेयर जारी कर जुटाएगी। कंपनी का बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाने का इरादा नही है। इसके अलावा कंपनी 1,200 करोड़ रुपए के आईपीओ-पूर्व नियोजन के विकल्प पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर निर्गम का आकार घटा दिया जाएगा।

सेबी के स्कोर्स मंच को फरवरी में मिली 3,110 शिकायतें 3,483 का हुआ समाधान

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फरवरी में अपनी शिकायत निपटान प्रणाली स्कोर्स के जरिए सूचीबद्ध कंपनियों या बाजार मध्यस्थों के खिलाफ कुल 3,483 शिकायतों का निपटारा किया। समाधान वाली शिकायतों में पिछले अवधि में मिली शिकायतें भी शामिल हैं। सेबी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन महीने की शुरुआत में 3,322 शिकायतें लंबित थी और फरवरी में 3,110 नई शिकायतें मिली। स्कोर्स एक शिकायत समाधान प्रणाली है, जिसे जून, 2011 में शुरू किया गया था। नियामक ने यह भी कहा कि फरवरी, 2022 तक 53 शिकायतें ऐसी थीं, जो तीन महीने से अधिक समय से लंबित थी। इस मंच पर औसतन 30 दिन में शिकायत का समाधान किया जाता है।

स्लाइस का नया समर कैम्पेन

नई दिल्ली। गर्मियों के सीज़न को रोमांच से भरते हुएए स्लाइस ने अपना नया कैम्पेन जारी किया है जो ग्राहकों को स्लाइस के सबसे थिक सबसे टेस्टी ड्रिंक होने की खूबियों से रूबरू कराएगा। स्लाइस की यह नई मज़ेदार और रोचक फिल्म सबसे थिक सबसे टेस्टी चैलेंज के साथ ग्राहकों को आंख बंद कर स्वाद की परख करने के मज़ेदार रास्ते पर लेकर जाती है। इस टीवीसी में सुपरस्टार और ब्रैंड एंबैसडर कैटरिना कैफदिखायी दे रही हैं। नए टीवीसी के बारे में ब्रैंड एंबैसडर कैटरिना कैफने कहाए श्स्लाइस के कैम्पेन्स के लिए शूट करना हमेशा ही सुखद अनुभव साबित होता आया है और ब्रैंड के साथ मेरी लंबे समय से जारी पार्टनरशिप के चलते इस प्रोडक्ट और इसकी फिलॉसफी पर मेरा भरोसा और बढ़ चुका है।

बिरला सेंचुरी ने होम बेडिंग सेगमेंट में कदम रखा

मुंबई। बिरला सेंचुरी का होम डिविजन अपने फ्लैगशिप ब्राण्ड हिल एंड ग्लेड को लॉन्च कर कपड़ा बाजार को समृद्ध बनाने के लिये तैयार है। यह ब्राण्ड होम बेडिंग सेगमेंट के लिये है।बिरला सेंचुरी का हिल एंड ग्लेड पहले से ही वैश्विक मान्यता प्राप्त ब्राण का हिस्सा है और ग्राहकों की पसंद के आधार पर रंग और गुणवत्ता में कई विकल्प देगा। मुंबई में बिरला सेंचुरी के हिल एंड ग्लेड के लॉन्च पर सीनियर प्रेसिडेंट एवं पूर्णकालिक निदेशक आरके डालमिया ने स्थायित्व के साथ गुणवत्ता के विचार पर जोर दिया, जिस पर कंपनी मजबूती से केन्द्रित है। स्थायित्व नया चर्चित शब्द है, लेकिन बिरला सेंचुरी के लिये यह हमारी शुरूआत से ही अभ्यास में है। धरती माँ का संरक्षण हमेशा से हमारी प्रामिकता रहा है ।

एलएंडटी एमएसएमई को सशक्त बनाएगा

मुंबई। ईपीसी परियोजनाओं, हाई-टेक निर्माण और सेवाओं में जुटी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने औद्योगिक उत्पादों और सेवाओं के लिए एक एकीकृत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एलएंडटी.सुफिन के लॉन्च की घोषणा की। 80 से अधिक वर्षों के अपने समृद्ध अनुभव के साथ और राष्ट्र के विश्वास के आधार पर एलएंडटी बी2बी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म व्यवसायों, विशेष रूप से एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। इस तरह वे प्रभावी रूप से पूरे भारत में अपनी औद्योगिक आपूर्ति डिजिटल रूप से और लागत दक्षता के साथ कर सकेंगे। एमएसएमई की सोर्सिंग संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए देश का मैन्यूफेक्चरिंग इकोसिस्टम औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनेक महत्वपूर्ण खामियों का सामना कर रहा है। जो बी2बी डायरेक्टरी या ऐसे ही दूसरे संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर है। पारंपरिक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी इन चुनौतियों के कारण व्यापार की निरंतरताए रेवेन्यू या इन्वेंट्री कस्टमाइजेशन और जनशक्ति का इस्तेमाल करने संबंधी मुश्किलें भी सामने आती हैं। एलएंडटी के सीईओ और एमडी एसएन सुब्रमण्यन ने कहा कि वर्तमान में देश 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की तरफकदम बढ़ा रहा।

एमएसएमई मंत्रालय ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू की

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) ने क्षेत्र में रचनात्मकता को बढ़ावा देने, नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नवोन्मेषी योजना शुरू की है। एमएसएमई मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह योजना मंत्रालय की इनक्यूबेशन, डिजाइन और आईपीआर योजनाओं का मिश्रण है। यह योजना नवाचार गतिविधियों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करने के साथ व्यावसायिक प्रस्तावों में नवाचारों के विकास को सुविधाजनक बनाने की दिशा मे काम करेगी जिससे समाज को लाभ मिलेगा। इस योजना को पेश करते हुए एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने कहा कि यह योजना क्षेत्र को मदद प्रदान करेगी।

सेबी ने चूककर्ताओं की सूची जारी की

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को 25 चूककर्ता व्यक्तियों की सूची जारी की जिनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। सेबी के मुताबिक इन चूककर्ताओं ने न तो निवेशकों का पैसा लौटाया और न ही उसकी तरफ से लगाए गए जुर्माने को भरा था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी वेबसाइट पर संपर्क से दूर चूककर्ताओं का ब्योरा देते हुए कहा कि उसके वसूली अधिकारी ने इन व्यक्तियों के खिलाफ वसूली का प्रमाणपत्र जारी कर दिया है। लेकिन इन चूककर्ताओं को उनके आखिरी ज्ञात पते पर नोटिस दिए नहीं जा सके। सेबी ने कहा कि वसूली के ए नोटिस जुलाई 2014 से लेकर जनवरी 2022 के दौरान जारी किए गए थे। सेबी ने कहा कि उसके वसूली अधिकारी से चूककर्ता ईमेल या पत्र के जरिए 24 मार्च 2022 तक संपर्क कर सकते हैं। सेबी की तरफ से जारी सूची में कन्हैयालाल जोशी, संतोष कृष्ण पवार, चेतन मेहता, मुकुंद यदु जम्भाले, अंकित के अग्रवाल, जएश शाह, सुरेशकुमार पी जैन, प्रवीण वशिष्ठ, राजेश तुकाराम दाम्बरे, जएश कुमार शाह, दहयाभाई जी पटेल, दलसुखभाई डी पटेल, विट्ठलभाई वी गाजेरा के नाम शामिल हैं। इस सूची में विनोद डी पटेल, प्रवीण बी पटेल, नवीन कुमार पटेल, सुनील कुरिल, दिलीप हेमंत जम्भाले, जगदीश जयचंदभाई पांड्या, चिराग दिनेशकुमार शाह, प्रशांत खानकारी, कैलाश श्रीराम अग्रवाल, दत्तू शितोले, जितेंद्र चंद्रभान सिंह और अंकित सांचरिया के नाम भी हैं।

महामारी की तीसरी लहर के बाद फरवरी में नियुक्ति

भाषा। मुंबई

वैश्विक महामारी कोविड-19 की तीसरी लहर के खत्म होने के साथ लगभग सभी उद्योगों में मजबूत वृद्धि होने से इस साल फरवरी पिछले महीने की तुलना में नियुक्ति गतिविधियों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मॉनस्टर रोजगार सूचकांक के मुताबिक, फरवरी, 2022 में सालाना आधार पर प्रतिभाओं की मांग सात प्रतिशत बढ़ी। वहीं जनवरी, 2022 की तुलना में फरवरी में नियुक्ति गतिविधियां तीन प्रतिशत बढ़ गईं। विविध उद्योगों में डिजिटलीकरण को अधिकाधिक अपनाने के साथ बीपीओआईटी क्षेत्र में 11 फीसदी की मजबूत वृद्धि देखी गई।

मॉनस्टर रोजगार सूचकांक, मॉनस्टर इंडिया का ऑनलाइन रोजगार गतिविधियों का मासिक आधार पर वृहद विश्लेषण करता है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग सभी अनुभव स्तर के पेशेवरों की मांग निरंतर बनी हुई है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। सूचकांक में जिन भी शहरों में रोजगार संबंधी आंकड़ों पर नजर रखी जाती है, उनमें सभी जगह वृद्धि देखी गई।

दिल्ली 13 प्रतिशत के साथ रोजगार गतिविधियों में सबसे आगे रही। मुंबई में यह आठ फीसदी, अहमदाबाद में सात फीसदी, चेन्नई में सात फीसदी, हैदराबाद में छह फीसदी, कोयंबटूर में छह फीसदी, बेंगलुरु में छह फीसदी और जयपुर में छह फीसदी रहा। मॉनस्टर डॉट कॉम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शेखर गरिसा ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी की तीसरी लहर के प्रभाव से सफलतापूर्वक बाहर आ चुकी है। अनेक उद्योगों और सभी शहरों में फरवरी में सुधार का चलन नजर आया है विशेषकर यात्रा और शिक्षा के क्षेत्र में।

पोर्ट सुविधा पर ट्राई के आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं : टीडीसैट

नई दिल्ली। दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) ने किसी भी टैरिफ ऑफर और प्लान वाले मोबाइल उपभोक्ताओं को नेटवर्क बदलने या पोर्ट करने के लिए एसएमएस के जरिए अनुरोध की सुविधा देने संबंधी फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इस बारे में मोबाइल ऑपरेटरों को निर्देश दिया था। ट्राई ने ऑपरेटरों से कहा था कि किसी भी मूल्य के प्लान पर उन्हें एसएमएस के जरिए पोर्ट की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। टीडीसैट ने ट्राई के इस आदेश को चुनौती देने वाली वोडाफोन आइडिया की अपील को खारिज कर दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि ट्राई का सात दिसंबर, 2021 का आदेश उसके अधिकार क्षेत्र के तहत आता है और इसमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। टीडीसैट ने कहा, मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के तहत नेटवर्क कंपनी बदलने की सुविधा में बदलाव की अपील, इन नियमों को कई ग्राहकों के लिए अनुपयोगी बना देगी। न्यायाधिकरण ने कहा कि इस मामले में ट्राई का रुख निष्पक्ष और वाजिब है।

रिलायंस ने सीबीएम गैस 23 डॉलर पर बेची, एचओईसी को मिली इससे ऊंची कीमत

भाषा। मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने मध्य प्रदेश में स्थित एक कोयला क्षेत्र से निकाली गई प्राकृतिक गैस को 23 डॉलर के भाव पर गेल, जीएसपीसीए एवं शेल जैसी कंपनियों को बेचा है जबकि अपेक्षाकृत छोटी गैस उत्पादक एचओईसी ने अपनी आधी से ज्यादा गैस 25 डॉलर के भाव पर बेची है। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि रिलायंस ने अपने कोलबेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक एसपी-वेस्ट-2001 से निकाली गई 6.5 लाख घन मीटर गैस को मौजूदा ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतों पर 8.28 डॉलर प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) के प्रीमियम पर बेचा है।

रिलायंस ने ब्रेंट क्रूड कीमतों के 13.2 प्रतिशत को आधार बनाकर उस र प्रीमियम के साथ गैस बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। मौजूदा वक्त में ब्रेंट क्रूड की कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल पर है। इस तरह रिलायंस की गैस का आधार मूल्य 15.18 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू बैठता है। इसके ऊपर गेल इंडिया और अन्य की तरफ से 8.28 डॉलर का प्रीमियम जोड़ने पर इस गैस क्षेत्र से निकली गैस की अंतिम कीमत 23.46 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड को आवंटित गैस क्षेत्रों से निकलने वाली गैस 2.9 डॉलर पर मिलती है। गहरे समुद्र जैसे दुर्गम क्षेत्रों से निकाली जाने वाली गैस के लिए 6.13 डॉलर की थोड़ी ऊंची दर रखी गई है। हालांकि, सीबीएम ब्लॉक या मुंबई तटक्षेत्र से निकाली जाने वाली गैस की दर पर कोई अधिकतम सीमा नहीं रखी गई है। रिलायंस को अपने केजी बेसिन क्षेत्र की गैस के लिए 6.13 डॉलर प्रति इकाई का दाम मिलता है। सूत्रों ने बताया कि हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी (एचओईसी) ने जीएसपीसी को तीन लाख घन मीटर गैस ब्रेंट क्रूड के 22 प्रतिशत भाव पर बेची है। मौजूदा ब्रेंट क्रूड भाव पर इस गैस का बिक्री मूल्य 25.3 डॉलर बैठता है।

सरकारी निर्देश के मुताबिक, गैस उत्पादक कंपनियों को उपलब्ध गैस की बिक्री के लिए ग्राहकों से बोलियां मंगानी होती हैं। इस ई-नीलामी की प्रक्रिया में रिलायंस और एचओईसी दोनों को गेल, जीएसपीसी, इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, शेल और अडाणी-टोटल गैस लिमिटेड की भागीदारी की वजह से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। रिलायंस ने सीबीएम ब्लॉक से गैस का वाणिज्यिक उत्पादन मार्च, 2017 में शुरू किया था और एक साल में ही यह 11 लाख घन मीटर गैस उत्पादन तक पहुंच गया था। सीबीएम कोयले के स्तर में पाई जाने वाली प्राकृतिक गैस होती है जिसमें मीथेन की मात्रा 90-95 प्रतिशत तक होती है।

अगले वित्त वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी: क्रिसिल

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि बुनियादी ढांचा खर्च पर सरकार के जोर और निजी पूंजीगत व्यय बढ़ने से 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी। रेटिंग एजेंसी ने हालांकि आगाह किया कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और जिंसों की बढ़ती कीमतों की वजह से वृद्धि के नीचे जाने का जोखिम बन सकता है। 31 मार्च को समाप्त होने जा रहे चालू वित्त वर्ष में देश की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। क्रिसिल ने कहा, कोविड-19 की तीसरी और हल्की लहर के जल्द समाप्त होने का जो भी लाभ मिल सकता है वह यूक्रेन पर रूस के हमले से उत्पन्न होने वाले भू-राजनीतिक तनाव से कम हो जाएगा। इस युद्ध का वैश्विक वृद्धि पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण कच्चे तेल और जिंसों के दाम बढ़ रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने से बीएलएस इंटरनेशनल को वीजा मांग बढ़ने की उम्मीद

भाषा। मुंबई

वीजा सेवाएं प्रदान करने वाली बीएलएस इंटरनेशनल को अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें 27 मार्च से फिर से शुरू करने के निर्णय के बाद वीजा संबधी सेवाओं में वृद्धि की उम्मीद है। बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि वैश्विक यात्रा उद्योग के खुलने और कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों में कमी के साथ कंपनी को उम्मीद है कि भारत और अन्य देशों में वीज़ा और दूतावास संबधी सेवाओं में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने दो साल तक रोक के बाद मंगलवार को 27 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाओं के संचालन की अनुमति दी है।

टोयोटा ग्लैंजा की बुकिंग शुरू

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी बहुप्रतीक्षित पेशकश कूल न्यू टोयोटा ग्लैंजा के लिए बुकिंग्स ओपन की घोषणा की। भारत में सबसे किफ ायती टोयोटा, कूल न्यू ग्लैंजा मूल्य चाहने वाले ग्राहकों और पहली बार के टोयोटा ग्राहकों के लिए स्टाइलिश और स्पोर्टी डिजाइन को लक्षित करने वाले अपने गतिशील लुक की मदद से अद्वितीय टोयोटा पहचान व्यक्त करती न्यू ग्लैंजा मैनुअल के साथ-साथ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों में उपलब्ध होगी और यह एक शक्तिशाली लेकिन ईंधन कुशल, के.सीरीज इंजना् से लैस है। 66 किलोवाट 89 पीएस की शक्ति के साथ नया ग्लैंजा बेहतर ड्राइविंग अनुभव देने के लिए एक नयाए बेहतर और कुशल गैसोलीन इंजन का दावा करता है। ग्राहकों की खुशी को और बढ़ाने के लिएए कूल न्यू ग्लैंजा को प्रसिद्ध टोयोटा अनुभव के साथ 3 साल 100,000 किलोमीटर की वारंटी और 5 साल 220, 000 किलोमीटर तक की वारंटी विस्तार के विकल्प के साथ किया गया है।

पेज एक का शेष

उत्तर प्रदेश...

बिजनौर और शामली में भाजपा समाजवादी गठबंधन के पीछे ही रही। किसान आंदोलन का असर इन जिलों में दिखा। इसका परिणाम यह हुआ कि एक बार फिर जयंत चौधरी को जाट और मुसलमानों ने चौधरी अजित सिंह का उत्तराधिकारी होने पर मुहर लगा दी। कैराना में समाजवादी पार्टी के नाहिद हसन ने जीत दर्ज की। एक तरह से कैराना दंगों पर इस चुनाव ने मरहम लगा दिया। हालांकि मुस्लिम वोटरों के सपा के पक्ष में एकतरफा वोटिंग की चर्चा के बाद वोटों का ध्रुवीकरण पूरे उत्तरप्रदेश में हुआ। वेस्ट यूपी भी इससे अछूता नहीं रहा। इसलिए वहां भाजपा काफ ी हद तक वोटों के ध्रुवीकरण में सफ ल हो गई। भाजपा का वोट बैंक खुले तौर से उसके साथ चला गया। बहुजन समाजवादी पार्टी के वोटर रहे जाटव वोटरों ने भी भाजपा का साथ दिया। चुनाव में भाजपा के लिए दुखद यह रहा कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सतीश द्विवेदी जैसे सीनियर नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। पूर्वी उत्तरप्रदेश में भाजपा को बड़ी सफलता मिली। यहां गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ के उतरने के कारण माहौल भाजपा के पक्ष में बना। इस चुनाव में सबसे अधिक हैरत लखीमपुर खीरी को लेकर रही, इस जिले की सभी आठ सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की। यानी कांग्रेस ने लखीमपुर हिंसा की जो तस्वीर चुनाव से पहले खीची थी। अब उसके मायने ही खत्म हो गए हैं। कांग्रेस के लिए यह चुनाव निराशाजनक रहा। दो सीटों पर जीत के बाद अब प्रदेश में उसकी मजबूत विपक्ष की साख भी खत्म हो गई है। खुद प्रियंका गांधी ने चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था यानी अब यूपी में कांग्रेस को स्थानीय सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता बनी रहेगी। सही मायनों में किसी पार्टी का इस यूपी विधानसभा चुनाव में नुकसान हुआ है, तो वह बहुजन समाजवादी पार्टी ही है। 2007 में पूर्ण बहुमत से सत्ता चलाने वाली मायावती के पास सिर्फ एक विधायक है।

गजियाबाद की...

के राजकुमार भाटी को हराया है, भाटी को 79850 वोट मिले। तेजपाल नागर को मिले वोट का प्रतिशत 61,64 रहा। वहीं जेवर विधानसभा सीट पर भाजपा के धीरेंद्र सिंह को 1 लाख 17 हजार वोट मिले उन्होने सपा लोकदल गठबंधन के अवतार सिंह भढाना को हरा कर जीत दर्ज की। भढाना को 60 हजार वोट मिलीं। धीरेद्र सिंह का वोट प्रतिशत 50,53 रहा। वहीं, देशभर में अब तक सबसे अधिक वोट से जीतने के रिकार्ड को तोडते हुए नोएडा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह ने 2 लाख 44 हजार वोटों के साथ जीत दर्ज की। उन्होने अपने प्रतिद्धंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुनील चौधरी को कुल 1 लाख 81 हजार वोटों हराया। सुनील चौधरी का कुल 62 हजार वोट मिलीं थी। पंकज सिंह का वोट प्रतिशत 70,16 रहा।

सत्ता में...

हरिद्वार ग्रामीण सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा रावत से हार गए हैं। अनुपमा कांग्रेस नेता हरीश रावत की पुत्री हैं। प्रदेश में कांग्रेस के चुनाव अभियान की अगुवाई करने वाले रावत लालकुआं सीट से भाजपा प्रत्याशी मोहन सिंह बिष्ट से 17,527 वोटों के भारी अंतर से हार गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल को श्रीनगर सीट से निवर्तमान विधायक धनसिंह रावत के हाथों हार मिली है। जागेश्वर सीट पर अब तक अजेय रहे कांग्रेस के एक और दिग्गज गोविंद सिंह कुंजवाल भी भाजपा के मोहन सिंह से 5883 मतों से हार गए हैं। देहरादून जिले की रायपुर सीट से भाजपा के उमेश शर्मा काउ ने एक बार फिर 30,052 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के हीरा सिंह बिष्ट को हराकर न केवल अपनी सीट बरकरार रखी है बल्कि प्रदेश में सबसे बड़ी जीत भी दर्ज की है।

भाजपा का...

में वृद्धि सीटों की संख्या को नहीं बढ़ा सकी क्योंकि पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं और छह और सीटों पर आगे चल रही हैं। गोवा में, भाजपा के मत प्रतिशत में मामूली सी वृद्धि देखी गई। वर्ष 2017 में से 32.5 प्रतिशत मत मिले थे और इस बार पार्टी को 33.3 प्रतिशत मत मिले है। पार्टी ने 20 सीटों पर जीत दर्ज की है जो पांच साल पहले प्राप्त सीटों की संख्या से सात अधिक है। गोवा में कांग्रेस का मत प्रतिशत 2017 में 28.4 प्रतिशत से घटकर 23.5 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस ने पांच साल पहले गोवा में 17 सीटें जीती थीं और बृहस्पतिवार को उसके 11 सीटें जीतने का अनुमान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में 92 सीटों पर जीत हासिल कर जबरदस्त सफलता हासिल की और 2017 में उसे 20 सीटें मिली थीं। मत प्रतिशत के मामले में, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने 42 प्रतिशत मत हासिल किए जबकि पांच साल पहले उसे 23.7 प्रतिशत मत मिले थे।

पंजाब में...

की है। इससे पहले 1997 में शिअद और भाजपा गठबंधन ने एक साथ 93 सीटें हासिल की थीं। आप ने अपनी शानदार जीत के साथ सत्तारूढ़ कांग्रेस को न सिर्फ 18 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर धकेल दिया, बल्कि राज्य के क्षेत्रीय दल शिरोमणि अकाली दल को केवल तीन सीटों तक समेट दिया। राज्य के राजनीतिक दिग्गजों के साथ, जिसमें पांच बार के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, दो बार के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, राज्य की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री रहीं राजिंदर कौर भट्ठल, मौजूदा सीएम चरणजीत सिंह चन्नी और कई अन्य बड़े ऐसे नेता जो दशकों से लगभग अजेय थे, आप के विजयी रथ के नीचे कुचले गए।

भाजपा ने...

सम्मानजनक प्रदर्शन करने में सफल रही। भाजपा की प्रदेश इकाई की प्रमुख ए. शारदा देवी से जब यह पूछा गया कि क्या कोई नया मुख्यमंत्री होगा या एन. बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तो उन्होंने कहा, एक राष्ट्रीय दल के रूप में हमारे पास एक संसदीय बोर्ड है, जो राज्य इकाई के पदाधिकारियों के परामर्श से तय करेगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। भाजपा ने मणिपुर में 2017 में सिर्फ 21 सीट जीतने के बावजूद, क्षेत्रीय दलों एनपीपी और एनपीएफ के साथ मिलाकर सरकार बनाई थी। विधानसभा में भाजपा की ताकत बाद में बढ़कर 28 हो गई थी। बीरेन सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, गठबंधन एक ऐसा मामला है जिस पर केंद्रीय नेतृत्व फैसला करेगा। जबकि पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि दोनों सहयोगी दल भाजपा को समर्थन देने की पेशकश कर चुके हैं।

चुनावी राज्यों...

बाद समाजवादी पार्टी को जाट मतदाताओं का साथ मिलेगा। हालांकि, चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि किसानों की नाराजगी को भुनाने के समाजवादी पार्टी गठबंधन तथा कांग्रेस के प्रयास विफल साबित हुए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीटों में मुजफ्फरनगर , दादरी, गंगोह, गाजियाबाद, देवबंद, बागपत, बदायूं, बाह, जेवर, हरदोई, हापुड़, चंदौसी, छाता, मथुरा, बुलंदशहर, बागपत, अलीगढ़, खतौली, खुर्जा, लोनी, लखीमपुर, आगरा ग्रामीण, आगरा दक्षिण, मेरठ कैंट, मिसरिख, शाहजहांपुर, सिकंदरा, खैर, नकुर, मीरापुर, हस्तिनापुर, आंवला, अतरौली, फतेहपुर सिकड़ी, हाथरस, नोएडा और चरथावल सीटों पर भारतीय जनता पार्टी या तो निर्णायक बढ़त बनाए हुए है या जीत चुकी है। चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी दलों ने कोविड-19 महामारी के दौरान गंगा में तैरती लाशों के मुद्दे को भी जोरशोर से उठाया था। लेकिन चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि चुनाव पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान लखीमपुर खिरी में किसानों को गाड़ी से कुचले जाने और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र के इसमें शामिल होने से जुड़े आरोपों का विषय भी उठाया था। लेकिन इस जिले की सीटों पर भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन 2017 की तरह तो नहीं रहा, लेकिन राज्य में भाजपा की निर्णायक जीत से, साढ़े तीन दशक से ज्यादा वक्त बाद कोई मुख्यमंत्री कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्ता में आ रहा है। भाजपा उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी सत्ता में वापसी कर रही है। उत्तराखंड में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने फिर से सत्ता में वापसी की है। उत्तराखंड में किसानों के प्रभाव वाली कई सीटों पर भाजपा ने निर्णायक बढ़त बनाई या जीत दर्ज की। इनमें हरिद्वार, कोटद्वार, काशीपुर, रूड़की आदि सीट शामिल हैं। किसान आंदोलन का प्रभाव पंजाब में दिखा लेकिन इसका पूरा फायदा आम आदमी पार्टी को हुआ। 117 सदस्ईय पंजाब विधानसभा के लिए हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी 90 से अधिक सीटों पर जीत की ओर बढ़ रही है और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी की जीत को क्रांति करार दिया है।

कांग्रेस पर...

सिंधु जैसे बड़बोले नेता को जगह देने के खिलाफ थे। एक और दिग्गज हरीश सिंह रावत को जहां अपने राज्य में पूरी ताकत से तैयारी करनी चाहिए थी, उनकी पूरी ऊर्जा पंजाब में लगा दी गई। गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, शशि थरूर, आनंद शर्मा जैसे जी-23 नाम से कुख्यात मुखर नेता ही नहीं, आम कांग्रेस कार्यकर्ता भी ढीले पड़ते दिख रहे हैं। एक अन्य पार्टी नेता ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि गांधी परिवार को यह महसूस करना होगा कि राजनीति व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक सामूहिक खेल है। हिमंत बिस्वा सरमा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, सुष्मिता देव, आरपीएन सिंह, टॉम वडक्कन, प्रियंका चतुर्वेदी जैसे बड़े नेताओं की बात नहीं सुनी गई और पार्टी को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। सचिन पायलट पार्टी के दरवाजे से लौट आए हैं। कांग्रेस समर्थक और एक बार के प्रवक्ता संजय झा ने गुरुवार को सचिन पायलट जैसे जन नेता और उत्कृष्ट वक्ता को पार्टी की बागडोर संभालने के लिए लाने का आह्वान किया है। लगातार चुनावी हार देख रही कांग्रेस के बारे में इन चुनाव परिणामों के बाद वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पार्टी में सुधार और पुनर्व्यवस्था बनाने की सख्त जरूरत है। पार्टी में बदलाव की आवाज उठाने वाले जी-23 नेताओं में शामिल लोकसभा सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को दोहराया कि यह भारत के उस विचार की पुष्टि करने का समय है, जिसके लिए कांग्रेस खड़ी है।

बेनतीजा रही यूक्रेन-रूस बातचीत

भाषा। ताल्या

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मॉस्को और कीव के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई वार्ता में युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई सफलता नहीं मिली। कुलेबा ने कहा कि वह मानवीय गलियारों और संघर्षविराम पर चर्चा के लिए आज तुर्की में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रूस में निर्णय लेने वाले अन्य लोग हैं हैं जिनसे परामर्श करने की आवश्यकता है। कुलेबा ने कहा कि वह लावरोव के साथ युद्ध के कारण मानवीय मुद्दों के समाधान का प्रयास जारी रखने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि मॉस्को संघर्षविराम की पेशकश के लिए तैयार नहीं है। वे (रूस) यूक्रेन का आत्मसमर्पण चाहते हैं। उन्होंने कहा, ऐसा नही होगा। कुलेबा ने कहा कि आखिरी चीज रूसी पक्ष यह चाहता है कि रूसी बमबारी और हमलों से घिरे शहरों से सुरक्षित मार्ग की तलाश कर रहे यूक्रेनी लोगों की उम्मीदों को खत्म कर दिया जाए।

अन्ताल्या में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव व यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ वार्ता के बाद हाथ मिलाते हुए

रूस ने नागरिकों पर सैन्य हमलों के बारे में चिंताओं को खारिज किया

अंताल्या (तुर्की)। रूस के विदेश मंत्री ने नागरिकों पर रूसी सैन्य हमलों के बारे मे चिंताओं को खारिज कर दिया। पिछले महीने युद्ध शुरू होने के बाद रूसी-यूक्रेन के बीच उच्च स्तर की वार्ता मे सर्गेई लावरोव ने बृहस्पतिवार को तुर्की में अपने यूक्रेनी समकक्ष से मुलाकात की। मारियुपोल में एक प्रसूति अस्पताल पर बुधवार के हमले मे रूसी सरकार की पहली सार्वजनिक टिप्पणी में, लावरोव ने न तो हमले की जिम्मेदारी ली और न ही इससे इनकार किया। उन्होने दावा किया कि इस जगह को पहले यूक्रेनी कट्टरपंथी लड़ाकों ने कब्जा कर लिया था जो इसे आधार के रूप मे इस्तेमाल कर रहे थे। लावरोव ने कहा कि रूस और अधिक वार्ता के लिए तैयार है लेकिन विवाद मे मास्को के रुख मे नरमी का कोई संकेत नही दिखा।

पाक राजदूत मसूद खान के आतंकवादियों से संबंधों की जांच हो : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने उन आरोपों की जांच कराने की मांग की है कि अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के तौर चुने गए मसूद खान के आतंकवादियों और इस्लामिक संगठनों से ताल्लुक हैं। पाकिस्तान ने पिछले महीने कहा था कि अमेरिकी सरकार ने वाशिंगटन में राजदूत के तौर पर खान के नामांकन को मंजूरी दे दी है। इससे कुछ दिनों पहले एक प्रतिष्ठित अमेरिकी सांसद ने राष्ट्रपति जो बाइडन से उनका राजनयिक परिचय पत्र खारिज करने और उन्हें आतंकवादियों का सच्चा हमदर्द करार देने का अनुरोध किया था।

पिछले साल अगस्त तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के राष्ट्रपति रहे खान को नवंबर में अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के तौर पर नामित किया गया। अमेरिका के अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड, सांसद स्कॉट पेरी, डब्ल्यू ग्रेगरी स्ट्यूब और मैरी ई मिलर ने नौ मार्च को लिखे पत्र में कहा कि पाकिस्तानी शासन के साथ जुड़े घरेलू तत्वों के साथ खान के घनिष्ठ संबंध गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

तीनों सांसदों ने कहा, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारी सरकार राजदूत खान के संबंध में विदेश एजेंट पंजीकरण कानून (फारा) के किसी संभावित उल्लंघन की जांच करें। वह साफ तौर पर आतंकवादियों का समर्थन करते हैं और यह प्रशासन उन्हें राजनयिक वीजा देना चाहता है तो अमेरिकी लोग कम से कम विस्तृत जांच और जवाब देने की हमारी सरकार से उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अपनी सरकार के एजेंटों के तौर पर अमेरिकी तत्वों का इस्तेमाल करने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि 2011 में वर्जीनिया के कार्यकर्ता गुलाम नबी फाई पर अमेरिकी अभियोजकों ने पाकिस्तानी सरकार के गुप्त एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया था।

बुडापेस्ट में ग्रीनपीस द्वारा आयोजित हीरोज स्क्वायर में यूक्रेन के लिए प्रदर्शन के रूप में लोग रोशनी के साथ शान्ति चिन्ह बनाते हुए।

पेंटागन ने युद्धग्रस्त यूक्रेन को मिग 29 देने की योजना से इनकार किया

भाषा। वारस

पेंटागन ने युद्धग्रस्त यूक्रेन को मिग-29 लड़ाकू विमान देने की किसी भी योजना से इनकार किया और कहा कि इससे खतरा काफी बढ़ सकता है। पेंटागन ने कहा कि इससे यूक्रेनी वायुसेना की क्षमता पर कोई अहम प्रभाव नहीं पड़ेगा। गौरतलब है कि पोलैंड ने कहा था कि वह मिग-29 विमानों को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे बाद में यूक्रेन तक पहुंचाया जा सकता है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने पत्रकारों से कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को पोलैंड के अपने समकक्ष से बात की और उन्हें अमेरिकी आकलन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका अन्य विकल्पों पर काम कर रहा है, जिसके तहत यूक्रेन को अधिक महत्वपूर्ण सैन्य मदद प्रदान की जा सकती है।

किर्बी ने कहा कि अमेरिकी खुफिया तंत्र के अनुसार, इसे तनाव बढ़ाने वासा कदम माना जा सकता है और इससे रूस एक और बढ़ी कार्वाई करने की तरफ बढ़ सकता है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में घोषणा की कि वह जर्मनी में यूएस रैमस्टीन एयरबेस को तुरंत और नि:शुल्क विमान मुहैया कराने के लिए तैयार है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने बुधावार को भी कहा था कि यह प्रस्ताव तर्कसंगत नहीं है और इससे नाटो के लिए गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। इस बीच, अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस वारसा पहुंच गई हैं। वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच हजारों लोगों को देश से निकालने में किए गए सहयोग के लिए पोलैंड का शुक्रिया अदा करेंगी। हैरिस शुक्रवार को बुखारेस्ट की यात्रा भी करेंगी, जहां वह रोमानिया के राष्ट्रपति क्लाउस इओहानिस से मुलाकात करेंगी।

कुलीन वर्ग की दावोस बैठक में पुतिन का स्वागत नही

जिनेवा। विश्व आर्थिक मंच ने कहा है कि उसने यूक्रेन पर हमले के कारण रूसी इकाइयों से सभी तरह के रिश्तों पर रोक लगा दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आखिरी बार जनवरी 2021 में एक आभासी दावोस एजेंडा बैठक में भाग लिया था। इससे पहले वह व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। स्विट्जरलैंड के दावोस में कुलीन वर्ग की सालाना बैठक के आयोजक के रूप में मशहूर विश्व आर्थिक मंच ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी करके कहा कि वह सालाना बैठक समेत अपनी किसी भी गतिविधि में किसी प्रतिबंधित व्यक्ति या संस्था के साथ शामिल नहीं होगा। रूस और बेलारूस को बृहस्पतिवार को एक अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन नार्दर्न डाइमेंशन से निलंबित कर दिया गया जिसके सदस्य यूरोपीय संघ, आइसलैंड और नॉर्वे हैं।

प्रतिनिधि सभा ने यूक्रेन के लिए 13.6 अरब डॉलर की मदद को मंजूरी दी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 1,500 अरब डॉलर के वित्तपोषण संघीय एजेंसियां विधेयक के तहत युद्धग्रस्त यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों को 13.6 अरब डॉलर की सहायता मुहैया कराने की खातिर बुधवार को व्यापक खर्च विधेयक को मंजूरी दे दी। इससे पहले, डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सांसदों को कोविड-19 से मुकाबला करने के लिए नई निधियों को शामिल करने की अपनी योजना को अचानक त्यागना पड़ा।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने कई घरेलू पहलों के लिए निधि हासिल की, रिपब्लिकन पार्टी ने विधेयक के जरिए रक्षा खर्च को बढ़ावा दिया और रूस के आक्रमण का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन को धन मुहैया कराने संबंधी मंजूरी में दोनों पार्टियों का योगदान रहा। इस मदद को इस सप्ताह के अंत तक या इससे थोड़ा और समय बाद सीनेट की मंजूरी मिल जाने की संभावना है। इससे पहले, प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी को वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए 15.6 अरब डॉलर के विधेयक को त्यागना पड़ा और उन्होंने इस फैसले को दिल तोड़ने वाला बताया। इसे राष्ट्रपति जो बाइडन और पार्टी के नेताओं की शीर्ष प्राथमिकता की हार के तौर पर देखा जा रहा है। इस निधि का इस्तेमाल टीकों की अमेरिकी आपूर्ति, उपचार, जांच और दुनियाभर में बीमारी के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए मुख्य रूप से किया जाना था। प्रतिनिधि सभा ने दो अलग-अलग मतदान में पूरे विधेयक को मंजूरी दी। इस विधेयक के सुरक्षा कार्यक्रमों को 69 के मुकाबले 361 मतों से स्वीकृति मिली, जबकि शेष को 171 के मुकाबले 260 मतों से मंजूरी दी गई।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले हफ्ते यूक्रेन की सैन्य, मानवीय और आर्थिक सहायता के रूप में 10 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सांसदों का पुख्ता समर्थन मिलने से यह राशि 13.6 अरब डॉलर पर पहुंच गई। व्हाइट हाउस में बाइडन ने कहा, हम उनका (यूक्रेन का) अत्याचार, दमन, हिंसा की कार्वाई के खिलाफ समर्थन करने जा रहे हैं। पेलोसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बुधवार को 45 मिनट बात की और इस बातचीत के दौरान उन्होंने यूक्रेन के लिए आवश्यक हथियारों और अन्य सहायता को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दोनों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मानवता के खिलाफ किए जा रहे अपराधों पर भी चर्चा की।

क्विक न्यूज

पेशावर की मस्जिद पर हुए हमले के जिम्मेदार तीन आतंकी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने पेशावर की शिया मस्जिद पर हुए आत्मघाती बम हमले के आका और उसके दो साथियों को मार गिराया। बताया जा रहा है कि पेशावर में सिख हकीम की हत्या में भी यह समूह शामिल था। बृहस्पतिवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। पेशावर के किस्सा ख्वानी बाजार में पिछले शुक्रवार को एक मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती बम हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 200 लोग घायल हुए थे। हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट-खुरासन ने ली थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवाद रोधी विभाग के जवानों, पुलिस और खुफिया एजेसियों ने मंगलवार रात जमरूद तहसील के गुरेजा इलाके में एक घर पर छापा मारा। उन्होंने कहा कि घर के अंदर मौजूद एक आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर दी। समाचार पत्र द डॉन की खबर में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि जवाबी कार्वाई में कूचा रिसालदार मस्जिद पर हुए आत्मघाती बम हमले के आका मोहम्मद तारिक उर्फ खालिद के साथ ही अब्दुल वाजिद और मुजफ्फर शाह नाम के आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारी ने कहा, जवाबी गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि चार भागने में सफल रहे। पुलिस ने कहा कि आतंकवादी समूह पिछले साल सितंबर में सिख हकीम सरदार सतनाम सिंह की हत्या में भी शामिल था। सिंह की पेशावर के चारसद्दा रोड स्थित उनके क्लिनिक में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

यूक्रेन के मारियुपोल शहर में गोलाबारी में मारे गए लोगों को दफनाने के लिए सामूहिक कब्र का इस्तेमाल

मारियुपोल। यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी शहर मारियुपोल में रूसी सेना की ओर से पिछले नौ दिनों से किए जा रहे हमलों में मारे गए लोगों को दफनाने के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा सामूहिक कब्र का इस्तेमाल किया जा रहा है। करीब साढ़े चार लाख की आबादी वाले इस शहर के बाहरी इलाकों में कारपेट या बैग में लिपटे शवों को लगभग 25 मीटर (80 फुट) लंबी एक गहरी खाई में दफनाया जा रहा है। इस कार्य में जुटे हुए शहर के कार्यकर्ताओं ने क्रॉस (ईसाईयों के धार्मिक प्रतीक) के चिह्न बनाकर वहां लगाए। इस सामूहिक कब्र में मंगलवार से लेकर अब तक 70 से अधिक शवों को दफनाया जा चुका है। सामूहिक कब्र का दौरा करने वाले समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकार के मुताबिक इसमें दफनाए गए आधे से अधिक लोगों की मौत भारी गोलाबारी की चपेट में आने के कारण हुई है। जबकि अन्य लोगों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। शहर के मौजूदा हालात के कारण प्रशासन को शवों को दफनाने के लिए कब्र नहीं मिलने के कारण ऐसा किया गया। मारियुपोल शहर में पिछले 48 घंटों में कम से कम आठ बड़े हवाई हमले हुए हैं, जिनमें बच्चों के एक अस्पताल और केंद्रीय अग्निशमन विभाग को निशाना बनाया गया है।

कीव में सैन्य पुजारी रोती हुई महिला को सांत्वना देते हुए।

यूक्रेन में अस्पताल पर हमले में तीन लोगों की मौत, 17 घायलः अधिकारी

भाषा। मारियुपोल

यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल में बुधवार को एक अस्पताल पर हुए रूस के हवाई हमले में एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा 17 अन्य घायल हो गए। नगर परिषद के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिणी बंदरगाह शहर में हुए हमले में गर्भवती महिलाएं और डॉक्टर घायल हो गए तथा बच्चे मलबे में दब गए। राजधानी के पश्चिम में एक अन्य शहर के दो अस्पतालों पर भी बम गिराए जाने की खबर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने दो सप्ताह पहले रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से चिकित्सा केंद्रों पर 18 हमलों की पुष्टि की है। इस बीच, रूस की सेना ने यूक्रेन के शहरों की घेराबंदी और तेज कर दी है। इस बीच, तुर्की बृहस्पतिवार को दोनों पक्षों के बीच अब तक की उच्च स्तर की वार्ता की मेजबानी कर रहा है। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और उनके यूक्रेनी समकक्ष दिमित्रो कुलेबा के बीच बैठक स्थाई संघर्षविराम के द्वार खोल देगी। लेकिन कुलेबा ने कहा कि उन्हें ज्यादा उम्मीद नहीं है।

उप गृह मंत्री वादिम देनिसेंको ने कहा कि वार्ता से पहले कीव के पश्चिमी क्षेत्र में तोपखाने से गोले दागे जाने की आवाज सुनी गई। यूक्रेनी टीवी चैनल राडा को बताया कि राजधानी के बाहरी इलाके में लोगों के लिए एक कठिन रात थी जब रूसी सेना ने सैन्य स्थलों को निशाना बनाना शुरू किया लेकिन फिर आवासीय क्षेत्रों को भी चपेट में ले लिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को मारियुपोल में एक चिकित्सा परिसर पर हुए हमले में एक लड़की सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा कम से कम 17 लोग घायल हो गए।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील देशों की मदद के लिए जल्द दिए जाएंगे 100 अरब डॉलरः अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका के जलवायु दूत जॉन कैरी ने कहा कि उन्हें लगता है कि विकसित देश इस साल जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील देशों की मदद के लिए सालाना 100 अरब डॉलर देने के अपने वादे को अंततः पूरा कर सकते हैं और अगले साल तो इस लक्ष्य को निश्चित ही प्राप्त कर लिया जाएगा। विकसित देशों ने 2009 में कोपेनहेगन में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु शिखरवार्ता में विकासशील देशों को तापमान में वृद्धि से निपटने में मदद के लिए कोष प्रदान करने के इस लक्ष्य को 2020 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया था और वे कम से कम दो साल पीछे हैं। कैरी ने सतत शांति और सुरक्षा के लिए जलवायु वित्तपोषण पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनौपचारिक बैठक में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद के लिए अमेरिका की वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंडोनेशिया में माउंट मेरापी ज्वालामुखी में कई बार विस्फोट, 250 लोगों को निकाला

योग्याकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया में माउंट मेरापी ज्वालामुखी फटने से करीब 250 निवासियों को अस्थाई आश्रयस्थलों में शरण लेनी पड़ी और आसपास के गांवों तथा शहरों में ज्वालामुखी की राख की चादर बिछ गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने एक बयान में कहा कि घनी आबादी वाले जावा द्वीप पर ज्वालामुखी में से कम से कम सात बार लावा निकला और पांच किलोमीटर तक के क्षेत्र में फैल गया। ज्वालामुखी फटने की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी जा सकती थी। 253 लोगों को निकालकर योग्याकार्ता विशेष प्रांत और मध्य जावा के क्लातेन जिले में ग्लागाहार्जो और उम्बुल्हार्जो में अस्थाई शिविरों में पहुंचाया गया। मुहारी ने बताया कि ज्वालामुखी फटने से निकली राख आसपास के कई गांवों और शहरों तक फैल गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया की भूगर्भशास्त्र और ज्वालामुखी विज्ञान अनुसंधान एजेंसी ने कहा कि मेरापी पर रह रहे निवासियों को घटनास्थल से सात किलोमीटर दूर रहने की सलाह दी गई है और उन्हें लावा से पैदा हुए खतरे की जानकारी होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि माउंट मेरापी इंडोनेशिया में सक्रिय 120 से अधिक ज्वालामुखियों में से सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी है।

पुलिस ने इस्लामाबाद स्थित उत्तर कोरिया दूतावास पर छापा मारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी में पुलिस ने बड़ी मात्रा में शराब रखे होने की सूचना पर इस हफ्ते के शुरू में उत्तर कोरिया के दूतावास पर छापा मारा था। इसके बाद राजनयिक मिशन ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था और इसे विएना सम्मेलन का उल्लंघन करार दिया था। पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने बृहस्पतिवार को दूतावास पर पुलिस के छापे के लिए माफी मांगी और इसे गलतफहमी के कारण उपजी घटना बताया। हम (उत्तर कोरियाई मिशन से) माफी मांगते हैं और जो भी हुआ गलतफहमी में हुआ।

उनकी टिप्पणी से कुछ घंटे पहले उत्तर कोरिया के दूतावास ने विदेश मंत्रालय को एक पत्र लिखकर कहा था कि इस्लामाबाद पुलिस ने विएना सम्मेलन का उल्लंघन किया है। द न्यूज़ दैनिक में छपी खबर के मुताबिक, विदेश कार्यालय और इस्लामाबाद पुलिस को लिखी चिट्ठी में दूतावास ने कहा कि पुलिस सात मार्च को स्थानीय समयनुसार शाम पांच बजे पिछले दरवाजे से उसके परिसर में घुसी और उसके कर्मियों का उत्पीड़न किया। पत्र में दावा किया गया है कि पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने वाले कर्मियों को बंदूक से धमकाया और दूतावास की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया।

इसके जवाब में विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस्लामाबाद पुलिस को सूचित किया गया है कि उनके पास बिना इजाजत के दूतावास परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। पुलिस को बता दिया गया है कि वह विदेश कार्यालय की मंजूरी के बिना अगली बार ऐसे छापा नहीं मार सकते हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने माना कि उसके अधिकारी उत्तर कोरिया के दूतावास में घुसे थे और उसने इसके लिए माफी मांगी है। इस्लामाबाद पुलिस के प्रवक्ता के मुताबिक, कानून तोड़ने वाले पुलिस कर्मियों को कड़ी सज़ा का सामना करना पड़ेगा।

परमाणु वार्ता समाप्त होने का समय निकट आने के बीच ईरान ने दिए मिले-जुले संकेत

भाषा। दुबई

विश्व की शक्तियों के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत समाप्त होने का समय निकट आने के बीच ईरान ने इसे लेकर बृहस्पतिवार को मिले-जुले संकेत दिए। ईरान के राष्ट्रपति ने वार्ता का बचाव किया, लेकिन देश के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने इस गतिरोध के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया। ईरान और चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी व यूरोपीय संघ के बीच 2015 में परमाणु समझौता हुआ था, लेकिन 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते से अपने देश के बाहर निकलने की घोषणा कर दी, जिसके बाद समझौता अधर में लटक गया था।

इस समझौते को लेकर वियना में अप्रत्यक्ष वार्ता के दौरान इसमें अमेरिका को पुन: शामिल करने और ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर प्रतिबंध फिर से बहाल करने के लिए राजी करने का प्रयास किया गया। हालिया दिनों में पश्चिमी राजनयिकों ने संकेत दिए कि वार्ता अपने निष्कर्ष तक पहुंच गई है और अंतिम फैसला ईरान को करना है। ईरान की शक्तिशाली सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने बृहस्पतिवार तड़के एक ट्वीट करके इस गतिरोध के लिए अमेरिका को दोषी ठहराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, ईरान की सैद्धांतिक मांगों को लेकर अमेरिका का रुख, उसके अनुचित प्रस्ताव और जल्दबाजी में समझौते करने का अनुचित दबाव यह दर्शाता है कि अमेरिका की एक ऐसा मजबूत समझौता करने में दिलचस्पी नहीं है, जो दोनों पक्षों को संतुष्ट करता हो। इसके कुछ ही देर बाद देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा, सरकार सर्वोच्च नेता द्वारा तय ढांचे के जरिए बातचीत कर रही है और वह घोषित की गई किसी भी लाल रेखा से न तो पीछे हटी है और ना ही हटेगी।

ईरान की असैन्य सरकार सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के तहत काम करती है और हर मामले में अंतिम फैसला करने का अधिकार उन्हीं को है। इससे पहले वियना में रूस के राजदूत मिखाइल उलियानोव ने पत्रकारों से बुधवार को कहा, संभवत: इसे कल अंतिम रूप दिया जाएगा, शायद ऐसा हो, लेकिन पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इससे पहले, वार्ता जारी होने के बीच ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अंतरिक्ष में दूसरे टोही उपग्रह को प्रक्षेपित किया। आईआरएनए की खबर के अनुसार, गार्ड ने बताया कि नूर 2 को पृथ्वी की सहत से 500 किलोमीटर ऊपर निचली कक्षा में घेस्ड उपग्रह प्रक्षेपण यान से पहुंचाया गया।

इरपिन में यूक्रेन के कीव शहर में जमीन पर रखा हुआ कैलिबर गोला बारूद।

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री नीरज कुमार** पुत्र स्वर्गीय कृष्ण चंद्र एक संपत्ति/दुकान संख्या-34, क्षेत्रफल 24.5 वर्ग गज, स्थित अनाज मंडी बहादुरगढ़नगर निगम, तहसील और जिला झज्जर हरियाणा, उपरोक्त संपत्ति कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड द्वारा बंधक प्रस्तावित है, उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज़ मूल बिक्री विलेख दिनांक 25.03.1980 क्रमांक संख्या 1694 कही खो गए है, और एल.आर. नं 203844/2022 पर 09.03.2022 को दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज किया गया है।
यदि किसी व्यक्ति(ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8076188328

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of HDFC Bank Ltd. that Mr. Sahil Garg is the owner of Commercial Shop No. 01, Ground Floor, area measuring 17.84 sq. mtrs., in Block-C/5-6, specified for Atta-Chakki, situated in the layout plan of Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi "the said property" by virtue of Conveyance Deed dated 20.01.2017, registration No. 817, Presently he is not having Original Relinquishment deed dated 12.11.2015, Registration No. 13492, All persons are hereby informed that Mr. Sahil Garg want to take a Loan facility from HDFC Bank Ltd., against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Sahil Garg in respect of the said property its Sale /Mortgage/Litigation, & any kind of objection kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

राहतकारी है दर्द से ध्यान हटाना

मोनिका भिड़े लिखती हैं कि कभी-कभी ध्यान हटाना ही वह क्रिया होती है जो आपके ठीक होने के लिए आवश्यक होती है, लेखिका साझा करती हैं कि कैसे क्लूनी उनके उद्धारक बन गए थे

ऐसा लगा था कि सौवीं बार मैं उसी डॉक्टर के कार्यालय में मौजूद हूं। जैसा कि मैंने झक सफेद दीवारों और व्यापक-बाजार कला को देखा, मुझे पता था कि मेरा डॉक्टर, अपनी बात शुरू करते ही, मेरे गंभीर पुराने दर्द के बारे में क्या कहेगा। उसने कहा, ''मुझे माफ करें। मैं और अधिक कुछ नहीं कर सकता।'' जैसे ही मैंने दर्द से फुसफुसाते हुए और कुर्सी पर थिरकते हुए कहा। ''आप अपने दिमाग को कहीं और लगाने की कोशिश क्यों नहीं करते? यह मदद कर सकता है '' फिर, उन्होंने मुझे दर्द निवारक दवाओं का एक और नुस्खा लिखा।

मैं चिढ़ और निराश होकर उनके कार्यालय से निकल आई। मैंने सोचा कि बस अपने दिमाग को इससे बाहर निकालूं। जरूर। मानो इसके साथ आए दर्द और तनाव को नजरअंदाज करना इतना आसान था। मैं अपनी कार में बैठी और अपने फोन की तरफ देखा। मैंने एक ट्वीट देखा कि जॉर्ज क्लूनी वाशिंगटन, डीसी में शरणार्थियों की मदद के लिए काम कर रहे थे। मेरे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक व्यावहारिक रूप से मेरे पड़ोस में था। यह पहली बार था जब मैं पूरे दिन मुस्कुराई थी।

तब, मेरा पाककला-लेखन व्यक्तित्व हावी होता दिख रहा था। मैंने ट्वीट किया, ''मैं जॉर्ज क्लूनी के लिए दोपहर का भोजन बना सकती हूं या नहीं।'' प्रतिक्रिया त्वरित और आनंदमय थी। मेरे दोस्त सवालों व चुटकुलों से झूम उठे। कुछ ही मिनटों में, मुझे एक प्रमुख प्रकाशन से एक ईमेल प्राप्त हुआ। ''यदि आप जॉर्ज के लिए खाना बना रही हैं, तो क्या हम अंदर आ सकते हैं और इसके बारे में एक कहानी कर सकते हैं?'' उस प्रतिक्रिया ने मुझे हंसा दिया। कौन सोचने के लिए इतना पागल था कि मैं, एक अधपकी पकवान लेखिका, कभी जॉर्ज जैसे करिश्माई व्यक्तित्व के लिए भोजन पकाऊंगी! फिर भी ट्वीट ने वही किया जो डॉक्टर ने सुझाया था: इसने मेरे ध्यान को मेरे पुराने दर्द से दूर हटा दिया। कुछ मिनटों के लिए, मैं वास्तव में (दर्द रहित) खुद को पुन: दर्द रहित महसूस कर रही थी।

तब से, हर बार जब मैं दर्द से जूझती थी, मैं फेसबुक की ओर जाती थी। मैं अपने जॉर्ज क्लूनी भ्रम के बारे में एक अपडेट पोस्ट करूंगी। मेरे ऑनलाइन मित्र केवल साथ खेलने को लेकर बहुत खुश थे। ''मैंने क्लूनी से संपर्क करने की कोशिश की। मुझे अपने लोगों को उस विषय पर रखने के लिए कहा गया था। मैंने कहा हां, बिल्कुल। अब मुझे लोगों की जरूरत है। अंदर कौन है? '' मैंने लिखा।

''मुझे सूचित किया गया कि उम्मीद है कि क्लूनी बेतरतीब ढंग से मेरी नावेल को चुन लेगा और इसे पसंद करेगा और सभी को इसे खरीदने के लिए कहेगा, यह एक यथार्थवादी पुस्तक विपणन योजना नहीं है। लानत है। अब क्या?!''

अपने क्लूनी जुनून से पहले, मैंने ज्यादातर व्यंजन, अपने बच्चों व एक माँ और लेखक के रूप में अपने जीवन के बारे में पोस्ट किया था। इन ऑफ-ब्रांड पोस्ट ने मेरे दोस्तों को अश्चर्यचकित और प्रसन्न किया और जल्द ही उनका अनुसरण किया जाने लगा। अन्य महिला लेखकों व पाठकों ने मेरे द्वारा पोस्ट की गई बातों का मजाक में जवाब देना शुरू कर दिया। अपने तरीके से, मेरे दोस्तों के माध्यम से, जॉर्ज मुझे वही ध्यानभंग दे रहा था जो डॉक्टर ने निर्धारित किया था।

तब मेरी पूरी दुनिया दुर्घटनाग्रस्त हो गई, और जीवन वो बन गया जिसे केवल एक देशी संगीत गीत के रूप में वर्णित किया जा सकता है : मेरे पति के लिए एक बड़ा चिकित्सा संकट आया और वह कुछ महीनों के लिए कोमा में था। मैंने चौबीसों घंटे उसकी देखभाल की, किसी और चीज पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, आईसीयू में भयानक रातें बिताईं। भगवान की कृपा से, जब वह उठा तो उसे लकवा नहीं हुआ था, और उसे ठीक होने की लंबी प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक पुनर्वसन सुविधा में स्थानांतरित कर दिया गया था।

लेकिन सृष्टि ने मेरे साथ अभी तक पूरी तरह बस नहीं की थी। एक रात जब मैं अस्पताल से लौट रही थी, मेरी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एक बार जब मुझे एहसास हुआ कि मैं ठीक हूं, तो मैं फुटपाथ पर बैठ गयी और रोने लगी। मैंने अपने लिए कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। कौन करता है? लेकिन दुर्घटना ने मुझे एहसास दिलाया कि जीवन कितना नाजुक है और मैं अपनी कहानी को इस तरह समाप्त नहीं करना चाहती थी। मेरे पास जो कुछ था, उसके लिए पर्याप्त आभारी महसूस नहीं करने के लिए मैंने रोया, और फिर भी मैं जो जीवन चाहती थी उसे पाने के लिए पर्याप्त बहादुर नहीं थी।

मेरा पति ठीक हो गया, लेकिन मेरा जीवन, जैसा कि मैं जानती थी, बिखर गया। चौबीस साल की मेरी शादी दिल तोड़ने वाली थी जो परस्पर तलाक में तब्दील हो गयी। अंतहीन बिलों के दबाव में मेरा वित्तीय ढांचा चरमरा गया, और एक खाली बैंक खाते ने मुझे तेजी से घूरा था। मेरा 15 साल का फ्रीलांस व्यवसाय बैठ गया क्योंकि मैं इस पर कोई ध्यान नहीं दे सकी, जबकि मैं अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता: अपने परिवार की ओर बढ़ रही थी। मैं सचमुच वो सब कुछ महसूस कर सकती थी, जिसे मैंने जाना था और जिसने मेरे विश्वास प्रणाली की नींव को तोड़ दिया था। कुछ दिनों में बस हर सुबह उठने की भारी थकावट अपना असर दिखा रही थी।

मेरी फेसबुक जाति ने जान लिया। कैसे, मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि जो चीज मजाक के रूप में शुरू हुई थी वह जीवन रेखा बन जाएगी। मैंने कहीं भी तलाक का जिक्र नहीं किया था, लेकिन वे मेरी पोस्ट से समझ सकते थे कि कुछ गड़बड़ है। और वे ठीक-ठीक जानते थे कि मुझे फिर से बेहतर महसूस करने के लिए क्या चाहिए। ''अरे, क्या आपने जॉर्ज को डैड बनते देखा है?'', ''अरे, मैं कोमो झील गया और आपके लिए इस संभावित विला की तस्वीरें लीं, जिसमें शायद जॉर्ज रहते थे।''

अब, रोने और चिंता करने के बजाय, जब कभी भी यह सब बहुत अधिक लगा, मैं जॉर्ज की ओर रुख कर लेती थी । एक फिल्म स्टार पर फिदा होने की यह खूबसूरत फंतासी - जिसमें मेरे आस-पास के सभी लोग शामिल होने के लिए तैयार थे - न केवल एक ध्यानभंग थी, बल्कि मेरा अपने दोस्तों के साथ निरंतर चलने वाला एक मजाक थी। यह उनके लिए मुझे हंसाने और मुझे यह बताने का एक तरीका था कि वे मेरे बारे में सोच रहे थे और वो भी उस दर्द की गंभीरता की परवाह किए बिना जिसे मैं शारीरिक और भावनात्मक रूप में महसूस कर रही थी। प्रत्येक 'जॉर्ज प्रहसन' एक छोटी सी जीवन रेखा थी जिसने मुझे दिखाया कि लोगों ने मेरी परवाह की और मुझे ताकत दी।

> एक रात जब मैं अस्पताल से लौट रही थी, मेरी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एक बार जब मुझे एहसास हुआ कि मैं ठीक हूं, तो मैं फुटपाथ पर बैठ गयी और रोने लगी। मैंने अपने लिए कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। कौन करता है? लेकिन दुर्घटना ने मुझे एहसास दिलाया कि जीवन कितना नाजुक है और मैं अपनी कहानी को इस तरह समाप्त नहीं करना चाहती थी। मेरे पास जो कुछ था, उसके लिए पर्याप्त आभारी महसूस नहीं करने के लिए मैंने रोया, और फिर भी मैं जो जीवन चाहती थी उसे पाने के लिए पर्याप्त बहादुर नहीं थी।

वास्तविक जीवन में, मैंने नौकरी तलाशने लगी, और एक महान टेक कंपनी के साथ काम करने का मौका पाया। मैंने सोचा शायद, बस अब शायद, हम सब ठीक हो जाएंगे। फिर महामारी ने दस्तक दी। अचानक, एक बिल्कुल नई कॉर्पोरेट नौकरी, और एक टूटा हुआ दिल, टाउनहाउस में अलग-थलग, पास में करीबी दोस्तों या परिवार के बिना, मैं दो बच्चों वाली एक तलाकशुदा 50 वर्षीय एकल मां थी।

सबसे पहले, मैंने अपने घबराए हुए दिमाग से तर्क करने की कोशिश की। लेकिन सच कहूं तो मैं पहले से भी ज्यादा डरी हुई थी। मैं एक नया अकेला व्यक्ति थी जो भविष्य के बारे में चिंतित था। अंत में, मैंने फेसबुक पर पोस्ट किया: ''मुझे डर और अकेला महसूस होता है।'' और अचानक बाढ़ के द्वार खुल गए। अब यह सिर्फ दोस्त नहीं थे, बल्कि कई बार जिन लोगों को मैं नहीं जानती थी-मेरी किताबों के पाठक-मेरी दीवार पर जॉर्ज क्लूनी के बारे में चित्र और कहानियां पोस्ट करते थे। ''अरे, क्या आपने देखा कि आपका प्रेमी एएआरपी पत्रिका के कवर पर है? '' / ''एंडी बोरोविट्ज ने अपनी तस्वीर सिर्फआपके लिए पोस्ट की होगी।'' / '' मैं आपके बारे में सोचे बिना जॉर्ज क्लूनी की फिल्म नहीं देख सकता।''

लोगों ने मेरी और जॉर्ज की फोटोशॉप्ड तस्वीरें लीं। फिल्म के पोस्टर सितारों को जॉर्ज और मेरे साथ बदल दिया गया था। क्लूनी के बारे में एक पाठक ने मीया बुक भेजी। अपने उपन्यास को लिए हुए और एक पुरुष सहकर्मी के बगल में खड़ी मुद्रा में मेरी एक नेशनल प्रेस क्लब की तस्वीर - मेरी और मेरे सेलिब्रिटी क्रश की नकली छवि बन गई।

मुझे उनके जुड़वां बच्चों, उनकी पत्नी, जीक्यू में उनके साक्षात्कार, उनके नेस्प्रेस्सो विज्ञापनों, उनकी टकीला, उनकी सर्जरी, उनके कुएं के बारे में दैनिक संदेश मिलते थे, कि आप इसे नाम दें। हर बार जब उसने कोई कदम उठाया, तो मेरी फेसबुक जाति को मुझे सूचित करना पड़ा। '' जॉर्ज यहां बोस्टन में शूटिंग कर रहे हैं। आओ घूम जाओ!''

बेशक, मुझे संदेश भेजने वाला कोई भी असलियत में विश्वास नहीं करता था कि जॉर्ज और मैं कभी मिलेंगे। तो, यह गहन 'जॉर्ज इज योर बैक' भावना क्या थी जो इंटरनेट की गति से मुझ पर बरस रही थी? फिर यह मुझ पर छा गयी : यह कोविड-19 के काल में प्यार था। मेरी जमात मुझ पर उसी तरह से प्यार बरसा रही थी जिस तरह से वे जानते थे : मुझे उनके पोस्ट, उनके ट्वीट्स, उनके ईमेल, नकली छवियों, किताबों, ग्रंथों के माध्यम से मुझे परिकथाओं में विश्वास रखना सिखाकर। मैंने अपनी शारीरिक पीड़ा को दूर करने के लिए जो कल्पना की थी, वह अब मेरे मस्तिष्क को अकेले महसूस करने की मानसिक थकान से ध्यान हटा रही थी। और यह सिर्फ मुझे प्यार और सांत्वना देने के बारे में नहीं था, मुझे पता है कि पोस्ट पोस्टकर्ताओं की भी मदद कर रहे थे। यह मेरे लिए जितना विचलित करने वाला था, उनके लिए भी यह एक ध्यानभंग था। उन्होंने प्रत्येक पोस्ट में प्यार और विचार डाला - मेरे जन्मदिन की पोस्ट में क्लूनी था, मेरी सुखद पोस्ट में क्लूनी इमोजी प्रतिक्रियाएं थीं।

तब मेरे बड़े बेटे ने जॉर्ज के बारे में सारी पोस्ट पढ़ीं और कहा, ''मां, हमें जॉर्ज क्लूनी की इस सारी सामग्री के बारे में बात करने की जरूरत है।'' सबसे पहले, मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई, और मैंने एक अप्रिय बातचीत के लिए खुद को तैयार किया। शायद उसे उस मूर्खता पर शर्म आ रही थी जिसमें उसकी मां लिप्त थी। ''मां, आपको वास्तव में किसी और को चुनना होगा। जॉर्ज क्लूनी आपके लिए बहुत बड़े हैं।'' मुझे बहुत जोर से हंसी आई! जॉर्ज सिर्फ वो ध्यानभंग था, जिसकी मुझे दर्द से निपटने के लिए आवश्यकता थी। उन्होंने मुझे और मेरे समुदाय के साथ इस ''भाषा'' को रचकर मुझे ताकत दी। एक तरह से, जॉर्ज वही थे जो डॉक्टर ने आदेश दिया था - यानी ध्यान भंग।

लेखिका अमेरिका स्थित पुरस्कार विजेता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के साथ 10 पुस्तकों लिखी हैंऔर न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट के लिए संस्कृति पर आधारित लेख लिखती हैं।

स्वप्न जैसा अस्तित्व

अजीत कुमार बिश्नोई का कहना है कि सपने जैसा अस्तित्व पाने के लिए आवश्यक अवस्था की प्राप्ति हेतु बहुत कुछ करना पड़ता है

क्या हम सभी एक स्वप्न-समान अस्तित्व का सपना नहीं देखते हैं? मैं भी करता हूँ। लेकिन, फिर, इसे दिवास्वप्न कहा जाएगा, यदि यह उस स्वप्न अवस्था को प्राप्त करने के लिए आवश्यक चीजों से समर्थित नहीं है।

पहला प्रश्न जो हमें स्वयं से पूछना चाहिए, वो यह है कि हम स्वप्न-समान अस्तित्व को क्या मानते हैं और फिर, इस स्वप्न जैसी अवस्था को प्राप्त करने में क्या कठिनाइयां हैं? सबसे पहले, मुझे बहुत दृढ़ निश्चयी होना होगा, मेरी इच्छाशक्ति में कोई भी कमी नहीं होनी चाहिए। इन इच्छाओं को पूरा करना बहुत मुश्किल है, अगर बिल्कुल भी। उनमें से एक भी लंबा क्रम होगा। और मुख्य कठिनाइयों में से एक 'अहंकार' (अहंकार) को छोड़ना होगा। ऐसा करने में शायद ही कोई सफल हो पाता है, क्योंकि 'अहंकार' ही हममें से अधिकांश को परिभाषित करता है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में कई बार अहंकार छोड़ने की बात कही है, जिसमें आखिरी बार का 18.58 श्लोक भी शामिल है, जब उन्होंने अर्जुन को नष्ट होने की चेतावनी दी थी, अगर वह इसके प्रभाव में कार्य करना जारी रखता है। भगवान को मदद करनी होती है। ऐसा कोई उपाय नहीं है कि ऐसी इच्छाएं स्वयं पूरी हो सकें। और निश्चित रूप से, हमें उनके योग्य होना होगा।

तो, इस लगभग असंभव लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कोई कैसे आगे बढ़ता है? पहली आवश्यकता परिवर्तन की इच्छा होनी चाहिए। अगर हम जिस तरह से जा रहे हैं, वैसे ही चलते रहते हैं तो हम कभी भी स्वप्न जैसी स्थिति में नहीं जा सकते। बदलना स्वयं को अस्वीकार करना नहीं है, यह स्वयं में सुधार करना है। मेरा विश्वास करें, हम सभी को बेहतर स्थिति में आने के लिए बहुत से बदलाव करने/स्वीकार करने की आवश्यकता है। हमारा दृढ़ संकल्प/इच्छाशक्ति मदद करेगी। अच्छा स्वास्थ्य एक और शर्त है, क्योंकि खराब स्वास्थ्य में आवश्यक 'तपस्या' अकल्पनीय है। इस दिशा में सारे बलिदान किए जाने की आवश्यकता है। हमें कर्तव्यपरायण होना चाहिए, क्योंकि हम सभी कर्तव्यपरायण होने के लिए बनाए गए हैं। ये समय, स्थान और परिस्थितियों से निर्धारित होते हैं और हमेशा हमारी क्षमताओं/योग्यताओं के भीतर रहेंगे। वास्तव में, हम, मनुष्य, केवल कर्तव्यों को करने तक ही सीमित हैं। कुछ भी अधिक नहीं किया जा सकता है

या हमसे अधिक की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

> भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में कई बार अहंकार छोड़ने की बात कही है, जिसमें आखिरी बार का 18.58 श्लोक भी शामिल है, जब उन्होंने अर्जुन को नष्ट होने की चेतावनी दी थी, अगर वह इसके प्रभाव में कार्य करना जारी रखता है। भगवान को मदद करनी होती है। ऐसा कोई उपाय नहीं है कि ऐसी इच्छाएं स्वयं पूरी हो सकें। और निश्चित रूप से, हमें उनके योग्य होना होगा।

भगवान उन्हें प्यार करता है जो सही ढंग से कर्तव्यपरायण होते हैं। जो कि : मुझे वही करना होगा जो मुझे करना चाहिए। यह रवैया उस हानिकारक अहंकार को भी दूर कर देता है, जो हमें अपने बारे में गलत धारणा देता है। भगवान उनसे भी ज्यादा प्यार करते हैं जो 'धर्म' का पालन करते हैं, जो हम सभी के लिए निर्धारित सीमा का पालन करने के लिए सहमत हैं, अर्थात हमेशा 'मर्यादा' द्वारा निर्देशित होने के लिए।

हमें हर तरह से अच्छा बनना चाहिए, जिसमें अच्छे लोगों की संगति भी शामिल है, और हम जानते हैं कि अच्छा होने का क्या मतलब है। निश्चित रूप से, परिवार के सदस्यों के साथ हमारे संबंध अच्छे हो जाएंगे, क्योंकि हम जो बोते हैं वही काटते हैं। दूसरों को समझना, उनकी सराहना करना, छोटे-मोटे अपराधों को क्षमा करना, दूसरों को अद्वितीय पैकेज के रूप में स्वीकार करना जैसे हम सभी बहुत मदद करेंगे। हमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बहुत सहायता की आवश्यकता है क्योंकि हम जो जानते हैं या जान सकते हैं उसमें हम सीमित हैं। और आध्यात्मिकता के मामले में, हमें भगवद गीता जैसे एक प्रामाणिक ग्रंथ का उल्लेख करना चाहिए ताकि भगवान से दूर न हो, जो कि नितांत आवश्यक है, अगर हमें स्वप्न जैसी स्थिति प्राप्त करनी है। क्यों? क्योंकि वह नियंता है।

आपको लगता है कि आप चुनौती के लिए तैयार हैं? मैं हूं। इसलिए कोशिश कर रहा हूं। मुझे पता है कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मुझे कई जीवन लगेंगे, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ूंगा, मुझे इसकी झलक मिलती रहेगी। क्या आप विश्वास करेंगे कि मेरा डर कम हो गया है? मैं डर को कम किए बिना बहुत बेहतर महसूस करता हूं।

- बिश्नोई आध्यात्मिक लेखक हैं।

राज्य का पुनर्निर्माण

प्रमोद पाठक

शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांत में राज्य शब्द की कई परिभाषाएं हैं। लेकिन मूल अवधारणा यह है कि यह एक समुदाय या समाज है जो किसी दिए गए क्षेत्र के भीतर एक स्वतंत्र सरकार के तहत राजनीतिक रूप से संगठित होता है और उस क्षेत्र पर अपना नियंत्रण रखता है। देश भी एक राज्य के विचार के अंतर्गत आता है और इसे एक वैध प्राधिकरण द्वारा शासित माना जाता है। हालांकि, वैधता कुछ तर्कसंगत कानूनी साधनों के माध्यम से हासिल की जाती है। राज्य को अपने मामलों के व्यवस्थित व उचित प्रबंधन के लिए बनाई गई मशीनरी खरीदने के लिए शासित किया जाता है। सुव्यवस्थित कामकाज की बुनियादी शर्तें कानूनी, सामाजिक और नैतिक संहिताएं हैं, जिन्हें शासन के ढांचे में निहित किया गया है जिसे संविधान कहा जाता है। इस प्रकार राज्य एक स्वतंत्र, उद्देश्यपूर्ण व उत्तरदायी मशीनरी द्वारा संचालित सत्ताधारी इकाई है जिसमें मनुष्य शामिल हैं। मूल दो शब्दों में है - उत्तरदायी और मानव। संवेदनशील होना और इंसान होना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यदि राज्य तंत्र उत्तरदायी है तो वह स्वाभाविक रूप से दिल, दिमाग और आत्मा वाला मानव होगा। दिमाग वस्तुनिष्ठता, हृदय भाव और आत्मा को नैतिकता देता है।

तीनों का संयोजन मशीनरी को उत्तरदायी बनाता है। यह मशीनरी एक नौकरशाही द्वारा चलाई जाती है जो राज्य का मुख्य तंत्र है। यह उपकरण बाहरी प्रभावों व पूर्वाग्रहों से मुक्त, स्वतंत्र और तटस्थ माना जाता है। प्रबंधन सिद्धांत में, नौकरशाही तंत्र की स्वतंत्रता और तटस्थता के बारे में संदेह उठाया गया है और नौकरशाही का वर्णन करने के लिए नौकरशाही शब्द दिया गया है जो तटस्थ और स्वतंत्र नहीं है। यह मैक्स वेबर थे जिन्होंने सबसे पहले नौकरशाही के विचार को एक राज्य की सरकार चलाने के लिए एक उपकरण के रूप में देखा था। लेकिन वह इस बात से बेखबर थे कि नौकरशाही नियत समय में ब्यूरोपैथिक प्रवृत्तियों को प्राप्त कर सकती है। इस पृष्ठभूमि में यह जांच करने की जरूरत है कि इस तंत्र की स्थिति क्या है। सिर्फ भारत में ही नहीं, कहीं और भी। कई गंभीर पर्यवेक्षकों के लिए राज्य को अनुचित और पक्षपातपूर्ण बनाने के लिए ब्यूरोपैथिक प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। हालांकि राज्य को निष्पक्ष व उत्तरदायी बनाने के लिए ई-गवर्नेंस की शुरुआत की गई थी, लेकिन चीजों में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। बल्कि, इसने और अधिक कठोर होने का कारण दिया है।

जवाबदेही मानवता का एक गुण है और तकनीक तभी मदद कर सकती है जब मानवीय तत्व निष्पक्ष हो। लेकिन यदि तकनीक इंसानों को चलाती है, तो फ्रेंकस्टीन जैसा राक्षस बनने वाला है। फेसलेस का मतलब हेडलेस और हार्टलेस होना नहीं है। यह वही है जो अत्यधिक तकनीकी हस्तक्षेप बन गया है। मानवीय हस्तक्षेप को प्राथमिक भूमिका दी जानी चाहिए। लेकिन डिजिटलीकरण की हड़बड़ी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अत्यधिक हस्तक्षेप ने व्यवस्था को अलग व उदासीन बना दिया है। यह समय स्थिति का जायजा लेने और प्रौद्योगिकी को वही रहने देने का है, जो वह है। यानी एक सहायता, मनुष्यों का विकल्प नहीं। लेकिन हो क्या रहा है कि तकनीक इंसानों की जगह लेती जा रही है। डिजिटलीकरण का उद्देश्य जवाबदेही होना चाहिए। विश्वास और सशक्तिकरण दो प्रमुख अवधारणाएं हैं जो डिजिटलीकरण को अपने उद्देश्य हासिल करने में मदद कर सकती हैं। भारत जैसे देश के लिए, जहां भौतिक और मनो-सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र अभी भी प्रारंभिक चरण में है, डिजिटलीकरण को धीरे-धीरे तेज करना होगा। और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि डिजिटलीकरण डेटा, सोशल मीडिया और नेटफ्लिक्स के बारे में नहीं है। यह बिल्कुल अलग चीज है। एक उत्तरदायी राज्य निर्मित करने के लिए, जो लाभ प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि डिजिटल इंटरफेस, सिस्टम में एल्गोरिथम के आदेशों का आंख मूंद करके पालन करने के बजाय उसे अधिक सुनने का अवसर देता है। मनुष्य को मशीन चलाने दें, न कि मशीन मनुष्य को।

- पाठक प्रबंधन-प्रोफेसर, लेखक और एक प्रशंसित सार्वजनिक वक्ता हैं।

बल्लेबाजी में नाकामी से हारी भारतीय टीम

आईसीसी महिला विश्व कप, न्यूजीलैंड ने 62 रनों से हराया

भाषा। हैमिल्टन

खराब बल्लेबाजी का खामियाजा एक बार फिर भारतीय टीम को भुगतना पड़ा और न्यूजीलैंड ने आईसीसी महिला विश्व कप के दूसरे लीग मैच में बृहस्पतिवार को उसे 62 रन से हरा दिया। विश्व कप से ठीक पहले भारत को द्विपक्षीय श्रृंखला में हराने वाली न्यूजीलैंड टीम ने उस लय को कायम रखते हुए नौ विकेट पर 260 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को 46 . 4 ओवर में 198 रन पर आउट कर दिया। भारत अब आठ टीमों में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जबकि आस्ट्रेलिया के बाद न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है। भारत के लिए पूजा वस्त्राकर ने 10 ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए और हरमनप्रीत कौर ने 62 गेंद में 71 रन बनाए लेकिन कोई और खिलाड़ी उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं कर सकीं। वस्त्राकर ने न्यूजीलैंड को 300 के करीब जाने से रोका तो हरमनप्रीत को इस पारी से खोया आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी।

संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी झूलन

हैमिल्टन। भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने महिला विश्व कप में सर्वाधिक 39 विकेट के आस्ट्रेलियाई स्पिनर लिन फुलस्टोन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अपने कैरियर का पांचवां विश्व कप खेल रही झूलन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विकेटकीपर कैटी मार्टिन को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। आस्ट्रेलिया के लिए 1982 से 1988 के बीच खेलने वाली फुलस्टोन ने 20 मैचों में 39 विकेट लिए थे जबकि झूलन ने 30वें मैच में इस आंकड़े को छुआ। इंग्लैंड की पूर्व स्पिनर कैरोन अन होजेस के नाम 24 मैचों में 37 विकेट है। दो दशक पहले जनवरी 2002 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली छकड़ा एक्सप्रेस झूलन महिला एक दिवसीय क्रिकेट में भी सर्वाधिक (197 मैचों मे 248 विकेट) विकेट ले चुकी है। वह भारत के लिए 12 टेस्ट और 68 टी20 मैचों में क्रमशः 44 और 56 विकेट ले चुकी है।

न्यूजीलैंड के लिए एमेलिया केर ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए पहले 50 रन बनाए और बाद में नौ ओवर में 56 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उन्होंने भारतीय कप्तान मिताली राज का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया जो 56 गेंद में 31 रन देकर आउट हुई। इसके साथ ही उन्होंने तेज गुगली पर रिचा घोष (0) को पवेलियन भेजा। हरमनप्रीत उनका तीसरा शिकार बनी। तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने 10 ओवर में 17 रन देकर तीन और हेली जेनसेन ने 6.4 ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जीत के लिए 261 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत बेहद खराब रही।स्मृति मंधाना 21 गेंद में छह रन बनाकर आउट हो गई। यस्तिका भाटिया (59 गेंद में 28 रन) और दीप्ति शर्मा (13 गेंद में पांच रन) भी टिक नहीं सकीं। मिताली अपने आखिरी विश्व कप में एक बार फिर कोई यादगार पारी खेलने में नाकाम रही। इसके साथ ही तीन खब्बू बल्लेबाजों को उतारने की कोच रमेश पवार की रणनीति भी समझ से परे थी जबकि न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डेवाइन आफ ब्रेक गेंदबाज फ्रांसिस मैके को नई गेंद सौंप रही थी। खराब फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा को बाहर रखा गया। मैके ने पहले 15 ओवर में रनों का प्रवाह रोकते हुए 27 डॉट गेंदें डाली। भारतीय टीम पिछले एक महीने में न्यूजीलैंड से छह में से पांच वनडे हार चुकी है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरूआती 20 ओवर में दो विकेट खोकर 117 रन बनाए जबकि भारत ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 50 रन ही बनाए। यह फर्क 67 रन का था जिसने मैच की दिशा तय की। यूजीलैंड के लिए एमी सैटर्थवेट ने 75 रन और कप्तान डेवाइन ने 35 रन बनाए।

स्कोरबोर्ड

न्यूजीलैंड पारी : सूजी बेट्स रन आउट 5,डेवाइन का रिचा घोष बो पूजा वस्त्राकर 35,केर पगबाधा बो गायकवाड़ 50,सैटर्थवेट का मिताली बो पूजा वस्त्राकर 75 ग्रीन का स्मृति मंधाना बो दीप्ति शर्मा 27,मार्टिन बो गोस्वामी 41, जेनसेन बो गायकवाड़ I,ताहुहू बो पूजा वस्त्राकर I,केर बो पूजा वस्त्राकर 0, मैके नाबाद 13, रोव नाबाद 2, **अतिरिक्त** : 10 रन, कुल योग : 50 ओवर में नौ विकेट पर 260 रन, विकेट पतन :1-9, 2-54 , 3-121, 4-175, 5-224, 6-233, 7-240, 8-240, 9-255, **गेंदबाजी** : गोस्वामी 9-1-41-1, मेघना8- 0-49- 0, गायकवाड़ 10-0-46-2,वस्त्राकर 10- 0-34 . 4, दीप्ति 8-0-52-I राणा 5-0- 32-0

भारत महिला पारी : भाटिया का मैके बो ताहुहू 28,मंधाना का बेट्स बो जे केर 6 ,दीप्ति पगबाधा बो ताहुहू 5, मिताली स्ट मार्टिन बो ए केर 31, हरमनप्रीत का डेवाइन बो ए केर 71, रिचा बो ए केर 0,राणा का मार्टिन बो ताहुहू 18,वस्त्राकर का डेवाइन बो रोव 6,गोस्वामी बो जेनसेन 15,मेघना नाबाद 12, राजेश्वरी का मार्टिन बो जेनसेन 0, **अतिरिक्त** : छह रन, **कुल योग** : 46 . 4 ओवर मे 198 रन, **विकेट पतन** :1-10, 2-26, 3-50, 4-97, 5-97, 6-127, 7-143, 8 -178, 9-198,गेंदबाजी : मैके 8-1- 25-0,जे केर 7-1-40-1, रोव 6-1-28-I, ताहुहू 10 -2-17-3, जेनसेन 6.4-0-30-2, केर 9-0-56 -3

विकेट खराब नहीं था लेकिन हमारे पास बल्लेबाज ही नहीं बचे थे : मिताली

भाषा। हैमिल्टन

कप्तान मिताली राज ने न्यूजीलैंड के हाथों आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में 62 रन से हार के बाद स्वीकार किया कि शीर्षक्रम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं था और भारत के पास मैच में बने रहने के लिए बल्लेबाज नहीं बचे थे। मिताली ने मैच के बाद कहा , हमारे बल्लेबाजों को खासकर शीर्ष और मध्यक्रम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि दूसरी टीमें 250-260 रन बना रहीं हैं। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था अगर शीर्षक्रम अच्छा प्रदर्शन करता। लगातार विकेट गिरने से काफी दबाव बना और बाद में हमारे पास बल्लेबाज ही नहीं बचे। उन्होंने कहा , पिच में अच्छी उछाल थी लेकिन बल्लेबाजी के लिए यह खराब पिच नहीं थी। उनके तेज गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया लेकिन हम इससे बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे। मिताली ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में मिली जीत के बाद भी यह चिंता जताई थी। पहले मैच में शीर्षक्रम की नाकामी की भरपाई निचले क्रम ने कर दी थी। भारत के गेंदबाजों ने उम्दा प्रदर्शन करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट पर 260 रन पर रोक दिया। मिताली ने कहा , हमारे गेंदबाजों ने आज अच्छा प्रदर्शन किया। शुरूआती विकेट लेने के बाद जिस तरह से वे साझेदारियां बना रहे थे , मुझे लगा कि 270 या 280 रन बना लेंगे। मेजबान कप्तान सोफी डेवाइन ने जीत को टीम प्रयासों का नतीजा बताया। यह मुकम्मिल प्रदर्शन था। हमने अच्छी साझेदारियां बनाई। एमी सैटर्थवेट ने शानदार प्रदर्शन किया। हमने नींव तैयार की और हमें पता था कि यह अच्छा स्कोर है। उन्होंने अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा , गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। फ्रांसिस मैके ने उम्दा स्पिन गेंदबाजी की और ली ताहुहू ने बीच के ओवरों में रनगति रोकी।

यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौटे शतरंज खिलाड़ी अन्वेष उपाध्याय

चेन्नई। भारतीय शतरंज खिलाड़ी अन्वेष उपाध्याय यूक्रेन से अपनी मंगेतर विक्टोरिया इवानोवा के साथ स्वदेश लौट आए हैं। रूस ने लगभग दो सप्ताह पहले यूक्रेन पर हमला कर दिया था। पूर्व राष्ट्रीय रैपिड चैंपियन अन्वेष युद्ध शुरू होने के बाद कई अन्य भारतीयों के साथ यूक्रेन में फंस गए थे। वह कई तरह की बाधाओं को पार करते हुए बुधवार की रात को अपने गृह नगर भुवनेश्वर पहुंच गए। अन्वेष ने कहा कि अब वह भारत में नई जिंदगी की शुरुआत करेंगे।

एडगर मस्करेनहास ओडिशा हॉकी टीम के कोच नियुक्त

भुवनेश्वर। भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एडगर मस्करेनहास को आगामी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए ओडिशा हॉकी टीम का कोच नियुक्त किया गया है। भारत के पूर्व गोलकीपर और दो दशक तक एयर इंडिया से खेलने वाले मस्करेनहास एफआईएच से लेवल - दो के मान्यता प्राप्त कोच हैं। भारतीय टीम ने उनकी मौजूदगी में 1995 के सैफ खेलों में स्वर्ण पदक और इंदिरा गांधी गोल्ड कप में रजत पदक जीता था। उन्होने 1996 के ओलंपिक क्वालीफायर में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

मुंबई विश्वविद्यालय ने काशी विद्यापीठ को हराया

पुणे। मुंबई विश्वविद्यालय ने 28वें नेहरू अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी टूर्नामेंट (अंतरक्षेत्रीय फाइनल) में गुरुवार को यहां मौजूदा चैंपियन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी को 3-2 से हराया। पूल डी के इस मैच में पूर्व क्षेत्र के विजेता और विश्वविद्यालय चैंपियन काशी विद्यापीठ ने तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली थी जब मेइती मोइरंगथेम धनंजय ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। मुंबई ने हालांकि दो मिनट बाद ही मनप्रीत सिंह के गोल से बराबरी कर दी।

क्षितिज नावीद कौल 63 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर

चटगांव। भारत के क्षितिज नावीद कौल ने दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हुए गुरुवार को यहां नौ अंडर 63 का स्कोर बनाया जिससे वह चटगांव ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में पांच पायदान आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। बांग्लादेश के मोहम्मद अक्बर हुसैन (67-66) ने छह अंडर 66 का कार्ड खेला और उन्होंने 50 लाख रुपए इनामी इस प्रतियोगिता के दूसरे दौर के बाद 11 अंडर 133 के कुल स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बनाए रखी। दूसरे दौर के बाद कट पांच ओवर 149 पर गया।

खेलो व फिट इंडिया योजनाओं ने रखी मजबूत भारत की नीव : ठाकुर

नई दिल्ली। खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कौशल भारत, खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी योजनाओं से देश भर के करोड़ों युवाओं को अपने कौशल को निखारने में मदद मिली है और इससे मजबूत भारत की नीव पड़ी है। तीसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव को संबोधित करते हुए ठाकुर ने युवा संसद के विभिन्न दौर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की भी तारीफ की।

श्रीकांत जीते, सिंधू और साइना बाहर

जर्मन ओपन

भाषा। मुएलहेम एन डेर रहर

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बावजूद गुरुवार को यहां जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन महिला एकल में ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू और लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल को हार का सामना करना पड़ा। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने एक घंटे सात मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीन के लू गुआंग झू पर 21-16, 21-23, 21-18 से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला डेनमार्क के ओलंपिक चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसन से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में फ्रांस के तोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-10 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2019 की विजेता और यहां सातवीं वरीयता प्राप्त सिंधू दूसरे

दौर में 55 मिनट तक चले मैच में चीन की कम रैंकिंग की खिलाड़ी झांग ई मैन से 14-21, 21-15, 14-21 से हार गई। फिटनेस से जुड़े मुद्दों से जूझ रही साइना को थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त रतचानोक इंतानोन के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 10-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने दुनिया में 27वें नंबर के गुआंग झू के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 8-3 की बढ़त बनाई, लेकिन लू ने अच्छी वापसी की। ब्रेक तक श्रीकांत 11-10 से आगे थे। इसके बाद एक समय स्कोर 14-14 था। श्रीकांत ने इसके बाद लगातार चार अंक बनाए और फिर पहला गेम अपने नाम किया। श्रीकांत दूसरे गेम में शुरू में पिछड़ने के बाद 15-11 की बढ़त बनाने में सफल रहे, लेकिन लू ने हार नहीं मानी और एक मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में श्रीकांत 10-5 से आगे थे। हालांकि लू ने एक समय स्कोर 15-14 कर दिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही लय पकड़ी और अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना करियर रिकार्ड 3-0 कर दिया। इससे पहले सिंधू के लिए यूरोपीय चरण की शुरुआत निराशाजनक रही। वह अगले सप्ताह से शुरू होने वाली ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में खिताब के दावेदारों में शामिल है। भारतीय खिलाड़ी शुरू में लय हासिल नहीं कर पाई तथा झांग ने पहले 5-5 से बराबरी की और फिर लगातार छह अंक बनाकर 11-5 से बढ़त बना दी। उन्होंने इसके बाद अच्छा खेल जारी रखा और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। सिंधू ने दूसरे गेम में वापसी की। वह ब्रेक के समय 11-10 से आगे थी और इसके बाद उन्होंने यह गेम जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। लेकिन चीनी खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में फिर से लय हासिल की और ब्रेक तक 11-8 से बढ़त बनाने के बाद आगे भी भारतीय खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

एला ने बापटिस्टे को हराया

बीएनपी परीबस ओपन

भाषा। इंडियन वेल्स

क्रोएशिया की एला टोमजानोविच ने अमेरिका की हेली बापटिस्टे को 6-2, 2-6, 6 -2 से हराकर बीएनपी परीबस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने अमेरिका की एलविना कालिएरा को 4-6, 6-2, 7- 6 से हराया। कोरोना महामारी से बाधित होने के बाद यह टूर्नामेंट फिर से मार्च में ही कराया जा रहा है। मार्च 2020 में इसे रद्द कर दिया गया था। पिछले साल इसे अक्टूबर में कराया गया। एक अन्य मैच में अमेरिका की एलिसन रिस्के ने कैटी मैकनाली को 6-0, 6-3 से हराया। केइया कानेपी ने अमेरिका की 17 वर्ष की रॉबिन मोंटगोमेरी को 6-3, 6-3 से मात दी। महिला ड्रॉ में दुनिया की शीर्ष दो खिलाड़ी ऐश बार्टी और बारबोरा क्रेसीकोवा नहीं खेल रही हैं। पुरूष वर्ग में नोवाक जोकोविच नहीं खेल सकेंगे क्योंकि कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण वह अमेरिका में प्रवेश नहीं कर सकते।

टीका नहीं लगवाने वाले जोकोविच नहीं खेलेंगे इंडियन वेल्स, मियामी में

न्यूयॉर्क । बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह इंडियन वेल्स या मियामी में हार्ड कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे क्योंकि उन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है और वह अमेरिका यात्रा नहीं कर सकते। जोकोविच ने ट्वीट किया कि सेंटर्स फोर डिसीज कंट्रोल ने पुष्टि की है कि नियमों में बदलाव नहीं होगा लिहाजा वह अमेरिका में नहीं खेल सकेंगे। जोकोविच ने इस

साल सिर्फ एक टूर्नामेंट दुबई में खेला है और विश्व रैंकिंग में भी वह दूसरे स्थान पर खिसक गए। उन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है जिसकी वजह से वह जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सके थे। इंडियन वेल्स में बीएनपी परीबस ओपन के ड्रॉ में उनका नाम था हालांकि टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा था कि कोरोना टीके की पूरी डोज लेने वालों को ही इसमें खेलने की अनुमति रहेगी।

ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलेंगे पुजारा

भाषा। होव

भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा आगामी इंग्लिश काउंटी सत्र में ससेक्स के लिए खेलेंगे जो टीम में आस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड की जगह लेंगे। क्लब ने बृहस्पतिवार को कहा कि पुजारा ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैच दोनों खेलेंगे। भारत के लिए 95 टेस्ट खेल चुके पुजारा को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है। वह इससे पहले यॉर्कशर और नॉटिंघमशर के लिए इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप खेल चुके हैं। क्लब ने एक बयान में कहा , ट्रेविस हेड ने बढ़ी हुई अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं और अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण अनुबंध से फारिग करने का अनुरोध किया था जो क्लब ने मान लिया है और 2022 सत्र में उनकी जगह चेतेश्वर पुजारा खेलेंगे। पुजारा पहले मैच से पूर्व ही आ जाएंगे और आरएल 50 (राष्ट्रीय एक दिवसीय चैम्पियनशिप) के अंत तक रहेंगे। इंग्लिश काउंटी सत्र सात अप्रैल से शुरू होगा और ससेक्स का पहला मैच 14 अप्रैल को डर्बीशर के खिलाफ है।

वार्न का पार्थिव शरीर मेलबर्न पहुंचा

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न का पार्थिव शरीर गुरुवार को एक निजी जेट से बैंकॉक से उनके गृह शहर मेलबर्न लाया गया। आस्ट्रेलिया के ध्वज में लिपटे ताबूत में वार्न के पार्थिव शरीर को मेलबर्न लाया गया। निजी जेट स्थानीय समयानुसार रात करीब साढ़े आठ बजे यहां उतरा। वार्न का 30 मार्च को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। न्यूज.कॉम.एयू की रिपोर्ट के अनुसार, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट दिग्गज के पार्थिव शरीर को लाने वाला निजी जेट गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे मेलबर्न के एस्सेनडन फील्ड्स एयरपोर्ट पर उतरा। इस विशेष विमान को एक निजी हैंगर में ले जाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है, वार्न की निजी सहायक हेलेन नोलन सहित प्रशंसक और दोस्त निजी विमान का अगुवाई करने के लिए हवाई अड्डे पर थे। इससे पहले बैकॉक में आस्ट्रेलियाई ध्वज में लिपटा ताबूत थाई पुलिस फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट से एम्बुलेंस में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लाया गया। स्पिन के जादूगर वॉर्न का शुक्रवार को थाईलैंड के कोह समुई द्वीप पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह छुट्टियां मनाने के लिए दोस्तों के साथ वहां थे। विक्टोरिया प्रदेश सरकार 30 मार्च को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर राजकीय श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन करेगी। इससे पहले परिवार निजी तौर पर उनका अंतिम संस्कार करेगा। विक्टोरिया के प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज ने सोशल मीडिया पर लिखा , वॉर्नी को जी से बेहतर बिदाई किसी और मैदान पर मिल ही नहीं सकती।

मांकडिंग खेल भावना का मसला और बल्लेबाज की गलती : वार्नर

कराची। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने भले ही नॉन स्ट्राइकर छोर पर गेंद फेंके जाने से पहले बल्लेबाज को आउट करने को अनुचित खेल की श्रेणी से हटा दिया है लेकिन आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का अब भी मानना है कि यह खेल भावना से जुड़ा मुद्दा है लेकिन वह इसे बल्लेबाज की गलती भी मानते है। क्रिकेट कानूनों के संरक्षक, एमसीसी ने रन आउट के इस विवादास्पद तरीके को अनुचित खेल से हटाकर आम रन आउट की श्रेणी में रख दिया है। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच से पूर्व कहा, मेरा अब भी मानना है कि खेल का इतिहास हमें बताता है कि यह खेल भावना से जुड़ा मुद्दा है। आप खिलाड़ियों से ऐसा करने की उम्मीद नही करते है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में हमने ऐसा अधिक देखा है जबकि बल्लेबाज रन के लिए पहले ही आगे निकल जाता है। एक बल्लेबाज के रूप में आपको अपनी क्रीज पर रहना चाहिए। वार्नर ने कहा, इसमें संदेह नही कि यदि आप इस तरह से रन आउट हो जाते है तो यह आपकी गलती है। आपको बताया गया है कि जब तक गेंदबाज के हाथ से गेंद नही छूटती तब तक आपको क्रीज से बाहर नही निकलना है। इसलिए ऐसा नही करें। आम बोलचाल की भाषा में इस तरह के रन आउट को मांकड़िग कहते है। भारत के दिग्गज आलराउंडर वीनू मांकड़ ने 1947 में दो बार आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज बिल ब्राउन को इस तरह से आउट किया था। इसके बाद ही इस तरह के रन आउट को मांकड़िग कहा जाने लगा था।

अभी तक भरोसा नहीं हो रहा है , वॉर्न के निधन पर बोले वॉर्नर

कराची। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कहा है कि महान स्पिनर और हमवतन शेन वॉर्न के निधन पर वह अभी तक भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।वॉर्नर और आस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए बुधवार को यहां पहुंची। वॉर्नर ने कहा , उनका अंतिम संस्कार हम सभी के लिए काफी भावुक पल होगा। हम सभी अभी तक इस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा , बड़ी तादाद में विक्टोरिया के लोग मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर एकत्र होंगे। भारी संख्या में लोग श्रृद्धांजलि देने पहुंचेंगे। उन्होंने कहा , आपने देखा के एमसीजी पर वॉर्न की प्रतिमा पर लोगों ने फूल, सिगरेट और बीयर तक चढाई।

जूनियर बॉक्सर कृष और रवि फाइनल में

एशियाई मुक्केबाजी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज कृष पाल (46 किग्रा) और रवि सैनी (48 किग्रा) ने गुरुवार को जॉर्डन के अम्मान में एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके लड़कों के जूनियर वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। कृष ने थाईलैंड के कांगपी बोखुनथोड के खिलाफ दबदबा बनाकर सर्वसम्मत निर्णय से आसान जीत हासिल की, वहीं सैनी को कजाकिस्तान के बेक्सुल्टन बोरानबेक पर 3-2 से जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा। फाइनल में कृष का सामना ताजिकिस्तान के

अनुशरवोन फाजिलोव से होगा जबकि रवि उज्बेकिस्तान के इलखोमजोन एर्गाशेव से भिड़ेंगे। गुरुवार की रात को सात और भारतीय जूनियर मुक्केबाज - जयंत डागर (54 किग्रा), चेतन (57 किग्रा), यशवर्धन सिंह (60 किग्रा), जैक्सन सिंह लैशराम (70 किग्रा), देव प्रताप सिंह (75 किग्रा), ऋषभ सिंह शिखरवार (80 किग्रा) और गौरव महासके (80 किग्रा से अधिक) लड़कों के वर्ग के सेमीफाइनल में रिंग पर उतरेंगे। भारत के जूनियर मुक्केबाजों ने इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय स्पर्धा में 21 पदक पक्के कर लिए हैं। इनमें लड़कियों में 12 और लड़कों के वर्ग में नौ पदक शामिल हैं। लड़कियों के वर्ग में 11 खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई है। बुधवार देर रात खेले गए महिलाओं के युवा वर्ग के सेमीफाइनल में शाहीन गिल (60 किग्रा), रवीना (63 किग्रा), प्रियंका (66 किग्रा) और मुस्कान (75 किग्रा) ने जीत दर्ज की, लेकिन तनीषा लांबा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), प्रांजल यादव (70 किग्रा) और स्नेहा (81 किग्रा) को हार के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। युवा वर्ग में भारत की सात महिला खिलाड़ी स्वर्ण पदक की दौड़ में हैं। फाइनल 13 और 14 मार्च को खेले जाएंगे।

ब्रिटेन ने अब्रामोविच समेत रूसी धनकुबेरों पर प्रतिबंध लगाया

लंदन। ब्रिटेन ने प्रीमियर लीग फुटबॉल क्लब चेलसी के मालिक रोमन अब्रामोविच समेत रूस के सात और धनकुबेरों पर यात्रा प्रतिबंध लगाकर उनकी संपत्ति फ्रीज कर दी। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि अब्रामोविच की संपत्ति फ्रीज कर दी गई है और वह ब्रिटेन यात्रा नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन के नागरिकों से व्यक्तिगत या व्यावसायिक लेनदेन भी नहीं कर सकेंगे।अब्रामोविच ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह चेलसी को बेचने की सोच रहे हैं क्योंकि प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। प्रतिबंध की सूची में उद्योगपति ओलेग डेरिपस्का और रोसनेफ्ट के मुख्य कार्यकारी इगोर सेचिन भी हैं। यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के कारण ए प्रतिबंध लगाए गए हैं।

होल्डर-बोनेर ने वेस्टइंडीज की पारी को संभाला

भाषा। सेंट जोंस

जैसन होल्डर और एनक्रूमा बोनेर ने वेस्टइंडीज को शुरूआती झटकों से निकालकर पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन चार विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया। दोनों अब तक 75 रन की साझेदारी कर चुके हैं।एक समय वेस्टइंडीज ने चार विकेट 127 रन पर गंवा दिए थे। दोनों ने जोखिम नहीं लेते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना किया। इंग्लैंड के पास अभी भी 109 रन की बढत है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर होल्डर 43 और बोनेर 34 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल समय से पहले समाप्त करना पड़ा। अपने कल के स्कोर छह विकेट पर 268 रन से आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने

311 रन बनाए। क्रेग ब्रेथवेट और जॉन कैंपबेल ने 83 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 13 चौके और एक छक्का जड़ा। कैंपबेल 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रेथवेट ने 62 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन 55 के स्कोर पर मार्क वुड को विकेट गंवा बैठे। शामार ब्रूक्स ने 18 के स्कोर पर स्लिप में बेन स्टोक्स को कैच थमाया। वहीं जर्मेन ब्लैकवुड को वुड ने उस समय जीवनदान दिया जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था। वह 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार हुए। वेस्टइंडीज का स्कोर बिना किसी नुकसान के 83 रन था लेकिन उसने चार विकेट 16 ओवर और 44 रन के भीतर गंवा दिए। इसके बाद होल्डर और बोनेर ने पारी को संभाला। इससे पहले इंग्लैंड ने रात के स्कोर में 43 रन ही जोड़े। जॉनी बेयरस्टॉ 109 से 140 रन तक पहुंचे और आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वेस्टइंडीज के लिए तेज गेंदबाज जेडेन सील्स ने 79 रन देकर चार विकेट लिए।